शुभ लाभ

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

माइक्रोफाइनेंस उत्पीड़न को विनियमित करने के लिए दो दिन के भीतर लाया ....@ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 02 फरवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।* । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-32

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया 2025-26 का केंद्रीय बजट

बजट का पहाड़ है, बिहार की बहार है

- अब 12 लाख की कमाई तक कोई आयकर नहीं
- उड़ान स्कीम से जोड़ें जाएंगे 120 नए एयरपोर्ट
- डिलीवरी वाले गिग वर्कर्स रजिस्टर्ड श्रमिक होंगे
- सभी जिला अस्पतालों में होंगे कैंसर केयर सेंटर

- एनईईटी छात्रों के लिए 75,000 मिलेंगी नई सीटें
- किसानों के लिए पीएम धन धान्य कृषि योजना
- देश में अगले 10 वर्ष में बनेंगे 120 नए एयरपोर्ट
- अगले हफ्ते संसद में पेश होगा नया आयकर बिल

नई दिल्ली, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को लोकसभा में मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का दूसरा बजट पेश किया। इस बार के केंद्रीय बजट में बिहार की बहार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आम बजट को ऐतिहासिक करार दिया और कहा कि यह हर भारतीय के सपनों को पूरा करेगा, विकसित भारत के मिशन को आगे ले जाएगा और विकास, निवेश और उपभोग को कई गुणा बढ़ाएगा। जबकि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आर्थिक संकट को हल करने के लिए बड़े बदलाव की जरूरत पर जोर दिया और बजट को गोली के घाव पर केवल मरहम पट्टी करार दिया।

भारत सरकार की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज लोकसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट पेश किया।

बजट में आयकर का स्लैब बढ़ा दिया गया है। अब 12 लाख की कमाई तक कोई भी आयकर नहीं लगेगा। अब तक यह सीमा 7 लाख थी। अब इसे 5 लाख और बढ़ा दिया गया है। वित्त मंत्री ने टैक्स दरों में भी बदलाव की घोषणा की है। वित्त मंत्री ने बताया कि 0-4 लाख तक की टैक्सेबल कमाई पर कोई टैक्स नहीं लगेगा।

4-8 लाख तक की कमाई पर यह दर 5 प्रतिशत, 8-12 लाख तक 10 प्रतिशत और 12-16 लाख तक 15 प्रतिशत और 16-20 लाख तक 20 प्रतिशत और 20 लाख से 24 लाख की आय पर 25 प्रतिशत तथा 30 लाख से अधिक कमाई अपर 30 प्रतिशत का टैक्स लगेगा। टैक्स कम करने से सरकार को प्रत्यक्ष टैक्स में 1 लाख करोड़ और अप्रत्यक्ष टैक्स में 2600 करोड़ का नुकसान होगा। वित्त मंत्री ने इस बजट में कृषि क्षेत्र के लिए एक नई योजना का ऐलान किया है

इस योजना का नाम प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना होगा। वित्त मंत्री ने कहा है कि इससे 1.7 करोड़ किसानों को फायदा होगा। इस योजना में राज्यों की सहायता से कृषि पर काम होगा।। यह योजना सबसे पहले चरण 100 जिलों में चालू की जाएगी। ▶10पर

बजट के केंद्र में बिहार की साड़ी और बिहार की नारी

नई दिल्ली, 01 फरवरी (एजेंसियां).केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट प्रस्तुति के दिन बिहार की मशहूर मधुबनी पेंटिंग वाली क्रीम कलर की साड़ी पहनी थी। मिथिला क्षेत्र में रेशम और कपास से बनने वाली हस्त निर्मित इस साड़ी को बिहार की रहने वाली पद्मश्री विजेता दुलारी देवी ने 2 महीने पहले उन्हें उपहार में दिया था। उस दौरान वह एक कार्यक्रम के लिए मधुबनी आई थीं। संसद में आज यह आम चर्चा थी कि बजट के केंद्र में बिहार की साड़ी थी और बिहार की नारी थी। पद्मश्री दुलारी देवी ने उपहार देते समय वित्त मंत्री से आग्रह किया था कि इस साड़ी को वह बजट पेश करने के दिन पहनें। निर्मला सीतारमण ने दुलारी देवी का मान रखते हुए उनके द्वारा भेंट की गई साड़ी पहनकर बजट पेश किया। इस बजट में उन्होंने मध्यम वर्ग के लोगों को 12 लाख रुपए तक की आय को आयकर मुक्त करने के साथ-साथ बिहार को बड़ी सौगात भी दी। इनमें इनमें ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, मखाना बोर्ड का गठन, राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी संस्थान, आईआईटी पटना का विस्तार, मिथिलांचल में पश्चिमी कोसी नहर परियोजना, बोधगया एवं वैशाली सहित भगवान बुद्ध से जुड़े स्थलों का विकास आदि शामिल हैं। इस बजट से बिहार के लोगों के साथ-साथ ▶10पर

यह जनता जनार्दन का बजट है: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आम बजट को जमकर सराहा। उन्होंने इसे जनता जनार्दन का बजट करार दिया। उन्होंने कहा, आज भारत के विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। ये 140 करोड़ भारतीयों के आकांक्षाओं का बजट है, ये हर भारतीय के सपनों को पूरा करने वाला बजट है। हमने कई सेक्टर युवाओं के लिए खोल दिए हैं। ये विकसित भारत के मिशन को ड्राइव करने वाला है, ये बजट बल गुणक (फोर्स मल्टिप्लायर) है। ये बजट बचत को बढ़ाएगा, निवेश को बढ़ाएगा और ग्रोथ को भी तेजी से बढ़ाएगा। मैं वित्त मंत्री को इसके लिए बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि आमतौर पर बजट का फोकस इस बात पर रहता है कि सरकार का खजाना कैसे भरेगा, लेकिन ये बजट उससे बिल्कुल उल्टा है। ▶10पर

रक्षा क्षेत्र के लिए 6.81 लाख करोड़ का बजट

रक्षा क्षेत्र पर केंद्र सरकार का ध्यान कम

नई दिल्ली, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025 में रक्षा मद में 6.81 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। पिछले बजट के मुकाबले इसमें मामूली बढ़ोतरी हुई है। रक्षा बजट को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि केंद्र का ध्यान रक्षा क्षेत्र पर कम है। रक्षा क्षेत्र के लिए वित्त मंत्री ने 6,81,210 करोड़ रुपए आवंटित किए। पिछले साल यह आंकड़ा 6,21,940 करोड़ रुपए था। बजट में कुल रक्षा पूंजीगत व्यय 1,92,387 करोड़ रुपए निर्धारित किया गया है। इसमें राजस्व व्यय 4,88,822 करोड़ रुपए रखा गया है, जिसमें पेंशन के लिए 1,60,795 करोड़ रुपए शामिल हैं। पूंजीगत व्यय के तहत, विमान और एयरो इंजन के लिए 48,614 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं, जबकि नौसेना बेड़े के लिए 24,390 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। अन्य उपकरणों की खरीद के लिए 63,099 करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की गई है।

सरकार ने 2024-25 के लिए रक्षा बजट का हिस्सा 2023-24 (संशोधित) में 4,55,897 करोड़ रुपए से घटाकर 4,54,773 करोड़ रुपए कर दिया था। जबकि 2023-24 में बजट अनुमान 4,32,720 करोड़ रुपए था। रक्षा बजट 2024 के लिए 6,21,940 करोड़ रुपए निर्धारित था। जिसमें निर्धारित राजस्व खर्च (रेवेन्यू) 4,39,700 करोड़ रुपए, पूंजीगत खर्च (कैपिटल एक्सपेंडिचर) 1,82,240 करोड़ रुपए रहा। फरवरी में जारी किए गए अंतरिम बजट के कुल आवंटन में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अंतरिम बजट से पूंजीगत परिव्यय में केवल 10,000 करोड़ की वृद्धि हुई है। देखा जाए, तो केवल रक्षा क्षेत्र में पूंजीगत बजट में ही बढ़ोतरी हुई है।

चीन का रक्षा बजट भारत से कहीं ज्यादा

आजादी के बाद देश का पहला बजट 26 नवंबर 1947 को आरके षणमुगम चेट्टी ने पेश किया था। इस बजट का कुल आकार यानी कुल खर्च का अनुमान 197.39 करोड़ था। इस बजट में सबसे अधिक आवंटन रक्षा क्षेत्र के लिए ही किया गया था। स्वतंत्र भारत के पहले बजट में 92.74 करोड़ रुपए यानी 46 प्रतिशत सिर्फ रक्षा सेवाओं पर खर्च किए जाने की बात कही गई थी। इसके बाद मोदी सरकार के सत्ता में आने से पहले यानी 2013-14 के बजट में रक्षा क्षेत्र पर 2,03,672 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान लगाया गया था। ▶10पर

केंद्रीय बजट ने रेलवे को दिए 2.55 लाख करोड़ रुपए

देश की जीवन-रेखा को केंद्र ने किया अनदेखा

नई दिल्ली, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय रेल देश की जीवन रेखा है। बजट में रेलवे के लिए बड़ी घोषणाओं की उम्मीद थी, लेकिन सरकार ने रेलवे के बजट में खास बड़ी घोषणा से परहेज किया है। केंद्रीय बजट में रेलवे मंत्रालय के लिए 2.55 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इनमें राजस्व में 3445 करोड़ रुपए और कैपिटल एक्सपेंडिचर में 2,52,000 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस तरह रेलवे बजट में कुल 2,55,445 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। बजट में पेंशन फंड में 66 हजार करोड़ रुपए रखे गए हैं। नई लाइनें बिछाने के लिए 32,235 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। लाइनों के दोहरीकरण में 32,000 करोड़ और गॉज लाइन में बदलने में 4,550 करोड़ रुपए का बजट तय किया गया है।

बजट में सिग्नलिंग और टेलीकॉम के लिए 6800 करोड़, विद्युत लाइनों के लिए 6,150 करोड़ रुपए, स्टाफ कल्याण पर 833 करोड़ रुपए का बजट तय किया गया है। रेलवे स्टाफ की ट्रेनिंग उद्देश्य के लिए 301 करोड़ रुपए खर्च होंगे। वहीं रेलवे सेफ्टी फंड में 45 हजार करोड़ रुपए ट्रांसफर किए जाएंगे। रेल मंत्रालय रेल हादसों को कम करने के लिए खास कदम उठाने जा रहा है। इसके तहत देश के प्रमुख रेलवे रूट पर कचव का अपग्रेड वर्जन 4.ज लगाने का काम तेजी से किया जाएग। कवच के नए वर्जन को रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन (आरडीएसओ) ने हाल में अप्रूवल दे दिया है। मंत्रालय ने बजट में इसे लेकर कोई भी नई घोषणा नहीं की है और इसके बजाय पूर्व की घोषणाओं को पूरा करने पर जोर दिया गया है। रेलवे मंत्रालय के अनुसार भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्त रूटों में से दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-कोलकाता शामिल हैं। इन दोनों रूटों को कवच से लैस किया जा रहा है। साथ ही मुंबई-चेन्नई व चेन्नई-कोलकाता रूट पर भी कवच लगाया जाएगा। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 84,140/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 95,330/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 21^0

प्रधानमंत्री के सुरक्षा दस्ते एसपीजी के बजट में हुई कटौती

नक्सल सफाये के लिए सीआरपीएफ के बजट में इजाफा

नई दिल्ली, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए शनिवार को लोकसभा में पेश किए गए बजट में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के लिए निर्धारित राशि में अच्छा खासा इजाफा देखने को मिला है। खास बात है कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) के बजट में कटौती की गई है। गत वर्ष एसपीजी का बजट 506.32 करोड़ रुपए था, जबकि 2023-24 में यह बजट 446.82 करोड़ रुपए रहा था। वहीं इस बार एसपीजी के लिए 489 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत हुआ है। सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ जो उत्तर पूर्व, जम्मू कश्मीर और नक्सल में आतंकियों/नक्सलियों से लोहा ले रहा है, उसके बजट में भारी इजाफा हुआ है। गत वर्ष सीआरपीएफ के हिस्से में 31,543.20 करोड़ रुपए आए थे। इस बार के केंद्रीय बजट बजट में सबसे बड़े केंद्रीय बल सीआरपीएफ को 35,147.17 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि गत वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री की सुरक्षा में छोटी-मोटी चूक हुई है। पंजाब में 5 फरवरी 2022 को पीएम मोदी की सुरक्षा को लेकर बड़ी चूक सामने आई थी। पीएम मोदी बठिंडा से सड़क मार्ग के जरिए फिरोजपुर आ रहे थे। रास्ते में किसानों ने जाम लगा दिया। नतीजा, पीएम मोदी के काफिले को फिरोजपुर के प्यारेआणा फ्लाईओवर पर करीब 20 मिनट तक रुकना पड़ा।

इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) का बजट बढ़कर 3893.35 करोड़ हुआ

सुरक्षा कारणों की वजह से पीएम मोदी के काफिले ने फिरोजपुर जाने की बजाए यू-टर्न ले लिया था। एयरपोर्ट पर पहुंचे पीएम मोदी ने कहा था, वो जिंदा वापस लौट आए हैं, इसके लिए सीएम का धन्यवाद। प्रधानमंत्री की सुरक्षा चूक मामले में कई अफसरों पर गाज गिरी थी। उसके बाद एसपीजी की सुरक्षा प्रणाली में कई बदलाव किए गए। तकनीकी बदलावों पर खास फोकस किया गया। एसपीजी दस्ते में सर्विलांस के नई उपकरण शामिल किए गए। प्रधानमंत्री की सुरक्षा संवेदनशीलता को देखते हुए इस बार स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप के लिए तय बजट में की गई कटौती निराशाजनक है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने पिछले 5 साल में देश में कई प्रकार के खतरों से निर्णायक लड़ाई लड़कर वर्चस्व स्थापित किया है। 5 साल पहले तक हमारे देश के सामने दशकों से चले आ रहे तीन नासूर-पूर्वोत्तर, वामपंथी उग्रवाद और कश्मीर देश की शांति, कानून-व्यवस्था, सुरक्षा और भविष्य को चैलेंज दे रहे थे। सरकार की सख्त नीतियों और कठोर निर्णयों के कारण हमारी आने वाली पीढ़ी को इन तीनों खतरों की चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हमने इन खतरों पर लगभग निर्णायक विजय प्राप्त कर ली है। शाह ने कहा कि इन तीनों क्षेत्रों में हिंसक घटनाओं में 70 प्रतिशत और मृत्यु में लगभग 86 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है। शाह ने कहा था, अभिसूचना ब्यूरो (आईबी) की कार्यपद्धति, सतर्कता, सक्रियता, निर्णायक भूमिका निभाना और यश लेने के समय किसी और को ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

जेबीएन वी. कनेक्ट की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेबीएन वी. कनेक्ट की बैठक जेएलडब्ल्यू नॉर्थ की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना के मार्गदर्शन और जेएलडब्ल्यू नॉर्थ की मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़, समिति सदस्यों तथा बिंदु रायसोनी (जीतो अपेक्स कन्वीनर - हाउसहोल्ड बिजनेस मॉडल) की गरिमामयी उपस्थिति में राजाजीनगर स्थित जीतो कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की मुख्य वक्ता कामना जैन थीं, जो जेसीआई की प्रेसिडेंट और एक सॉफ्ट स्किल ट्रेनर भी हैं। उन्होंने एआई तकनीक से परिचित कराते हुए बताया कि इसे हम अपने दैनिक जीवन में कैसे उपयोग कर सकते हैं। साथ ही, उन्होंने विभिन्न प्रकार की उपयोगी वेबसाइट्स के बारे में भी

जानकारी दी, जिनका उपयोग हम अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए कर सकते हैं। मृदुभाषी और सौम्य मुस्कान वाली दीपिका जैन ने 8 मिनट की प्रस्तुति में अर्हम पुरस्कार ध्यान के बारे में गहन जानकारी दी। यह आत्म-साक्षात्कार और आत्मा की खोज की दिशा में एक अनूठी तकनीक है, जो डिप्रेशन, कैंसर, त्वचा रोग और अन्य कई स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से उबरने में सहायक होती है। शैक्षणिक स्लॉट में लक्षिता ने सोशल मीडिया के महत्व को समझाया और बताया कि यह न केवल लोगों के बीच अटूट संबंध बनाता है, बल्कि साथी सदस्यों को गहराई से समझने में भी मदद करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता रेफरल हेड सीमा शाह, रेफरल लीड मीना जैन और रेफरल सेक्रेटरी लीला पितलिया ने की। सभी जेबीएन सदस्यों को 30 सेकंड बोलने का अवसर मिला। इस दौरान, रियांका जैन को बेस्ट 30 सेकंड पिच पुरस्कार से सम्मानित किया गया, पायल वर्धमान को बेस्ट ड्रेस पुरस्कार मिला और सबसे अधिक रेफरल देने के लिए लक्षिता जैन को पुरस्कृत किया गया। मीटिंग का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसके बाद सदस्यों के बीच खुली नेटवर्किंग का अवसर दिया गया। इस दौरान समूह के भीतर उपयोगी व्यावसायिक संबंधों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई गई।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
रेल पहिया कारखाना में शुक्रवार को चन्द्र वीर रमण, महाप्रबंधक, रेपका की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें सभी विभागाध्यक्षों ने भाग लिया।

मानस कुमार पोद्दार, मुख्य राजभाषा अधिकारी व प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर ने महाप्रबंधक एवं सभी विभागाध्यक्षों का स्वागत किया तथा बैठक में विभागवार राजभाषा प्रगति की समीक्षा की गई। महाप्रबंधक ने रेल पहिया कारखाना में हिंदी के प्रयोग-प्रसार की सराहना की तथा अपने संबोधन में राजभाषा के विकास के लिए हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने का सुझाव भी दिया।

रेलवे बोर्ड की व्यक्तिगत नकद पुरस्कार योजना के अधीन पुरस्कार प्राप्त करने वाले 02 कर्मचारियों को महाप्रबंधक द्वारा प्रमाण पत्र दिया गया। बैठक के अंत में अधिकारियों के लिए एक हिंदी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

अश्विन सेमलानी विशिष्ट सेवा अवार्ड से सम्मानित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। काउंसिल फॉर मीडिया एंड सैटलाइट ब्रॉडकास्टिंग (सीएमएसबी) नई दिल्ली की ओर से बेंगलूरु के एफकेसीसीआई स्थित सभागार में आयोजित समारोह में अश्विन सेमलानी को विशिष्ट सेवा अवार्ड एवं निखिल डी. जैन को यंग एंटरप्रेन्योर के अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एफकेसीसीआई के अध्यक्ष एमजी बालकृष्ण, कोप्पल विश्वविद्यालय के कुलपति, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस सारा फातिमा, सहायक पुलिस आयुक्त बालकृष्ण सहित कई अन्य लोगों को काउंसिल फॉर मीडिया एंड सैटलाइट ब्रॉडकास्टिंग (सीएमएसबी) के अध्यक्ष बंगारी ने अवार्ड प्रदान किये।

मातृछाया की 11 दिवसीय तीर्थ यात्रा में जीवदया एवं परमार्थ सेवा के अनेक कार्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मातृछाया जैन महिला संगठन की सदस्याएं शंखेश्वर और पालीताना सहित लगभग 15 पावन तीर्थ स्थलों की 11 दिवसीय तीर्थ यात्रा पूर्ण कर बेंगलूरु वापस पहुंची। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने बताया कि लगभग 30 सदस्याओं ने तीर्थ दर्शन, साधु-साध्वियों की वैयावच्च, वंदन और भक्ति के साथ-साथ जीवदया एवं परमार्थ सेवा का भी भरपूर लाभ लिया। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति सच्चे मन से सेवा और दान करता है, उसे न केवल आत्मिक सुख मिलता है, बल्कि उसकी जीवन यात्रा भी सुखद और सफल होती है। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि इस यात्रा में धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करने के साथ ही अनाथ आश्रम, वृद्धाश्रम और

महिलाओं के आश्रमों में सेवा प्रदान कर इन केंद्रों को 21,000 की सहायता राशि चेक एवं नकद रूप में भेंट की गई। उन्होंने कहा कि धन का सही उपयोग तभी होता है जब हम इसे जरूरतमंदों की सहायता में लगाते हैं। जरूरतमंदों की मदद करना मानवता का सबसे बड़ा धर्म है। सभी जीवों पर दया करना हमारे जीवन का मूल उद्देश्य होना चाहिए। मनुष्य ही एकमात्र जीव है जो अपनी शक्ति से अन्य जीवों की सेवा कर सकता है। सचिव रेशमा बडोला ने बताया कि यात्रा के दौरान अनेक गौशालाओं एवं पशु चिकित्सा केंद्रों में भी विशाल सहयोग राशि प्रदान की गई। उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना ने बताया कि जैन समाज के साधर्मिक भाई-बहनों को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनकी भक्ति और सेवा को प्रोत्साहित किया गया। संगठन की सदस्याओं ने साधु चर्या को निकट से जानने के साथ-साथ उनके आहार सेवा और भक्ति का भी लाभ लिया। तीर्थ स्थलों की व्यवस्था समिति ने मातृछाया के सेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनका अभिनंदन किया। सहायता प्राप्त करने वाली संस्थाओं के प्रमुखों ने मातृछाया के सहयोग हेतु अपना आभार प्रकट किया। सेवा-सहयोग कार्य संयोजिका त्रिशला दांतेवाडिया ने बताया पूरे भारतवर्ष से जुड़ी हुई महिलाओं के इस संगठन में बेंगलूरु के साथ चेन्नई, मुंबई, राजमुंद्री और तंकू आदि क्षेत्रों की महिलाओं ने इस सेवा यात्रा में सम्मिलित होकर परोपकार के कार्यों में भाग लिया एवं अंत में सभी का आभार व्यक्त किया।

साध्वी उदितयशाजी का मंगल प्रवेश

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी उदितयशा जी का मंगल प्रवेश शनिवार सुबह 8.30 बजे तेरापंथ सभा भवन हासन में हुआ।

वंदना से कार्यक्रम की शुरुवात हुई। महिला मंडल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। साध्वी जी ने फरमाया कि पंडित कौन होता है, पंडित वह है जो क्षण अर्थात उस अवसर का लाभ उठाए तो हम सभी पंडित बन सकते है।

साध्वी ने फरमाया चारित्र आत्माओं का सानिध्य जब प्राप्त होता है तो समाज के लिए अवसर है कि उस समय सभा भवन में आकर ज्यादा से ज्यादा धर्माराधना, तत्वज्ञान से आध्यामिकता की ओर बड़ते हुए अपने जीवन को उज्वल बनाए। मलनाड अध्यक्ष महावीर भंसाली ने साध्वी का स्वागत करते हुए उनका परिचय एवं उनकी यात्रा का उल्लेख किया।

इस उपलक्ष पर तेरापंथ सभा हासन के अध्यक्ष सोहनलाल तातेड, मंत्री विमल कोठारी, महिला मंडल मंत्री पिंकी गुलगुलिया, युवक परिषद अध्यक्ष नितेश सुराणा, मंत्री मनीष तातेड, टी पी एफ अध्यक्ष प्रकाश भंसाली एवं सर्व समाज की उपस्थिति रही।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *प्रयागराज में आयोजित 12 जनवरी को महाकुंभ के लिए स्पाइसजेट की बेंगलूरु से प्रयागराज की पहली उड़ान के लिए पहले यात्री बने श्री जीण दीवाने ग्रुप के संस्थापक मनालाल भामा व उनके परिवार का स्पाइसजेट के मैनेजर व स्टॉफ ने बेंगलूरु हवाई अड्डे पर केक काट कर और सनातन धर्म का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। इस अवसर पर उनके साथ उनकी धर्मपत्नी व दोनों बेटियां भी महाकुंभ की यात्रा पर गयी थी।*

बजट हर महिलाओं के लिए अपने सपनों को सच करने का अवसर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम जनता के लिए बहुत अच्छा बजट पेश किया है। सभी को ध्यान में रखते हुए बजट पेश किया गया है। किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए बहुत ही शानदार बजट है। बजट आम करदाताओं के लिए राहत और विकास की नई संभावनाएं लेकर आया है। सबसे बड़ी घोषणा 12 लाख रुपये तक की आय पर शून्य कर है, जो मध्यम वर्ग को सीधा फायदा देगा और उनकी बचत व खर्च करने की क्षमता को बढ़ाएगा। कर स्लैब में किए गए बदलावों से न केवल व्यक्तिगत करदाताओं को लाभ मिलेगा, बल्कि उपभोक्ता मांग में वृद्धि से आर्थिक गतिविधियां भी तेज होंगी। यह बजट आर्थिक प्रगति और करदाताओं को राहत प्रदान करने का संतुलित प्रयास है।

सुनीता गांधी , पूर्व अध्यक्ष जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। इस बार का बजट मध्यम वर्ग के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई इनकम टैक्स नहीं होने से करदाताओं की बचत बढ़ेगी और उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, सरकार ने आर्थिक विकास और बुनियादी ढांचे को गति देने पर जोर दिया है। हालांकि, इसकी सफलता इस पर निर्भर करेगी कि योजनाओं का क्रियान्वयन कितना प्रभावी होता है। कुल मिलाकर, यह बजट संतुलित और आम जनता के हित में है।

बिन्दु रायसोनी, पूर्वाध्यक्ष जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यह बजट वाकई संतुलित और व्यापक है, जिसमें सरकार ने कृषि, रोजगार और मध्यम वर्ग पर विशेष ध्यान दिया है। आयकर स्लैब की सीमा को 12 लाख तक बढ़ाने का निर्णय एक सराहनीय कदम है, जिससे मध्यम वर्ग को बड़ी राहत मिलेगी। सरकार ने सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों को कवर करते हुए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है, जिससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और विकास को गति मिलेगी। यह बजट न केवल आर्थिक सुधारों को प्रोत्साहित करता है, बल्कि आम नागरिकों के जीवन को भी बेहतर बनाने का प्रयास करता है।

नेहा चौधरी, अध्यक्ष भारतीय जैन संगठन महिला चैप्टर बेंगलूरु

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया बजट बहुत ही जबरदस्त है। भारत में बीमा जगत के हिसाब से लगभग पहले सिर्फ 74 प्रतिशत एफडीआई थी, अभी उसको बढ़ाते हुए 100 प्रतिशत किया गया है। यह एक स्वागत योग्य है, पर हर एक कस्टमर को अभी आगे से बहुत ही ध्यानपूर्वक टर्म्स एंड कंडीशन को समझते हुए ही बीमा लेना चाहिए। क्योंकि हर एक बीमा कंपनी जो हमारे देश में आएगी वो पैसा बनाने के लिए आती है। कस्टमर के फायदे को देखने से पहले कंपनी स्वयं का फायदा पहले देखेगी। इसलिए सभी को ध्यान रखते हुए बीमा को खरीदना चाहिए।

जैन दिनेश खिवेसरा, बीमा सलाहकार, पूर्व अध्यक्ष जैन युवा संगठन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह बजट विकसित भारत की परिकल्पना, अंत्योदय के प्रति दृढ़ संकल्प एवं नए भारत को वैश्विक विकास का अग्रदूत बनाने का रोडमैप तैयार करने वाला मोदी की गारंटी बजट पेश किया है। 12 लाख तक टैक्स में छूट देकर मध्यम वर्ग को बड़ी राहत दी गई, जिससे आमजन के साथ हर वर्ग को लाभ मिलेगा। बजट में किसानों के लिए घोषणाएं कृषि क्षेत्र और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में क्रांति लाएंगी। कर राहत से मध्यम वर्ग और वेतनभोगी कर्मचारियों को लाभ होगा। इस बजट में युवाओं, किसानों, महिलाओं और आम आदमी पर फोकस किया गया है। वाकई, ये मोदी की गारंटी का बजट है।

गौतम चंद धारीवाल, सामाजिक कार्यकर्ता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। निर्मला सीतारमण का निर्मल बजट मोदी सरकार का अब तक का मध्यम वर्ग के लिए पहला सर्वश्रेष्ठ बजट है। कैंसर व अन्य दवाओं पर ड्यूटी कम करना बहुत ही अच्छा कदम है। व्यापारी व किराएदारों के लिए टीडीएस की 6 लाख तक की सीमा बढ़ाना तथा इनकम टैक्स में 12 लाख रुपए तक की छूट अच्छे दिनों की तरफ अग्रसर होने की शुरुआत है। इस तरह से इनकम टैक्स में छूट देना भारत में काला धन कम होने की तरफ अच्छा कदम है, परंतु रेलवे में कुछ भी घोषणा नहीं करना आश्चर्यचकित करने वाला है। मोदी सरकार को रेलवे बजट अलग से पेश करना चाहिए।

अरुण बोहरा, पूर्व उपाध्यक्ष स्विचगियर्स एसोसिएशन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यह बजट मध्यम वर्ग के लिए अनुकूल है, जिसमें 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय पर कर छूट का प्रावधान किया गया है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों तथा विनिर्माण क्षेत्र को प्राथमिकता दी गई है। केंद्र ने एमएसएमई को उनके लेन-देन और निवेश के संदर्भ में पुनर्परिभाषित किया है। विभिन्न उद्योगों द्वारा आयातित कुछ वस्तुओं और कुछ दवाओं को सीमा शुल्क से छूट दी गई है, जो विनिर्माण क्षेत्र और स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक अच्छी प्रगति है। केंद्रीय बजट स्वागत योग्य है क्योंकि इसमें कृषि को महत्व दिया गया है।

अश्विन सेमलानी, उपाध्यक्ष कर्नाटका इनरवियर एसोसिएशन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वित्तमंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट मध्यम वर्ग के लिए तोहफा बन कर आया है। आयकर को व्यवहारिक बनाकर छूट से बचत और निवेश से जीवन स्तर सुधरेगा और खर्च के लिए धन उपलब्ध होने पर बाजार में रौनक भी बढ़ेगी। बजट में बुजुर्गों को सम्मान मिला है और विद्यार्थियों के लिए ज्यादा अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। किसानों की धड़कनों को भी सुना गया है तथा देश की रक्षा शक्ति को और सशक्त बनाने हेतु सरकार का संकल्प दिखाई दे रहा है। विद्युत ऊर्जा को बढ़ावा दे कर वित्तमंत्री ने देश में उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग को बढ़ावा दिया है। कुछ छूट तो कुछ नए टैक्स, यह प्रत्येक बजट की परंपरा है। एक सशक्त आर्थिक व्यवस्था के लिए वित्तमंत्री का यह बजट सूझ बुझ भरा माना जाएगा।

अभय कुमार बांठिया, व्यापारी, बेंगलूरु

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जब मैं इस बजट के बारे में सोचती हूं, तो मुझे खासतौर पर खुशी होती है कि पहली बार उद्यम शुरू करने वाली महिलाओं के लिए एक नई योजना शुरू की जा रही है, जो उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। यह मदद उन्हें आत्मनिर्भर बनने और अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने का मौका देगी। यह मेरे लिए एक सशक्त कदम है, जो हर महिला को अपने सपनों को सच करने का अवसर देगा। गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी पर खास ध्यान देने से यह बजट न केवल शहरों, बल्कि ग्रामीण और कृषि क्षेत्रों की महिलाओं को भी लाभ पहुंचाएगा, जो बहुत मायने रखता है। कुल मिलाकर, यह बजट महिलाओं की आर्थिक भागीदारी, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और वित्तीय स्थिरता को मजबूत करेगा, जो हमारे लिए एक समावेशी और सशक्त भविष्य की दिशा में एक मजबूत कदम है।

बबिता रायसोनी, चेयरपर्सन, जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ, मोटिवेशनल ट्रेनर

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2025-26 आमजन के सशक्तिकरण का प्रतीक है। यह बजट मध्यम वर्गीय परिवारों के उत्थान के प्रति सरकार की गहरी संवेदनशीलता को प्रकट करता है। इस बजट ने उन परिवारों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाया है, जो देश के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। 12 लाख तक की आय कर मुक्त कर मध्यम वर्गीय परिवारों को एक अत्यधिक बड़ी राहत प्रदान की गई है, जिससे उनके जीवन में सहजता, समृद्धि और आर्थिक स्वतंत्रता की नई राह खुलेगी। इस निर्णय से मध्यम वर्ग को न केवल वित्तीय राहत मिलेगी, बल्कि उनके सामर्थ्य में भी वृद्धि होगी, जिससे वे अपनी आकांक्षाओं को और भी साकार कर सकेंगे।

सुभाष चंद्रा डंक, कार्यदर्शी ऑल कर्नाटक ट्रेडर्स एसोसिएशन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय बजट सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय है। जिसमें सबसे अच्छी बात यह है कि 12 लाख तक की आय को कर मुक्त कर मध्यम वर्ग को बड़ी राहत दी गई है। यह बजट सर्वस्पर्शी है और विकसित भारत की झलक है, जिसमें आम आदमी को राहत महसूस होगी। हर क्षेत्र में जनता को राहत मिलेगी और भारत की मजबूती झलकेगी। बजट में किसान, युवा एवं वरिष्ठ नागरिकों को भी राहत देकर बजट को सर्वस्पर्शी बनाया है।

भूपेश कश्यप, व्यापारी

माइक्रोफाइनेंस उत्पीड़न को विनियमित करने के लिए दो दिन के भीतर लाया जाएगा अध्यादेश: राजस्व मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

माइक्रोफाइनेंस उत्पीड़न को रोकने के लिए राज्य सरकार द्वारा तैयार किए गए मसौदा अध्यादेश पर शनिवार एक और दौर की बैठक हुई। बैठक में विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल और राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने भाग लिया। बैठक में माइक्रोफाइनेंस कंपनियों को आरबीआई के दायरे में लाने और अध्यादेश के माध्यम से उन्हें विनियमित करने के पक्ष और विपक्ष पर चर्चा की गई। ऋण वसूली में अवैध प्रथाओं को रोकने के लिए एक विश्लेषण किया गया है, जैसे कि क्षमता से अधिक ऋण देना और फिर उसे वसूलने के लिए बैक-चैनलिंग का सहारा लेना। माइक्रोफाइनेंस मध्यम वर्ग की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इसलिए, उन पर अचानक भड़कने के संभावित दुष्प्रभावों के बारे में भी चर्चा हुई है। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने कहा कि माइक्रोफाइनेंस कंपनियां केंद्र सरकार

के नियंत्रण में आ जाएंगी। केंद्रीय मंत्री यहां आते हैं और बोलते हैं। केंद्रीय मंत्री यह भूल गए हैं कि आरबीआई किसके अधिकार क्षेत्र में आता है। क्या केंद्र सरकार को माइक्रोफाइनेंस के कारण राज्य के लोगों को हो रही परेशानी नजर नहीं आती? इस बीच, सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना ने कहा कि माइक्रोफाइनेंस की समस्या को रोकने के लिए मौजूदा कानून को पहले ठीक से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बाद में अध्यादेश लाया जा सकता है। माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं की मौजूदगी के कारण हर जगह उत्पीड़न की शिकायतें आती रहती हैं। कुछ स्थानों पर आत्महत्याएं भी हुई हैं। इस समय मौजूदा कानूनों का उपयोग करके मामले क्यों नहीं दायर किए जा रहे हैं? इस पर राजनीति की बात करना ठीक नहीं है। हमारी सरकार ने उत्पीड़न रोकने के लिए काफी प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि वे एक और दौर की बैठक करेंगे और रविवार तक अध्यादेश राज्यपाल को भेज देंगे। इससे पहले राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को कहा था कि हम उन माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे जो अत्यधिक ब्याज वसूल रही हैं और अवैध रूप से ऋण वसूल रही हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने ऋण लेने वालों से अपील की है कि वे डरकर आत्महत्या जैसा फैसला न लें। शहर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि माइक्रोफाइनेंस कंपनियां भी आरबीआई के नियंत्रण में हैं। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा को आलोचना करने से पहले सोचना चाहिए। कुछ स्थानों पर आउटसोर्सिंग पर ऋण वसूली के लिए गुंडों और उपद्रवियों का उपयोग करना अवैध है। उन्होंने कहा कि यह सही नहीं है। नाबार्ड द्वारा प्रदान किये जाने वाले ऋण की राशि में भी 58 प्रतिशत की कमी की गई है। हमने उन्हें कई बार पत्र लिखकर इसे ठीक करने के लिए कहा है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि उन्होंने इस पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। माइक्रोफाइनेंस के बारे में पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि लोग वहां जाते हैं जहां उन्हें ऋण मिल सकता है, और यही कारण है कि माइक्रोफाइनेंस कंपनियां ऋण वसूली के नाम पर उत्पीड़न करती हैं। वे अत्यधिक ब्याज वसूल रहे हैं और लोगों को अपना कर्ज वसूलने के लिए परेशान कर रहे हैं। इस सब पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार द्वारा एक अध्यादेश जारी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नया कानून लागू होने के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

विधायक बी.आर. पाटिल ने सीएम के सलाहकार पद से दिया इस्तीफा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आलंदा निर्वाचन क्षेत्र के विधायक बी.आर. पाटिल के मुख्यमंत्री के सलाहकार पद से इस्तीफा देने से राज्य की राजनीति में एक नया घटनाक्रम सामने आया है।

बी.आर. पाटिल मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के पुराने मित्र और करीबी सहयोगी हैं। मंत्री पद की चाहत रखने वाले प्रियांक खड़गे और शरण प्रकाश पाटिल कलबुर्गी जिले से उनका विरोध कर रहे थे। इस प्रकार, बी.आर. पाटिल ने कई बार सार्वजनिक बयान देकर सरकार और पार्टी को शर्मिंदा किया। इसी तरह, बसवराज राय रेड्डी ने भी कई मौकों पर बयान देकर कांग्रेस में भ्रम की स्थिति पैदा की थी। इन दोनों को खुश करने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बसवराज रायरेड्डी को आर्थिक सलाहकार और बी.आर. पाटिल को मुख्यमंत्री का सलाहकार नियुक्त कर उन्हें कैबिनेट स्तर का दर्जा दे दिया। हालांकि, पता चला है कि बी.आर. पाटिल ने राज्य और जिले की राजनीति से तंग आकर अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

कोटेकर बैंक डकैती मामले में

सबूत जुटाने के दौरान भागने की कोशिश में आरोपी के पैर में गोली लगी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कोटेकर व्यवसायी सेवा सहकारी संघ डकैती मामले की जांच के दौरान, जांच अधिकारी पीआई उल्लाल पीएस ने आगे की पूछताछ के लिए मुरुगंडी थेवर और योसुवा राजेंद्रन को 3 फरवरी तक पुलिस हिरासत में लिया। हिरासत में पूछताछ के दौरान, आरोपी मुरुगंडी थेवर ने अपराध की योजना और निष्पादन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी का खुलासा किया। उसने खुलासा किया कि नवंबर 2024 में, वह, योसुवा राजेंद्रन और एक स्थानीय सहयोगी, शशि थेवर, उल्लाल पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर बैंक के पास अज्जी नादका में मिले थे। इस बैठक में, शशि थेवर कथित तौर पर एक बन्दूक लेकर आया और सुरक्षा चूक के बारे में जानकारी साझा की, जिससे डकैती की योजना बनाने में मदद मिली। मुरुगंडी ने आगे दावा किया कि शशि ने घटनास्थल पर

हथियार छिपा दिया था। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए उल्लाल इंस्पेक्टर, एक सब-इंस्पेक्टर और दो कांस्टेबलों वाली एक पुलिस टीम शनिवार को मुरुगंडी थेवर के साथ साक्ष्य बरामदगी और पंचनामा के लिए अज्जिनदका के लिए रवाना हुई। हालांकि, स्थान पर पहुंचने पर, मुरुगंडी ने अचानक कांस्टेबल मंजूनाथ पर हमला किया, उसके गुप्तांगों पर वार किया और भागने से पहले उसे रोकने के लिए जंजीर से गला घोंटने का प्रयास किया। जवाब में, उल्लाल इंस्पेक्टर ने हवा में एक चेतावनी गोली चलाई। जब मुरुगंडी चेतावनी के बावजूद भागना जारी रखा, तो उसे रोकने के लिए उसके घुटने के नीचे दूसरी गोली चलाई गई। घटना के बाद, कांस्टेबल मंजूनाथ और आरोपी मुरुगंडी थेवर दोनों को तुरंत चिकित्सा उपचार के लिए येनेपोया अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि दोनों खतरे से बाहर हैं और उन्हें आवश्यक देखभाल दी जा रही है। इस घटना के संबंध में एक अलग मामला दर्ज किया जाएगा और आगे की जांच जारी है।

मेंगलूरु कोर्ट ने सामूहिक बलात्कार मामले में 3 लोगों को 20 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय एफटीएससी-2 पॉक्सो न्यायाधीश मानू केएस ने सामूहिक बलात्कार के आरोप में तीन लोगों को 20 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई और उन पर 1.65 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। दोषी ठहराए गए लोगों में मेंगलूरु के मुलुर गांव के मोहम्मद शकीर उर्फ साकिर (26), उडुपी के अब्दुल समद उर्फ समद (32) और बंटवाल के अभिजीत उर्फ अभि (27) शामिल हैं। विशेष लोक अभियोजक के बद्रीनाथ नायरी ने कहा कि शकीर और समद ने 16 वर्षीय पीड़िता को मोबाइल फोन और नए कपड़े खरीदने का झांसा देकर बहला-फुसलाकर 7 दिसंबर, 2021 को केरल के मंजेश्वर आने को कहा।

मंजेश्वर में समद ने उसे अपनी बाइक पर बिठाया और एक लॉज में ले गया। वहां, शकीर और समद ने उसे 11 दिसंबर तक

बंधक बनाए रखा। दोनों पर उसे बीयर पीने और गांजा पीने के लिए मजबूर करने और बारी-बारी से उसका यौन शोषण करने का आरोप है। उसी दिन शाम करीब 7.15 बजे वे लड़की को नटेकल ले गए और अभिजीत को सौंप दिया, जिसने फिर उसे पजीर के कंबलपड़ाव में एक अपार्टमेंट में ले जाकर उसे बीयर पीने और गांजा पीने के लिए मजबूर किया और फिर उसके साथ बलात्कार किया। बाद में, समद और शकीर भी उसके साथ आ गए, जिन्होंने उसे फिर से बीयर पीने और गांजा पीने के लिए मजबूर किया और फिर उसके साथ बलात्कार किया। उन्होंने उसे यह भी धमकी दी कि अगर उसने किसी को घटना के बारे में बताया तो वे उसे जान से मार देंगे। पीड़िता की मां की शिकायत के आधार पर उसे अपार्टमेंट से छुड़ाया गया और पुलिस ने आईपीसी की धारा 363, 328, 376 (डी), 506 सहपठित 34, पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 और एनडीपीएस अधिनियम की धारा 27 (बी), 20 (बी) के तहत मामला दर्ज किया। इंस्पेक्टर संदीप जी एस ने जांच की और अदालत में आरोप पत्र पेश किया। अदालत ने 15 गवाहों की जांच की और 50 दस्तावेजों को चिह्नित किया। पुलिस ने उस जगह से गांजा बरामद किया था जहां नाबालिग के साथ बलात्कार हुआ था। मेडिकल जांच से साबित हुआ कि चारों ने गांजा पी रखा था। अदालत ने तीनों को आईपीसी की धारा 376 (डी) और पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत 20 साल के कठोर कारावास और प्रत्येक को 40,000 रुपये का जुर्माना भरने की सजा सुनाई। तीनों को आईपीसी की धारा 363 के तहत तीन साल के साधारण कारावास और 5,000 रुपये का जुर्माना भरने की भी सजा सुनाई गई। आईपीसी की धारा 343 के तहत अपराध के लिए, आरोपी को एक वर्ष का साधारण कारावास और 2,000 रुपये का जुर्माना भरना होगा। आईपीसी की धारा 328 के तहत, उन्हें तीन साल का साधारण कारावास और 5,000 रुपये का जुर्माना भरना होगा। आईपीसी की धारा 506 के तहत अपराध के लिए, उन्हें एक वर्ष का साधारण कारावास और 2,000 रुपये का जुर्माना भरना होगा। उन्हें 27 (बी) के तहत किए गए अपराध के लिए तीन महीने का साधारण कारावास और 500 रुपये का जुर्माना भरना होगा, और एनडीपीएस अधिनियम की धारा 20 (बी) के लिए छह महीने का साधारण कारावास और 500 रुपये का जुर्माना भरना होगा। अदालत ने उन्हें उत्तरजीवी को कुल 1.65 लाख रुपये का जुर्माना भरने का निर्देश दिया, और अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को उत्तरजीवी को 2.35 लाख रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया।

स्नेहमयी कृष्णा ने मेंगलूरु पुलिस से अपने खिलाफ काले जादू की शिकायत की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक दिलचस्प घटनाक्रम में मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले के याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने शनिवार को मेंगलूरु पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल से शिकायत की कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के समर्थकों ने उनके खिलाफ काला जादू किया है। स्नेहमयी कृष्णा ने दावा किया कि उन्हें नियंत्रित करने के लिए काला जादू किया गया। उन्होंने कहा काला जादू यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया है कि मैं और एक अन्य कार्यकर्ता गंगाराजू इसके प्रभाव में आ जाएं और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनकी पत्नी बी.एम. पार्वती के खिलाफ मामला वापस ले लें। उन्होंने रेखांकित किया यह मुझे मुडा मामले में सीबीआई जांच की मांग करने वाली उच्च न्यायालय में याचिका वापस लेने के लिए मजबूर करने के लिए किया जा रहा है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने इस संबंध में मामले को निर्णय के लिए सुरक्षित रख लिया है। मेंगलूरु के बार्के पुलिस थाने की सीमा में शुक्रवार को स्नेहमयी कृष्णा और गंगाराजू की तस्वीरें रखकर काला जादू करने की घटना सामने आई। बार्के पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज किया था और मेंगलूरु पुलिस आयुक्त ने कहा था कि उन्हें जानकारी मिली थी कि स्नेहमयी कृष्णा और गंगाराजू को शक्ति प्रदान करने के लिए काला जादू किया गया था। बार्के पुलिस ने राम सेना नेता प्रसाद अत्तावर के खिलाफ कर्नाटक अमानवीय दुष्ट प्रथाओं की रोकथाम और उन्मूलन तथा

काला जादू अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। उनके फोन पर पशु बलि और काले जादू के वीडियो मिले थे।

वीडियो में कई जानवरों की बलि और देवताओं को चढ़ाए गए खून को दिखाया गया था। इसमें प्रसाद अत्तावर, स्नेहमयी कृष्णा, गंगाराजू, श्रीनिधि और सुमा आचार्य के नाम का उल्लेख करते हुए एक कागज का टुकड़ा भी दिखाया गया था। देवताओं के सामने स्नेहमयी कृष्णा और गंगाराजू की तस्वीरें रखी गई थीं। बलि दिए गए जानवरों का खून तस्वीरों पर गिराया गया था। इससे पहले स्नेहमयी कृष्णा ने श्रीनिधि और अन्य के खिलाफ शिकायत की थी कि वे मुडा मामले में सीएम सिद्धरामैया के परिवार के खिलाफ शिकायत वापस लेने के लिए उन्हें पैसे देकर प्रभावित करने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि श्रीनिधि ने उनके परिवार के सदस्यों से भी संपर्क किया था। इससे पहले सूचना का अधिकार (आरटीआई) कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा को चेक बाउंस मामले में दंडित किया गया था। कृष्णा कथित मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले में शिकायतकर्ता के रूप में चर्चा में रहे हैं, जिसमें कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया मुख्य आरोपी हैं। अब, अगर कृष्णा तुरंत राशि चुकाने में विफल रहते हैं, तो उन्हें छह महीने के कारावास की सजा काटनी होगी। स्नेहमयी कृष्णा ने 2015 में मैसूरु शहर के बाहरी इलाके ललितादिपुरा के कुमार से ऋण लिया था और बदले में कृष्णा ने मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक का चेक दिया था। जब कुमार ने बैंक में चेक जमा किया, तो वह बाउंस हो गया। उन्होंने कृष्णा के खिलाफ अदालत में मामला दायर किया। गुरुवार को, प्रथम श्रेणी के तृतीय न्यायिक मजिस्ट्रेट (जेएमएफसी) अदालत ने चेक धोखाधड़ी मामले में कृष्णा को दोषी पाया। बाद में उन्होंने कहा कि वह उच्च न्यायालय के समक्ष फैसले के खिलाफ अपील करेंगे।

एफकेसीसीआई ने वित्त मंत्री द्वारा पेश किए गए केंद्रीय बजट को स्वागतयोग्य बताया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए केंद्रीय बजट का स्वागत किया है। केंद्रीय बजट 2025-26 को अच्छा और अच्छे तत्वों से युक्त बताते हुए, एफकेसीसीआई के अध्यक्ष एमजी बालकृष्ण ने खुशी जताई कि सरकार ने बजट में किए गए सुधारों पर विचार किया है। बजट बहुत अच्छा है। हमने कुछ विशिष्ट विषयों जैसे स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) और स्रोत पर कर संग्रहण (टीसीएस) के बारे में सुना है। सरकार ने इस पर विचार किया है। बालकृष्ण ने कहा कि उन्होंने टीसीएस को हटा दिया है। यह बजट मध्यम वर्ग के लिए अनुकूल है, जिसमें 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय पर कर छूट का प्रावधान किया गया

है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों तथा विनिर्माण क्षेत्र को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने एमएसएमई को उनके लेन-देन और निवेश के संदर्भ में पुनर्परिभाषित किया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न उद्योगों द्वारा आयातित कुछ वस्तुओं और कुछ दवाओं को सीमा शुल्क से छूट दी गई है, जो विनिर्माण क्षेत्र और स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक अच्छी प्रगति है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट स्वागत योग्य है क्योंकि इसमें कर के रूप में कृषि को महत्व दिया गया है ऋण और उपकरणों पर छूट दी गई है।

गरीब और मध्यम वर्ग को अधिकतम लाभ पहुंचाने वाले बजट से देश के लोगों को खुशी मिली: चलवाडी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि गरीब और मध्यम वर्ग को अधिकतम लाभ पहुंचाने वाले इस बजट से देश के लोगों को खुशी मिली है। अनुसूचित जातियों, कारखानों और स्टार्टअप्स के लिए 20,000 करोड़ रुपये के ऋण एवं अनुदान उपलब्ध कराने का प्रस्ताव स्वागत योग्य है। इस अभूतपूर्व प्रस्ताव से अनुसूचित जातियों, विशेषकर युवाओं को बहुत लाभ होगा। संसद में केंद्रीय बजट 2025 पेश होने के बाद पहली बार मीडिया को जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए बजट में आवश्यक कदम उठाए हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को ध्यान में रखने के साथ ही बालिकाओं को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है। नारायण स्वामी ने शिक्षा

और कौशल विकास पर जोर देने तथा आईआईटी छात्रों के लिए 6,000 सीटें और मेडिकल छात्रों के लिए 10,000 सीटें जोड़ने के लिए सराहना व्यक्त की। खास बात यह है कि मध्यम वर्ग के वेतनभोगी कर्मचारियों को पहले 7 लाख रुपये पर कर देना होता था। अब किसी को भी 12 लाख रुपये तक टैक्स नहीं देना होगा। पत्रकारों सहित प्रति माह 1 लाख रुपये तक कमाने वालों को इससे छूट दी गई है। 18 लाख रुपये तक की आय वालों को केवल 70,000 रुपये टैक्स देना होगा। 25 लाख रुपये तक की आय वालों को 1.20 लाख रुपये कर देना होगा। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने इस बजट में सभी के लिए समानता सुनिश्चित करके भारत को आत्मनिर्भर बनाने के महान कार्य पर जोर दिया है। नारायण स्वामी ने कहा कि वित्त मंत्री ने भारत को एक विकसित देश और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए अपना पूरा प्रयास किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अच्छा बजट पेश किया है। फिर भी, कांग्रेसी आलोचना करते हैं। उन्होंने कहा सिद्धरामैया को व्यंग्य करना बंद करना चाहिए। यह आपके द्वारा बनाए गए बजट जैसा नहीं है। यह बजट देश के समग्र विकास का आईना है। यदि आप असहमत हों तो भी कोई बात नहीं। याद कीजिए कि कैसे आपकी अमीर महिला ने देश के सम्मानित राष्ट्रपति की एक गरीब महिला के रूप में आलोचना की थी। नारायण स्वामी ने झल्लाकर कहा आपका मुंह इतना गंदा नहीं होना चाहिए।। सभी जिला केन्द्रों में स्टार्टअप केन्द्र खोले गए हैं। अब तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं थी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा अगर हमारी कोई मांग होगी तो हम उसे केंद्र सरकार के समक्ष जरूर रख सकते हैं।

भारत एक बहुलवादी लोकतंत्र है, यह एक धर्म वाला राष्ट्र नहीं बन सकता: सिद्धरामैया

समानता लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

कोडागु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार शाम को इस बात पर जोर दिया कि कई लोग भारत को एक धर्म वाला राष्ट्र कहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और बहुलवादी देश है और इसे किसी एक धर्म वाले संप्रभु राष्ट्र में नहीं बदला जा सकता। जल संसाधन विभाग और कावेरी नीरावरी निगम लिमिटेड के एक कार्यक्रम में मदिकेरी-तालकावेरी और नापोक्लू-तालकावेरी सड़कों के चौराहे पर भागमंडला के पास कावेरी नदी पर एक एलिवेटेड पुल का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा सभी धर्म, लोग और जातियां समान हैं।

यही कारण है कि हमारा संविधान सहिष्णुता और सह-अस्तित्व को बढ़ावा देता है। हमें अपने धर्म से प्यार करना चाहिए और उसका सम्मान करना चाहिए, लेकिन दूसरों का अनादर नहीं करना चाहिए। यही सहिष्णुता का सार है। सहिष्णुता के अस्तित्व में आने पर ही हम सही मायनों में मनुष्य के रूप में जी सकते हैं। कुवेम्पु ने एक बार कहा था कि हर कोई सार्वभौमिक मानव के रूप में जन्म लेता है, लेकिन जैसे-जैसे वे बड़े होते हैं, वे संकीर्ण सोच वाले बन जाते हैं। हम सभी को सार्वभौमिक मानव बनने का प्रयास करना चाहिए। सिद्धरामैया ने कहा कि लोगों को पहचानना चाहिए कि कौन सी पार्टी अपने वादों को पूरा करती है और वास्तव में लोगों के कल्याण के लिए काम करती है।

उन्होंने कहा सत्ता में आने के केवल एक साल और आठ महीने के भीतर, हमारी सरकार ने एक साल के भीतर वादा किए गए पांच प्रमुख गारंटी योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया है। शक्ति, अन्न भाग्य, गृह लक्ष्मी, युवा निधि और गृह ज्योति योजनाएं शुरू की गई हैं, जो सभी समुदायों के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को मजबूत बनाती हैं। इन पांच गारंटियों को लागू करके, हमारी सरकार ने समाज में समानता लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कोडागु के लोग राजनीतिक रूप से जागरूक हैं और उन्हें यह आकलन करना चाहिए कि किस सरकार ने अपने वादों के अनुसार काम किया है। भारत एक बहुलवादी देश है, जिसमें विभिन्न जातियां, धर्म और भाषाएं हैं, जहां लोगों को एक-दूसरे से प्यार और सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नफरत के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यह संविधान की भावना के खिलाफ है।

हमारी सरकार संविधान के उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में काम कर रही है। हर सरकार को देश के कानूनों के अनुसार काम करना चाहिए। संविधान स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को कायम रखता है। हमें बंधुत्व को बढ़ावा देना चाहिए और समाज को विभाजित करने से बचना चाहिए। हमारा कर्तव्य समाज को एकजुट करना है। हमारी जाति या धर्म चाहे जो भी हो, हमें अंततः जातिगत विभाजन से ऊपर उठना चाहिए और भारतीयों के रूप में रहना चाहिए। उन्होंने कहा अपनी स्थापना के बाद से ही कांग्रेस पार्टी ने हमेशा सामाजिक एकता के लिए काम किया है। भागमंडला कावेरी, कन्निके और सुज्योति नदियों का संगम है, जो त्रिवेणी संगम बनाता है। उन्होंने आश्वासन दिया, जिस तरह हमारी पिछली सरकार ने कोडागु के विकास के लिए धन आवंटित किया था, उसी तरह इस बार भी जिले की सड़कों और अन्य बुनियादी ढांचे के लिए अधिक धन उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है जो अपने वादों को पूरा करती है। 2013-18 की कांग्रेस सरकार के दौरान 165 में से 158 वादे पूरे किए गए। इसके विपरीत, 2018 में सत्ता में आई भाजपा सरकार अपने वादों का 10 प्रतिशत भी पूरा करने में विफल रही। उन्होंने कहा हमारी सरकार ने बिचौलियों को खत्म करते हुए यह सुनिश्चित किया है कि धन सीधे लाभार्थियों तक पहुंचे। उन्होंने घोषणा की कि माइक्रोफाइनेंस संस्थानों के कारण इस क्षेत्र में लोगों को होने वाले उत्पीड़न को दूर करने और उनके संचालन को विनियमित करने के लिए जल्द ही एक अध्यादेश जारी किया जाएगा।

अभिनेता प्रकाश राज ने सोशल मीडिया पर कुंभ मेले की फर्जी तस्वीर के इस्तेमाल पर शिकायत दर्ज कराई

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अभिनेता प्रकाश राज ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले में संगम में डुबकी लगाते हुए उनकी फर्जी तस्वीर कथित तौर पर साझा करने के लिए प्रशांत संबर्गी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से एक कैप्शन लिखा गया है। शिकायत के आधार पर, लक्ष्मीपुरम पुलिस स्टेशन ने बीएनएस 2023 की धारा 336 (4) के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की है जो प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के इरादे से जालसाजी से संबंधित है। पुलिस स्टेशन के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए प्रकाश राज ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से उनके बारे में फर्जी खबरें फैलाने के प्रयासों के तहत एआई द्वारा तैयार की गई तस्वीर का इस्तेमाल किया गया है। यह बताते हुए कि महाकुंभ मेला आस्थावानों के लिए एक पवित्र स्थान है, राज ने कुछ लोगों द्वारा अपने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए लोगों की आस्था का दुरुपयोग करने और उन्हें खराब रोशनी में पेश करने के प्रयासों की आलोचना की। अभिनेता ने कहा कि शिकायत दर्ज कराने का उनका फैसला सिर्फ उनकी लड़ाई नहीं है, बल्कि उन सभी लोगों की लड़ाई है जो फर्जी खबरों के खतरे से परेशान हैं। राज ने अपने कानूनी उपाय का उदाहरण देते हुए कहा लोग फर्जी खबरों के खिलाफ कानून चाहते हैं और उन्हें भरोसा है कि इस खतरे पर सवाल उठाने वाला कोई है। उन्होंने मैसूरु शहर की पुलिस आयुक्त सीमा लाटकर से इस बारे में बात की थी और खुद पुलिस स्टेशन में शिकायत पर हस्ताक्षर करने आए थे।

बेंगलूरु पुलिस ने ऑनलाइन जालसाजी मामले में तृणमूल नेता को किया गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु पुलिस ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में करोड़ों रुपये के ऑनलाइन जालसाजी रैकेट के सिलसिले में तृणमूल कांग्रेस के एक नेता समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान तृणमूल कांग्रेस के पूर्व ग्राम पंचायत प्रतिनिधि पिंकू मंडल और उनके करीबी सहयोगी कमालुद्दीन हसन के रूप में हुई है। दोनों को ट्रांजिट रिमांड पर कर्नाटक वापस ले जाया गया है। बेंगलूरु पुलिस और नादिया जिला पुलिस के संयुक्त अभियान के बाद दोनों को गिरफ्तार किया गया। जिला पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उनके जुलूस से कई एटीएम कार्ड, बैंक पासबुक और मोबाइल फोन समेत कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए हैं। तृणमूल कांग्रेस के जिला नेतृत्व ने साफ तौर पर कहा है कि पार्टी मंडल के व्यक्तिगत कुकृत्यों की जिम्मेदारी नहीं लेगी। तृणमूल कांग्रेस के संगठन जिला अध्यक्ष और पार्टी विधायक रुकबानुर रहमान ने कहा अगर आरोपी दोषी है, तो उसे कानूनी प्रावधानों के अनुसार दंडित किया जाएगा। हालांकि, पार्टी किसी के व्यक्तिगत गलत कामों के लिए कोई जिम्मेदारी नहीं लेगी। पता चला है कि बेंगलूरु पुलिस ने पिछले साल दिसंबर में इस मामले की जांच शुरू की थी, जब उनके साइबर अपराध प्रभाग को 5 करोड़ रुपये से कम की ऑनलाइन जालसाजी की शिकायत मिली थी। जांच से पता चला कि मुख्य रूप से नादिया जिला और उसके निकटवर्ती मुर्शिदाबाद जिला पार्टी इस जालसाजी रैकेट का आधार थे। हालांकि, जिला पुलिस ने कहा कि उन्हें संदेह है कि मंडल और हसन केवल इस गिरोह के पुर्जे हैं और कोई और प्रभावशाली व्यक्ति इस गिरोह के पीछे मुख्य है। आर्थिक अपराधों से निपटने में विशेषज्ञता रखने वाली राज्य और केंद्रीय एजेंसियों द्वारा हाल ही में किए गए निष्कर्षों से पता चला है कि पश्चिम बंगाल, विशेष रूप से राज्य की राजधानी कोलकाता और उसके आसपास, अक्सर अंतर-राज्यीय ऑनलाइन जालसाजी रैकेट के लिए संचालन आधार स्थापित करने का सबसे पसंदीदा केंद्र बन रहा है, जहां लक्ष्य विदेशी निवासी भी होते हैं। पिछले सप्ताह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल में ऐसे ही एक रैकेट का भंडाफोड़ किया। उन्होंने कोलकाता और उसके आसपास के इलाकों में सक्रिय रैकेट के 10 ठिकानों पर समानांतर छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया।

भूमिगत नक्सली रवि ने चिकमंगलूरु में किया आत्मसमर्पण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक बड़ी घटना में, माओवादी कटेहोंडा रवि ने कर्नाटक में अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस घटना पर खुशी जताते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा आखिरी भूमिगत नक्सली कटेहोंडा रवि (यूजी नक्सली) ने चिकमंगलूरु जिले में श्रृंगेरी से चार किलोमीटर दूर नेम्मार फॉरेस्ट आईबी में आत्मसमर्पण कर दिया है। अधिकारी रवि को आत्मसमर्पण प्रक्रिया पूरी करने के लिए चिकमंगलूरु ले जाएंगे। अधिकारियों ने बताया लंबे समय से फरार भूमिगत नक्सली थोम्बट्टू लक्ष्मी रविवार को चिकमंगलूरु या उडुपी में आत्मसमर्पण करेगी। वह रास्ते में है। अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन नक्सल सरेंडर अब पूरा हो गया है। सिद्धरामैया ने राज्य को नक्सल मुक्त बनाने के लिए अथक प्रयास करने वाले 22 पुलिस अधिकारियों और जवानों की टीम को मुख्यमंत्री पदक देने की घोषणा की है। 8 जनवरी को जब कुछ माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया तो सिद्धरामैया ने उन्हें बेंगलूरु में गुलाब के फूल और संविधान की प्रतियां भेंट कर मुख्यधारा में शामिल होने का स्वागत किया। इससे पहले, छह माओवादियों के हथियार डालने के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने कर्नाटक को वामपंथी उग्रवाद मुक्त राज्य घोषित कर दिया था। श्रृंगेरी के मुंडागरू से मुंडागरू लता, कलासा के बालेहोल से वनजाक्षी, मेंगलूरु के पास कुटलुरु से सुंदरी, रायचूर से मरप्पा जयन्ना अरोली, तमिलनाडु से वसंता टी. उर्फ रमेश और केरल से एन. जीशा ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की मौजूदगी में आत्मसमर्पण किया। माओवादियों के आत्मसमर्पण के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए सीएम सिद्धरामैया ने कहा कर्नाटक में नक्सलवाद को खत्म करने और उनकी मांगों को पूरा करने के लिए, हम कानूनी ढांचे के भीतर सभी आवश्यक उपाय करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सीएम सिद्धरामैया ने रेखांकित किया, सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से न्याय प्राप्त करने के लिए लोकतंत्र या संविधान में कोई जगह नहीं है। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी.वाई.विजेंद्र ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के समक्ष माओवादियों के आत्मसमर्पण को सरासर नाटक करार दिया था।

सभी उत्पादों पर 60 प्रतिशत कन्नड़ लेखन की मांग को लेकर प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में बेचे और इस्तेमाल किए जाने वाले सभी उत्पादों पर 60 प्रतिशत लेखन कन्नड़ में होने चाहिए की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया।

यह अभियान कर्नाटक रक्षण वेदिके के प्रदेश अध्यक्ष टी.ए. नारायण गौड़ा के नेतृत्व में तीन मांगों के साथ शुरू किया गया, जिसमें गैस सिलेंडरों पर कन्नड़ अंक और गैर-कन्नड़ भाषी प्रवासियों को कन्नड़ भाषा सीखने की बाध्यता शामिल है। यह मांग की गई कि कन्नड़ लोगों को उनके द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुओं के नाम, मात्रा और निर्माण में प्रयुक्त सामग्री के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। नारायण गौड़ा ने सवाल उठाया कि गैस सिलेंडरों पर हिंदी में जागरूकता संदेश हैं और क्या ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं उन्हें समझ सकती हैं और क्या कन्नड़ लोगों पर किया जा रहा यह अत्याचार सही है। यहां तक कि अगर आप आवर्धक कांच से भी देखें तो आपको कर्नाटक में बिकने वाले किसी भी उत्पाद पर कन्नड़ अक्षर नहीं मिलेंगे। कहीं-कहीं कुछ वस्तुओं पर कन्नड़ भाषा भी हो सकती है। उन्होंने इस बात पर नाराजगी व्यक्त की कि 99 प्रतिशत वस्तुओं पर लिखावट अंग्रेजी में है। हमें इसमें कोई आपत्ति नहीं होगी यदि कर्नाटक में रहने वाले अप्रवासियों और कन्नड़ न बोलने वालों की सुविधा के लिए उत्पादों पर जानकारी कन्नड़ के साथ-साथ अंग्रेजी में भी छापी जाए। उन्होंने कहा अगर यह 100 प्रतिशत अंग्रेजी है, तो आप इसे कैसे बर्दाश्त कर सकते हैं?

कर्नाटक वह राज्य है जिसने जनसंख्या नियंत्रण को सफलता-पूर्वक लागू किया है। लेकिन उत्तरी राज्यों में जनसंख्या विस्फोट हो रहा है।

उत्तरी राज्यों से अतिरिक्त लोगों को दक्षिणी राज्यों में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया कई वर्षों से चल रही है। कर्नाटक में किसी भी तरह का सामान बेचने वाली एजेंसियों पर विदेशी वक्ताओं का कब्जा हो रहा है।

इतना ही नहीं, ये विदेशी वक्ता अपने ही राज्य के लोगों को अपनी एजेंसियों में कर्मचारी के रूप में नियुक्त कर रहे हैं। कन्नड़ लोगों के लिए कोई एजेंसियां नहीं हैं और ऐसा लगता है कि एजेंसियों में कोई नौकरी नहीं है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक गैर-देशी भाषियों के लिए सुरक्षित आश्रय स्थल बन गया है। उन्होंने मांग की कि इन सभी संस्थाओं द्वारा ग्राहकों को उपलब्ध कराए जाने वाले/प्रयुक्त सभी दस्तावेज कन्नड़ में होने चाहिए। विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

यशवंतपुर व नायनदल्ली के बीच फाइनल मुकाबला आज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजस्थानी मित्र मंडल विजयनगर आरएमएम कप 2025 एमजेआर प्रजेंट वॉलीबॉल टूर्नामेंट में चौथे दिन 8 टीमों के बीच क्वार्टर फाइनल मैच खेले गए। जिसमें महावीर वॉलीबॉल क्लब चिकपेट ने महाराजा जैन क्लब जयनगर को हराया। बेंगलूरु स्पोर्ट्स क्लब नायनदहल्ली ने यंगस्टार राजाजीनगर टीम पर जीत हासिल की तथा तुलसी क्लब (ए) यशवंतपुर ने बसवनगुड़ी जैन क्लब को हराने में सफलता हासिल की। विजयनगर बॉयज एमएस गोल्डन बॉयज मल्लेश्वरम पर जीत कर सेमी फाइनल में जगह बनाने में कामयाब रही। चौथे दिन के सेमीफाइनल मैच के तुरंत बाद उसी ग्राउंड पर सेमीफाइनल के मैच खेले गए। महावीर वॉलीबॉल क्लब और तुलसी क्लब (ए) यशवंतपुर, बेंगलूरु स्पोर्ट्स क्लब नायनदहल्ली और विजयनगर बॉयज के बीच कड़ा मुकाबला हुआ और अंत में 2 टीमें फाइनल में पहुंची। बेंगलूरु स्पोर्ट्स क्लब नायनदहल्ली और तुलसी क्लब (ए) यशवंतपुर टीमों के बीच फाइनल मैच रविवार को होगा। मैच के दौरान पूर्व मेयर और कर्नाटक राज्य महिला विकास प्राधिकरण की चेयर पर्सन पद्मावती ने खिलाड़ियों के साथ संवाद करते हुए प्रत्येक खिलाड़ी से परिचय लिया और खेल की तारीफ करते हुए सभी का मनोबल बढ़ाया। जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक के अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, तेरापंथ सभा विजयनगर के अध्यक्ष मंगल कोचर एवं उनकी टीम, पूर्व प्रायोजक दिलीप चावत और संपत बम्बकी एवं अनेक गणमान्य अतिथियों का पदार्पण हुआ। खेल का आनंद लेते हुए खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया एवं राजस्थानी मित्र मंडल की तरफ से मान मनुहार के लिए धन्यवाद अर्पित किया। राजाजीनगर बीबीएमपी पेरेंट्स ग्राउंड में टूर्नामेंट का फाइनल रविवार को आयोजित होगा। मित्र मंडल की तरफ से पधारे हुए सभी अतिथियों का स्वागत अभिनन्दन किया गया। टूर्नामेंट के प्रायोजक एमजेआर बोराणा परिवार के मदन लाल बोराणा का सम्मान मित्र मंडल अध्यक्ष महेंद्र टेबा, उपाध्यक्ष राजेश चावत एवं पदाधिकारियों के अलावा खेल संयोजक जयंतीलाल बोहरा, प्रेम चावत, सुरेश मांडोत, अशोक पितलिया, संजय पितलिया द्वारा किया गया। इस आयोजन को सफल करने एवं कमेंट्री स्कोर के लिए प्रकाश गांधी, लाभेश कांसवा, पारस मेहता, विनोद गांधी, किशोर पोरवार, हेमंत पितलिया का पूरा पूरा सहयोग प्राप्त हुआ।

लॉरी के नीचे फंसकर बाइक सवार घायल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

यहां मुक्का के पास एक विशाल बिजली के खंभे को ले जा रही एक लॉरी के नीचे फंसने से एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल की पहचान कर्नाड लिंगप्पय्याकाडु निवासी प्रदीप कुमार (28) के रूप में हुई है। दुर्घटना तब हुई जब लॉरी चालक ने अचानक ब्रेक लगाए, जिससे बाइक, जो बाईं ओर चल रही थी, नियंत्रण खो बैठी और वाहन के नीचे फंस गई। इस घटना में प्रदीप कुमार के सिर में गंभीर चोटें आईं। आसपास के अन्य सवार तुरंत उसकी मदद के लिए आए और उसे अस्पताल ले गए। मेंगलूरु उत्तर यातायात पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

आम आदमी पार्टी के आठ विधायकों ने पार्टी छोड़ी

नई दिल्ली, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए होने वाले मतदान से ठीक पहले आम आदमी पार्टी (आपा) को बड़ा झटका लगा है। आपा के 8 विधायकों ने पार्टी छोड़ दी है। इन विधायकों ने आरोप लगाया है कि हाई कमान पूरी तरह से भ्रष्ट है। पार्टी भ्रष्टाचार के दलदल में डूब गई है।

जिन विधायकों ने आपा छोड़ी है, उनमें महरौली विधायक नरेश यादव, पालम विधायक भावना गौड़, त्रिलोकपुरी विधायक रोहित महरौलिया, कस्तूरबा नगर विधायक मदनलाल, जनकपुरी विधायक राजेश ऋषि, आदर्श नगर विधायक पवन शर्मा, बिजवासन विधायक भूपेन्द्र सिंह जून और मादीपुर विधायक गिरीश

सोनी शामिल हैं। इन सभी विधायकों ने एक-एक कर अपने इस्तीफे सौंप दिए। नरेश यादव ने अपने इस्तीफे में लिखा, आपा का उदय भ्रष्टाचार के खिलाफ हुआ, अन्ना आंदोलन से भारतीय राजनीति से भ्रष्टाचार को मुक्त करने के लिए हुआ था लेकिन अब मैं बहुत दुखी हूं कि भ्रष्टाचार कम करने के बजाय यह खुद ही इसमें लिप्त हो गई है।

कुछ ऐसे ही आरोप विधायक राजेश ऋषि ने लगाए। उन्होंने भाई-भतीजावाद का आरोप भी लगाया। रोहित मेहरौलिया ने आरोप लगाया कि आपा ने वाल्मीकि समाज के लिए कोई काम नहीं किया और दलितों के साथ भेदभाव किया। वहीं बिजवासन विधायक भूपिंदर सिंह जून ने आरोप लगाया कि अब पार्टी आपराधिक छवि वाले लोगों को टिकट दे रही है। अन्य विधायकों ने भी कहा कि उन्हें अब आपा और अरविंद केजरीवाल में कोई विश्वास नहीं रहा है। गौरतलब है कि पार्टी छोड़ने वाले विधायक नरेश यादव पर कुरान की बेअदबी को लेकर भी मुकदमा चल रहा है। आपा छोड़ने वाले विधायकों ने अरविंद केजरीवाल पर हिटलर की तरह काम करने का आरोप लगाया है।

राजेश ऋषि ने आपा छोड़ने को लेकर कहा, स्वाति मालीवाल हमारी सांसद हैं, हमारी पुरानी कार्यकर्ता हैं, उनके साथ मारपीट हुई। अरविंद केजरीवाल का घर टॉर्चर होम रहा है। हमारे सामने चीफ सेक्रेटरी को अरविंद केजरीवाल के कहने पर मारा गया था। भूपिंदर सिंह जून ने कहा, हमने टिकट करने के बाद विचार-विमर्श किया और यह निष्कर्ष निकाला कि जिन विचार के साथ आपा आई थी, उनसे यह भटक गई है। ऊपर के 4-5 लोग भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, उनके खिलाफ चार्जशीट तक लग चुकी है, उनकी ही बात केजरीवाल सुनते हैं। भावना गौड़ ने कहा कि टिकट कटने को लेकर उन्हें कोई रोष नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल वही देखते हैं, जो उनको कुछ लोग दिखा रहे हैं। भाजपा दिल्ली के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है कि विधायकों पा पार्टी छोड़ना नहीं बल्कि उन्होंने जो कहा हिया वह ज्यादा महत्व-पूर्ण है।

एक देश एक चुनाव पर निर्वाचन आयोग और पूर्व न्यायाधीशों की रायशुमारी होगी

नई दिल्ली, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाले विधेयकों पर विचार कर रही संसदीय समिति की तरफ से विचार-विमर्श के लिए तैयार की गई एक सांकेतिक सूची में उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के पूर्व न्यायाधीशों, निर्वाचन आयोग, राजनीतिक दलों और राज्य सरकारों का उल्लेख है।

बैठक के बाद समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने कहा कि विभिन्न निकायों और अन्य हितधारकों की एक सांकेतिक सूची तैयार की गई थी और सदस्यों को विचार के लिए और अधिक नाम सुझाने के लिए कहा गया है। संवैधानिक विशेषज्ञ,

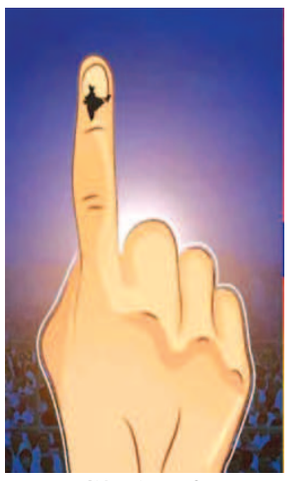

सुरक्षा एजेंसियां, कई सरकारी विभाग, मीडिया संगठन, भारतीय विधि आयोग, बार काउंसिल ऑफ इंडिया, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, थिंक-टैंक, चैंबर ऑफ कॉमर्स, आईआईएम जैसे शैक्षणिक संस्थान उनमें शामिल हैं, जिनके साथ विचार-विमर्श किया जा सकता है।

बैठक में कई विपक्षी सदस्यों ने इस पर जोर दिया कि उन्हें हर बैठक के दौरान होने वाली बातचीत के शब्दशः विवरण की एक प्रति वितरित की जानी चाहिए। इस पर समिति के अध्यक्ष चौधरी ने कहा कि ऐसी मांग संसदीय समितियों की परंपरा के अनुरूप नहीं है। हालांकि, द्रमुक सांसद पी विल्सन और कांग्रेस के मनीष तिवारी ने कहा कि उनकी मांग संसदीय समितियों को निर्देशित करने वाले नियमों के अंतर्गत आती है। चौधरी ने कहा कि वह इस मुद्दे पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से परामर्श करेंगे। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने विपक्षी सदस्यों के विचारों का समर्थन किया।

असम के श्रीभूमि में मिला हनुमान मंदिर खुदाई के दौरान चालीसा भी निकली

श्रीभूमि (असम), 01 फरवरी (एजेंसियां)।

असम के श्रीभूमि जिले में खुदाई के दौरान एक हनुमान मंदिर मिला है। यह हनुमान मंदिर एक घर के लिए जमीन की खुदाई के दौरान निकला। इसके पीछे हनुमान चालीसा वाला एक पत्थर भी बरामद हुआ। यह हनुमान मंदिर पत्थरकंडी इलाके में मिला है।

स्थानीय लोगों ने कहा है कि यह हनुमान मंदिर सैकड़ों-हजारों साल पुराना हो सकता है। उन्होंने इस मंदिर का जीर्णोद्धार करने और नया निर्माण करवाने के लिए एक कमिटी बनाई है। इसके लिए ग्रामीणों ने चन्दा भी इकट्ठा कर लिया है। सेना में कार्यरत एक ग्रामीण ने इस मंदिर के लिए 1.5 लाख का दान दिया है। मंदिर में एक हनुमान जी की मूर्ति बीच में है और बाकी देवी देवताओं कि तस्वीरें भी लगी हुई हैं।

आतंकी पन्नू को लेकर केंद्र सरकार ने किए चौकाने वाले खुलासे

मणिपुर को काटने के लिए मुस्लिमों और ईसाइयों को भड़काया

नई दिल्ली, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली हाईकोर्ट के ट्राइब्यूनल ने खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) पर लगे प्रतिबंध को बरकरार रखने का फैसला दिया है। गृह मंत्रालय द्वारा एसएफजे पर लगाया गया 5 साल का प्रतिबंध सही माना गया है। ट्राइब्यूनल की सुनवाई में केंद्र सरकार ने कई गंभीर आरोपों और खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट को पेश किया, जिनके आधार पर यह फैसला लिया गया।

सरकार द्वारा प्रस्तुत खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, एसएफजे ने भारत विरोधी हिंसक गतिविधियों को बढ़ावा देने और अलगाव-वादी भावनाएं भड़काने का प्रयास किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि एसएफजे ने भारत में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न का

फर्जी प्रोपेगेंडा चलाकर देश को तोड़ने की कोशिश की। एसएफजे ने मणिपुर के कुकी और मैतेई मुस्लिम (पंगल) समुदायों को अलगाववादी आंदोलन में शामिल करने की कोशिश की। रिपोर्ट के अनुसार, एसएफजे ने मणिपुर के ईसाई समुदाय और मुस्लिम पंगलों को भारत के खिलाफ भड़काने का प्रयास किया। एसएफजे पर पहली बार जुलाई 2020 में प्रतिबंध लगाया गया था और इसके सरगना गुरपतवंत सिंह पन्नू को आतंकी घोषित किया गया था। अब 5 साल के लिए प्रतिबंध को आगे बढ़ा दिया गया है।

उधर, मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने घुसपैठियों को प्रवेश से रोकने के लिए मणिपुर में इनर लाइन परमिट (आईएलपी) की शुरुआत की है। म्यांमार के साथ सीमा पर बाड़ लगाने की केंद्र की पहल के परिणाम मिलने शुरू हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य राज्य में तमाम समस्याओं के बीच शिक्षा और व्यावसायिक गतिविधियों को जारी रखने और विकास कार्यों को भी आगे बढ़ाना है। हम एक कठिन दौर से गुजर रहे हैं। पहाड़ियों और घाटी दोनों में कई लोगों की जान चली गई है, जबकि कई लोग अपने घरों से विस्थापित हो गए हैं। फिर भी सरकार शांति बहाली के लिए काम कर रही है। सरकार का उद्देश्य सभी पुराने निवासियों के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व सुनिश्चित करना है और साथ ही केंद्र की सहायता से उन्हें घुसपैठियों से बचाना है।

बीरेन सिंह ने कहा, राहत शिविरों में रह रहे विस्थापितों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। संकट का दौर हमें रात को सोने नहीं दे रहा है। हम वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर राज्य के लोग हमें आईएलपी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के प्रति आभार व्यक्त नहीं करते हैं, तो भगवान इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा।

निस्वार्थ सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत कर रहा भारत सेवाश्रम : योगी

भारत सेवाश्रम संघ के शिविर पहुंचे सीएम योगी

महाकुंभ नगर, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रयागराज दौरे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाकुंभ नगर के सेक्टर 5 स्थित भारत सेवाश्रम के शिविर गए, जहां उन्होंने सेवाश्रम के साधु संतों से मुलाकात की। साधु संतों ने महाकुंभ में उनके द्वारा किए जा रहे सामुदायिक और सेवा के कार्यों की जानकारी भी सीएम से साझा की।सीएम ने कहा कि भारत सेवाश्रम सौ से अधिक वर्षों से निस्वार्थ भाव से समाज में सेवा का कार्य कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके गुरु स्वामी अवैद्यनाथ और भारत सेवाश्रम के संत स्वामी असीमानंद जी ने साथ साथ समाज सेवा का लंबा समय बिताया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ में सनातन को आगे ले जाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील विभिन्न सम्प्रदायों के साधु संतों के साथ सामुदायिक और गरीबों की सेवा में लगे धार्मिक और आध्यात्मिक संगठनों से भी मुलाकात की। आयोजन की अगुवाई कर रहे भारत सेवाश्रम के स्वामी आत्मजानंद का कहना है कि मुख्यमंत्री ने शिविर में भारत सेवाश्रम के संस्थापक स्वामी प्रणवानंद जी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया और उनकी आरती भी की। इस अवसर पर सीएम ने वहां मौजूद साधु संतों से बातचीत भी। सीएम योगी के शिविर आगमन पर भारत सेवाश्रम के संतों ने महाकुंभ में उनके धार्मिक संगठन द्वारा चलाए जा रहे सेवा कार्यों की जानकारी भी साझा की।

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में आठ माओवादी ढेर

बीजापुर, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

बीजापुर जिले के गंगालुर थाना क्षेत्र के तोड़का इलाके में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच चल रही मुठभेड़ आठ नक्सली मारे गए। मारे गए सभी नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। बताया जा रहा है कि अभी भी मुठभेड़ जारी है। इस मुठभेड़ में डीआरजी और एसटीएफ के जवान शामिल हैं। मारे गए नक्सलियों के पास से कई स्वचलित हथियार भी बरामद होने की खबर है।

इससे पहले नक्सल प्रभावित जिला गरियाबंद में सुरक्षा बल और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में फोर्स को बड़ी कामयाबी मिली थी। कुल्हाड़ी घाट स्थित भालू डिग्गी जंगल में 14 नक्सली मारे गए थे। वहीं, सीआरपीएफ के कोबरा यूनिट का एक जवान भी घायल हुआ था। 14 नक्सलियों के शव और हथियार बरामद कर किए गए।

दिल्ली से नौ गुना ज्यादा लोग स्नान करके चले गए

कूड़ा निकला मात्र छह हजार मीट्रिक टन

प्रयागराज, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

19 दिन में दिल्ली से नौ गुना ज्यादा लोग स्नान करके चले गए। मेला क्षेत्र में मात्र छह हजार मीट्रिक टन कूड़ा निकला है। प्रयागराज नगर निगम के अनुसार, यहां रोज औसतन तीन सौ और विशेष पर्वों पर चार सौ मीट्रिक टन कूड़ा निकल रहा है। इसे घूरपुर स्थित प्लांट में भेजा जा रहा है। महाकुंभ में श्रद्धालु स्वच्छता का भी संकल्प निभा रहे हैं। 13 से 31 जनवरी तक दिल्ली की आबादी से करीब नौ गुना 31.46 करोड़ श्रद्धालु देश-दुनिया से आकर संगम में डुबकी लगाकर चले गए। लेकिन, 19 दिन में मेला क्षेत्र में करीब छह हजार मीट्रिक टन कूड़ा ही निकला। प्रयागराज नगर निगम के अनुसार, यहां रोज औसतन तीन सौ और विशेष पर्वों पर चार सौ मीट्रिक टन कूड़ा निकल रहा है। इसे घूरपुर स्थित प्लांट में भेजा जा रहा है। दिल्ली की जनसंख्या करीब 3.46 करोड़ है।

एमसीडी के अनुसार यहां प्रतिदिन 11 हजार मीट्रिक टन कूड़ा निकलता है। वहीं, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, यूपी में कूड़ा उत्सर्जित करने में पहले नंबर पर लखनऊ तो दूसरे स्थान पर कानपुर है। 2011 की जनगणना के आधार पर लखनऊ की आबादी 45,89,838 है। यहां प्रतिदिन औसतन दो हजार मीट्रिक टन कूड़ा निकल रहा है। वहीं, कानपुर की आबादी 45,81,268 है। यहां रोजाना औसतन साढ़े 11 सौ मीट्रिक टन कूड़ा निकल रहा है। 13 जनवरी से शुरू हुए मेले में 31.46 करोड़ श्रद्धालु डुबकी लगा चुके हैं। इसके बावजूद मेला क्षेत्र व घाटों पर न के बराबर कूड़ा फेंकते हैं। खास बात यह है कि पान-मसाले की पीक भी मेले में देखने को नहीं मिलेगी। सफाईकर्मी भी तत्परता से जुटे हैं और कहीं भी कूड़ा दिखने पर उसे उठाने लगते हैं। रोजाना प्लांट में कूड़ा प्रोसेसिंग के बाद आरडीएफ को सीमेंट फैक्टरी में भेज दिया जा रहा है।

विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में निर्णायक साबित होगा बजट: योगी

लखनऊ, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय बजट 2025-26 की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि 2025-26 के बजट में भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने और आम नागरिकों की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाने गए हैं। इस बजट में सरकार ने हर वर्ग, खासतौर पर गरीब, युवाओं और महिलाओं के लिए कई योजनाओं की घोषणा की है, जो उनकी उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद करेंगे। इस बजट में कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, और सामाजिक कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया है। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह बजट विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में मील का पत्थर साबित होगा।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने इसे ज्ञान का बजट बताकर केवल चार अक्षरों में इसे परिभाषित कर दिया। गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति को शक्ति देने से ही देश आत्मनिर्भर और विकसित बनेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की सभी प्रमुख

अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ रही है। इस बजट से अर्थव्यवस्था को पंख लगेंगे। राज्यों को इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए ब्याज मुक्त लोन मिलेगा। सीएम योगी ने कहा कि मध्यम वर्ग को बड़ी राहत प्रदान करते हुए प्रत्यक्ष कर प्रणाली के संबंध में नए प्रावधानों की घोषणा स्वागत योग्य है। किसानों, मछुआरों, मत्स्य पालन और डेयरी किसानों को पांच लाख तक कर्ज, सस्ते ब्याज पर किसानों को कर्ज, कपास प्रोडक्शन मिशन, सब्जी, फल की पैदावार बढ़ाने पर बल और आंगनबाड़ी 2.0 प्रोग्राम का ऐलान गरीबों, किसानों और महिलाओं के लिए लाभकारी साबित होगा।

सीएम योगी ने कहा कि सबसे अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सर्व समाज के साथ ही समाज के आखिरी पंक्ति में बैठे लोगों के हितों का भी ध्यान रख रही है।

अगले 5 वर्ष में 05 लाख महिलाओं, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों को 2 करोड़ रुपए तक का टर्म लोन देने के लिए नई योजना का प्रस्ताव इसकी द्योतक है। सीएम योगी ने कहा कि जिज्ञासा, नव-चार और युवा मस्तिष्कों में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए आगामी पांच वर्षों में सरकारी स्कूलों में 50,000 अटल टिंकरिंग लैब की स्थापना, ग्रामीण क्षेत्रों के सभी सेकेंडरी स्कूलों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराया जाना बड़े बदलावों के वाहक होगा। आगामी तीन वर्षों में सभी जिला अस्पतालों में डे केयर कैंसर केंद्र स्थापित करने की घोषणा का बड़ा लाभ उत्तर प्रदेश को मिलने जा रहा है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑफ स्किलिंग तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन एआई फॉर एजुकेशन की स्थापना से युवाओं को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि अन्नदाता किसानों के लिए प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना की घो-षणा का स्वागत है। इस योजना से देश के करीब 1.7 करोड़ किसानों को मदद मिलेगी। निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश इस योजना का सबसे बड़ा लाभार्थी बनेगा। किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण सीमा 03 लाख रुपए से बढ़कर 05 लाख रुपए किया जाना अभिनन्दनीय है। सीएम योगी ने देश को पांच ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने के संकल्प पथ पर तेज गति से ले जाने वाले इस बजट के लिए प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री को धन्यवाद दिया।

उपराष्ट्रपति ने त्रिवेणी संगम में लगाई पावन डुबकी: बोले, धन्य हुआ जीवन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया स्वागत

महाकुंभ नगर, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को त्रिवेणी संगम में स्नान किया और इस घटना को जीवन धन्य करने वाला अवसर बताया। उपराष्ट्रपति धनखड़ तीर्थराज प्रयागराज पत्नी व परिवार समेत हेलीकॉप्टर से पहुंचे जहां हेलीपैड पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनका अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया। यहां से वह अरैल संगम घाट की ओर बढ़े जहां क्रूज पर सवार होकर उन्होंने नौकायन का आनंद लिया और त्रिवेणी संगम में चिह्नित स्थान पर स्नान किया। इस दौरान स्वस्ति वाचन की गूंज के मध्य धनखड़ ने सिर पर शिवलिंग रखकर आस्था की पवित्र डुबकी लगाई। इस दौरान वृंदावन के मुख्य पुजारी पुंडरीक गोस्वामी ने पूजन-अर्चन किया।

इससे पूर्व नौकायन के दौरान साइबेरियन पक्षियों को देखकर वह उत्साहित हो उठे। उन्होंने कलरव करते पक्षियों को अपने हाथ से दाना डाला और परिजनों समेत इस आनंदित करने वाले क्षण का आनंद लिया। नौकायन के दौरान उन्होंने त्रिवेणी संगम के महात्म के बारे में सीएम योगी से जाना। धवल वर्णा गंगा और श्यामल वर्णा यमुना समेत अदृश्य सरस्वति के महाप्रयाग को त्रिवेणी संगम पर स्नान के बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पत्नी व परिवार समेत सरस्वती कूप, अक्षय वट व बड़े हनुमान मंदिर में बाकायदा विधिवत पूजन-अर्चन किया। यहां उन्होंने महाबली हनुमान को रोली, वस्त्र, जनेऊ, सिंदूर, लाल चंदन, माला, धूप-दीप, नैवेद्य अर्पित किया और परिक्रमा भी की। धनखड़ ने इन सभी स्थानों पर पूजन-अर्चन के साथ ही योगी आदित्यनाथ ने इन स्थानों का महात्म भी जाना। इस दौरान महाकुंभ में योगी महाकुंभ की पुण्य वेला में दर्शन करके, उसमें स्नान कर जनकल्याण का संकल्प लेकर उपराष्ट्रपति प्रफुल्लित दिखे। उन्होंने इस अवसर को जीवन धन्य करने वाला क्षण बताया। त्रिवेणी संगम में स्नान के पूर्व संगम नोज व आस-पास के घाटों पर स्नान कर रहे स्नानार्थियों का अभिवादन किया। स्नान के बाद उन्होंने तीर्थराज प्रयाग की जय और नमः पार्वती पतये हर-हर महादेव का जयकारा उद्घोषित किया।

पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद ने कहा

शंकराचार्य संत होने चाहिए सपाई बसपाई या भाजपाई नहीं

प्रयागराज, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

गोवर्धन मठ पुरी के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती कहा कि शंकराचार्यों को प्रामाणिक संत होना चाहिए, सपाई, बसपाई और भाजपाई नहीं होना चाहिए। शंकराचार्य ने इस बात पर गहरा दुख जाहिर किया कि अराजकतत्वों को सरकार का संरक्षण प्राप्त है।

उन्होंने इस बात पर आश्चर्य प्रकट किया कि देश में एक आतंकवादी को पुरी का नकली शंकराचार्य बनाकर घुमाया गया और उसे आरएसएस के कार्यालय में ठहराया गया।

गोवर्धन मठ पुरी के शंकराचार्य ने कहा कि अंग्रेजों और मुसलमानों ने लंबे समय तक भारत पर शासन किया। लेकिन, आतंकवादी को शंकराचार्य नहीं बनाया। अब तो जगद्गुरुओं और नकली शंकराचार्यों की भरमार है।

स्वामी निश्चलानंद महाराज ने कहा, परंपरा प्राप्त शंकराचार्य होने चाहिए, जिनका कोई व्यक्ति अनुगमन करे तो धर्म लाभ प्राप्त कर सके। मुझे एक करोड़ आतंकवादी और अराजकतत्व घेरेंगे, तब भी डर नहीं है। पिछले दिनों गृहमंत्री अमित शाह मेरे पास आए थे।

जब मैंने इस विषय पर बात की तो उन्होंने कहा कि आपके पास ही तो आता हूं। मैंने कहा कि नकली को खड़ा करते हो और कहते हो कि मेरे पास ही आते हो। यह तो कूटनीति है।

महाकुंभ में हुई धर्म संसद में नहीं जाने की बात पर स्वामी निश्चलानंद ने बेबाकी से कहा, हमें बुलाया ही नहीं गया था। मनुस्मृति के संविधान को यमराज भी मानते हैं। संविधान ऐसा होना चाहिए, जो लोक और परलोक में क्रियान्वित हो। परंपरानुसार शंकराचार्य होने चाहिए। यदि ये मुद्दे धर्म संसद में उठे हैं तो हमने खंडन भी नहीं किया। सनातन बोर्ड के मसले पर उन्होंने कहा, शंकराचार्य अपने दायित्वों का निर्वहन करें तो इसकी आवश्यकता क्या है। ऐसी कौन सी समस्या है, जिसका समाधान हम लोगों के यहां नहीं हो सकता है। विश्व बैंक और संयुक्त राष्ट्र संघ के साथ मिलकर मैंने कई समस्याएं सुलझाई हैं। लेकिन, अलग से लकीर खींचने का चलन हो गया है। हमारी उपेक्षा की गई। फिर भी मैं मुस्कुराता रहता हूं। वहीं, नकली शंकराचार्य अपनी थाती के लिए पैसा बनाते हैं या खुद को पूजवाने की भावना ज्यादा रखते हैं।

गंगा को लेकर स्वामी जी ने कहा, गंगा के उद्गम स्थान को विलुप्त कर दिया गया है। मैंने हेलिकॉप्टर से जाकर देखा तो नालों का पानी भी इसी में गिर रहा है। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने गंगा को राष्ट्रीय नदी तो घोषित कर दिया, लेकिन गंदे नाले का गिरना बंद नहीं हुआ। बेगूसराय में शहर के पानी से गंगा के तट पर खाद तैयार किया जाता है और वहां पर पौधे लगाए जाते हैं। उसे गंगा में नहीं डाला जाता। गंगा स्नान की विधा का पालन नहीं किया जा रहा है।

स्वामी अनंता गिरी का प्रेरक सफर

करोड़ों का व्यापार छोड़ कर हजारों ड्रग-एडिक्ट युवकों को दिखाई सनातन की राह

महाकुंभनगर, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

पंजाब के जालंधर की रहने वाली स्वामी अनंता गिरी ने अपने जीवन में गहरे दुख और संघर्षों का सामना करने के बाद आध्यात्मिकता की राह पकड़ी। उनके पति ड्रग्स की लत के शिकार थे, जिससे उनकी सोचने-समझने की क्षमता खत्म हो गई थी। इस घटना ने स्वामी अनंता गिरी के जीवन की दिशा बदल दी और वे आध्यात्मिक मार्ग पर अग्रसर हो गईं। गुरु श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी चरणाश्रित गिरि जी महाराज से दीक्षा लेकर उन्होंने श्री विद्या साधना शुरू की, जिसमें हजारों मंत्र और उनके गहरे रहस्य छुपे हुए हैं। इस मार्ग पर चलने से पहले उन्होंने करोड़ों की परफ्यूम इंडस्ट्री छोड़ दी। इसके बाद 10 हजार से अधिक युवकों को नशे से दूर कर सनातन की राह दिखाई।

स्वामी अनंता गिरी ने नशे की गिरफ्त में फंसे युवाओं के लिए एक बड़ा अभियान चलाया। उन्होंने 10,000 से अधिक युवाओं को नशे से दूर कर उन्हें सनातन धर्म की ओर मोड़ा। उनके मार्गदर्शन में 200 से ज्यादा युवा न केवल भारत में बल्कि कनाडा और न्यूजीलैंड जैसे देशों में भी सफलतापूर्वक व्यवसाय कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से स्वामी अनंता गिरी इस बार महाकुंभ में स्वर योग के माध्यम से बच्चों को जागरूक कर रही हैं। वे बच्चों को गायत्री मंत्र, अग्निहोत्र, और स्वर विज्ञान के जरिए उनके भीतर छुपी ऊर्जा को जाग्रत करने का काम कर रही हैं। स्वर विज्ञान के अनुसार सांस के माध्यम से भविष्य की घटनाओं का अनुमान लगाया जा सकता है और उन्हें नियंत्रित भी किया जा सकता है।

स्वामी अनंता गिरी के अनुसार स्वर योग की यह विद्या भगवान शिव और माता पार्वती के संवादों से प्रेरित है। ऐसी मान्यता है कि भगवान शिव ने स्वर विज्ञान का रहस्य माता पार्वती को बताया था। स्वामी अनंता गिरी इसी प्राचीन विद्या के माध्यम से युवाओं को आत्म-जागृति और मानसिक संतुलन की कला सिखा रही हैं। स्वामी अनंता गिरी 5 से 12 वर्ष तक के बच्चों के लिए विशेष रूप काम करती हैं। उनके संस्थान के माध्यम से स्कूलों में मेडिटेशन, हवन, अग्निहोत्र जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे बच्चे अपनी जड़ों से जुड़ सकें। ऋषिकेश स्थित स्वर योग पीठ के माध्यम से स्वामी अनंता गिरी अपने आध्यात्मिक अभियानों का संचालन करती हैं। वे युवाओं को न केवल आध्यात्मिक ज्ञान देती हैं, बल्कि उन्हें प्रोफेशनल ट्रेनिंग भी देती हैं जैसे ड्राइविंग, पिज्जा बनाना, मोमोज बनाना समेत तमाम काम। जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। साथ ही युवाओं को प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठाने के लिए वे नाड़ी विज्ञान भी सिखाती हैं। स्वामी अनंता गिरी का उद्देश्य नशा मुक्त समाज का निर्माण और युवाओं को उनके सनातन मूल्यों से जोड़ना है। महाकुंभ पर उनका यह प्रयास न केवल युवाओं के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

पूज्य संतों के धैर्य के आगे विफल हुए सनातन के विरोधी: सीएम योगी

पट्टाभिषेक कार्यक्रम में लिया हिस्सा, नव मनोनीत जगद्गुरुओं को दी बधाई

महाकुंभ नगर, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रयागराज दौरे पर शनिवार को सेक्टर 22 में दो पूज्य संतों के पट्टाभिषेक के लिए आयोजित धर्म सभा कार्यक्रम में भी पहुंचे, जहां उन्होंने संतों का आशीर्वाद लिया और नव मनोनीत जगद्गुरुओं को बधाई दी।

महा कुंभ के सेक्टर 22 में संतोष दास सतुआ बाबा और स्वामी राम कमला चार्य का पट्टाभिषेक किया गया। तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने दोनों संतों को जगद्गुरु के पद के लिए नामांकित किया।

इस अवसर पर सीएम योगी ने सनातन धर्म के अभियान को आगे बढ़ाने वाले दोनों संतों का अभिनन्दन किया और बधाई दी। धर्म सभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी सनातन धर्म के स्तंभ है। विपरीत परिस्थितियों में धैर्य से चुनौतियों का सामना करते हुए अपने इस अभियान को आगे बढ़ाना है। क्योंकि सनातन धर्म ही मानव धर्म है। सनातन रहेगा तो मानव धर्म रहेगा,मानवता रहेगी, सृष्टि रहेगी। सीएम ने कहा कि उन पूज्य संतों का अभिनन्दन करूंगा, जिन्होंने मौनी अमावस्या के अवसर पर पूरे धैर्य का सामना किया। कुछ पुण्यात्मा हादसे का शिकार हुईं, लेकिन उन परिस्थितियों में हमारे संत एक अभिभावक के रूप में नजर आए। जैसे परिवार के ऊपर एक विपत्ति आती है तो परिवार का अभिभावक भयभीत नहीं होता, उसी तरह हिम्मत के साथ खड़े होते हुए इस चुनौती का सामना करते हुए उन्होंने इससे उबारने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री बोले, आपने देखा होगा जो सनातन धर्म के विरोधी हैं वो प्रयास कर रहे थे कि संतों का धैर्य जवाब दे जाए और उसके बाद जग हंसाई कराई जाए, लेकिन अभिनन्दन करूंगा पूज्य संतों का जिन्होंने उन परिस्थितियों में उस आयोजन को अपना आयोजन मानकर पूरे धैर्य के साथ परिस्थितियों का सामना करते हुए पुण्यात्माओं के प्रति श्रद्धांजलि भी दी और मां गंगा के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए इस आयोजन को सकुशल आगे बढ़ाया।

इसी प्रेरणा से पिछले 19 दिनों के अंदर 32 करोड़ से अधिक श्रद्धालु डुबकी लगाकर पुण्य के भागीदार बने हैं। सीएम ने कहा कि कुछ लोग गुमराह करके सनातन धर्म के हर एक मुद्दे पर षड्यंत्र करने से बाज नहीं आते हैं। राम जन्मभूमि से लेकर आज तक, उनका व्यवहार और चरित्र जग जाहिर है। ऐसे लोगों से सावधान होकर सनातन धर्म के आदर्शों और मूल्यों के साथ इन पूज्य संतों के सानिध्य में हमे निरंतर आगे बढ़ना होगा। जब तक पूज्य संतों का सम्मान है सनातन धर्म का कोई बाल बांका नहीं कर सकता।

इस अवसर पर जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने कहा कि जब से गोरक्ष पीठाधीश्वर योगी जी ने उत्तर प्रदेश में शासन अपने हाथों में लिया है तब से सनातन का सूर्य पूरे विश्व को आलोकित कर रहा है। आज पूरे विश्व में सनातन मूल्यों के प्रति, योग आयुर्वेद के प्रति, आध्यात्मिक मूल्यों के प्रति जो स्वीकृति और मान्यता पैदा हुई है, इससे पहले वह कदाचित नहीं थी। विश्व में सभी लोग हतप्रभ है, चकित हैं और पूरा सनातन जगत उल्लासित है इस महाकुंभ को लेकर। इस महाकुंभ का जिस महापुरुष ने अद्भुत संकल्प लिया, विश्व व्यापी प्रचार प्रसार के लिए योगी जी को बधाई देना चाहूंगा। उनके नेतृत्व में पूरा संत समाज सुरक्षित है, सम्मानित है। इस अवसर पर बोलते हुए तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य जी ने कहा कि अब राम कमलाचार्य जी महाराज आज से जगद्गुरु स्वामी राम कमलाचार्य जी महाराज और संतोष दास जी जगद्गुरु विष्णु स्वामी संतोष दास जी महाराज सतुआ बाबा होंगे। स्वामी रामभद्राचार्य महराज ने सीएम योगी को भी महाकुंभ के सफल आयोजन पर आशीष और बधाई दी।

हवाई सर्वे कर सीएम योगी ने महाकुंभ में सुगम आवागमन का जायजा लिया

महाकुंभ नगर, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

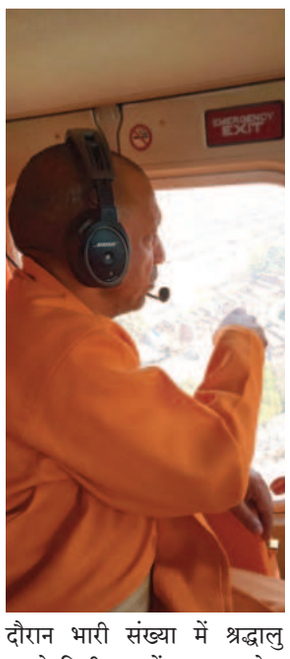

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अपने प्रयागराज दौरे पर पूरे प्रयागराज शहर का हवाई सर्वे किया।

शहर के एरियल सर्वे के दौरान उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ क्षेत्र की ओर जाने वाली सभी रोड्स का मुआयना किया। इसके साथ ही सीएम ने महाकुंभ क्षेत्र का भी हवाई सर्वे कर स्थितियों का जायजा लिया। एरियल सर्वे के दौरान मुख्यमंत्री का विशेष फोकस उन रोड्स के मुआयने पर रहा, जो विभिन्न जनपदों से प्रयागराज को जोड़ती हैं। हाल ही में मौनी अमावस्या स्नान पर्व के दौरान और इसके बाद इन रोड्स पर अत्यधिक मात्रा में ट्रैफिक देखा गया था।

उल्लेखनीय है कि प्रयागराज को विभिन्न जनपदों से जोड़ने वाले 7 प्रमुख मार्ग हैं और मौनी अमावस्या के अमृत स्नान पर्व के दौरान भारी संख्या में श्रद्धालु अपने निजी वाहनों व उत्तर प्रदेश परिवहन की बसों में सवार होकर महाकुंभ पहुंचे थे।

मालूम हो कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही अधिकारियों को निर्देश दे चुके हैं कि भारी संख्या में देश और प्रदेश के विभिन्न शहरों से श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाने के लिए आ रहे हैं और उनके आवागमन को सुगम बनाने के लिए तमाम व्यवस्थाएं और सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। श्रद्धालुओं के आवागमन को लेकर सीएम योगी के निर्देश हैं कि हाईवे और सिटी के अंदर कहीं भी जाम की स्थिति न बने। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए सभी मार्गों पर पार्किंग की उचित व्यवस्था की गई है। सुनिश्चित किया गया है कि श्रद्धालुओं के वाहन पार्किंग में खड़े कराए जाएं और पार्किंग से संगम क्षेत्र तक उनके आने-जाने की उचित व्यवस्था की गई है। संगम क्षेत्र तक श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कई भाषाओं में साइनेज की भी व्यवस्था की गई है। हाईवे पर श्रद्धालुओं के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

विभिन्न देशों के राजनयिकों ने कहा

भारतीय संस्कृति और धरोहर को दर्शाता है महाकुंभ

महाकुंभ नगर, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ-2025 में शनिवार को विभिन्न देशों के राजनयिकों व विदेशी अतिथियों का आगमन हुआ। 118 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल दिव्य-भव्य, नव्य महाकुंभ को देख अभिभूत हो उठा। इन अतिथियों ने कहा कि महाकुंभ भारतीय संस्कृति व धरोहर को दर्शाता है। प्रयागराज पहुंचकर इन लोगों ने खुद को सौभाग्यशाली बताया। इन अतिथियों ने योगी सरकार व विदेश मंत्रालय द्वारा राजनयिकों के लिए इस यात्रा की व्यवस्था पर खुशी भी जताई। वहीं प्रयागराज पहुंचने पर अतिथियों का स्वागत किया गया।

भारत में जापान के राजदूत केइची ओने ने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि राज्य सरकार और विदेश मंत्रालय राजनयिकों के लिए इस यात्रा की व्यवस्था कर रहा है। महाकुंभ मेला बहुत ही खास आयोजन है, खासकर इस साल। इसलिए मैं हिंदू संस्कृति को समझने के लिए वहां जाने को उत्सुक हूं। अर्जेंटीना के भारत स्थित राजदूत मारियानो काउचिनो ने कहा, मैं इस महत्वपूर्ण समारोह में भाग लेकर प्रसन्न हूं। यहां की परंपराओं का पालन करके बहुत खुशी भी हो रही है। भारत में लिथुआनिया की राजदूत डायना मिकेविकिएने बोलीं, मैं कई वर्षों से भारत से जुड़ी हुई हूं। मैं हमेशा यहां आना चाहती थी, लेकिन कभी भी किसी कुंभ में जाने का अवसर नहीं मिला। आज यह खास और शुभ महाकुंभ का समय है, यह सौभाग्य है कि मैं भारत में हूं।

सीएम योगी ने किया संगम नोज का स्थलीय निरीक्षण, पूरी घटना की जानकारी ली

महाकुंभ नगर, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रयागराज पहुंचे और हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद वह सीधे संगम नोज पहुंचे, जहां मौनी अमावस्या को अमृत स्नान पर्व के दौरान दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी थी। मुख्यमंत्री ने यहां महाकुंभ मेला से जुड़े अधिकारियों से पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी ली और श्रद्धालुओं के साथ भी संवाद किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने एक स्वर में महाकुंभ के लिए योगी सरकार द्वारा की गईं व्यवस्थाओं और सुविधाओं की सराहना की।

प्रयागराज पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सबसे पहले संगम नोज पहुंचे। यहां पहुंचकर उन्होंने घटनास्थल देखा, जहां मौनी अमावस्या के अमृत स्नान पर्व पर भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हुई थी। उन्होंने मेलाधिकारी विजय किरण आनंद और डीआईजी वैभव कृष्ण से पूरी घटना की विस्तृत जानकारी ली। मेलाधिकारी ने उन्हें बताया कि घटना के वक्त क्या हुआ था और किस तरह से तत्काल घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की जानकारी लेने के बाद मुख्यमंत्री ने आगामी बसंत पंचमी अमृत स्नान को लेकर यहां की जा रही व्यवस्थाओं को भी देखा और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

घटनास्थल का निरीक्षण कर लौटते वक्त मुख्यमंत्री ने वहां उपस्थित हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं से संवाद भी किया। वह बैरीकेडिंग के बहुत करीब जाकर श्रद्धालुओं से मिले और हाल चाल पूछा। मुख्यमंत्री योगी को अपने करीब पाकर श्रद्धालुओं का उत्साह भी चरम पर था। श्रद्धालुओं ने हर हर महादेव, जय श्री राम और गंगा मइया की जय जैसे जयकारों से सीएम योगी का अभिनंदन किया। इस बीच कुछ श्रद्धालुओं ने तेज स्वर में मुख्यमंत्री जी के द्वारा महाकुंभ में की गई व्यवस्थाओं और सुविधाओं को उत्तम बताया। उल्लेखनीय है कि मौनी अमावस्या पर घटी दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर मुख्यमंत्री दुख जता चुके हैं और अपने वक्तव्य के दौरान वह काफी भावुक भी हो गए थे और बात करते करते उनका गला रुंध गया था।

क्या आप जानते हो

...36 साल चलेगा सैमसंग का बल्ब

घर के कुछ काम सिर्फ पुरुषों के जिम्मे माने जाते हैं। इनमें से एक है फ्यूज बल्ब को हटाकर नया बल्ब लगाना। लेकिन सैमसंग की नई टेक्नोलॉजी से फ्यूज बल्ब बदलने की प्रक्रिया जिंदगी में सिर्फ एक बार ही करनी पड़ेगी! सैमसंग ने एलईडी बल्बों की नई श्रंखला जारी की है, जो 40,000 घंटे तक जलेंगे। यानी परंपरागत बल्ब की तुलना में इनका जीवन 40 गुना ज्यादा होगा। यह अवधि लगभग 36 साल बैठती है।

क्या है खास

सैमसंग ने अपनी डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर बल्ब तैयार किए हैं। इसीलिए इसे सामान्य बल्ब नहीं कह सकते हैं। इसे एलईडी, चिप्स और ड्राइवर्स से तैयार किया है। इस बल्ब की रोशनी आंखों को सुकून देने वाली है। इससे पर्यावरण को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचता और कम बिजली की खपत के कारण यह पैसा भी बचाएंगे।

कीमत है ज्यादा

इन तमाम खूबियों के बावजूद एक बड़ी खामी इनकी ज्यादा कीमत के रूप में सामने है। इस श्रंखला का बेसिक बल्ब 19 डॉलर यानी लगभग 994 रुपए का है, जबकि आकार में बड़े और ज्यादा रोशनी देने वाले बल्ब 70 डॉलर (3,665 रुपए) तक मिलेंगे।

कहां हैं उपलब्ध

सैमसंग ने फिलहाल अपने एलईडी बल्ब अमेरिकी बाजार में पेश किए हैं। कंपनी का इरादा इन्हें दुनिया के अन्य बाजार में प्रस्तुत करने का है।

यह इंसान है या फ्लाइंग मशीन!

आपने विमान को हवा में कलाबाजियां दिखाते तो कई बार देखा होगा लेकिन एक इंसान है जो खुद जेटसूट पहनकर हवा में उड़ता है। जी हां, स्विस एअरफोर्स में 17 साल तक फाइटर जेट उड़ाने का अनुभव रखने वाले स्विस पायलट वायवेस रोसी 'जेटमैन' के नाम से मशहूर हैं।

हाल ही में रोसी ने एक खतरनाक स्टंट किया है, जिसमें उन्होंने जेट इंजन से बने पंखों वाला सूट पहनकर आल्पस पर्वत के ऊपर उड़ने का कारनामा दिखाया। इसमें उनके साथ ही दो जेट विमान भी उड़ रहे थे। 52 वर्षीय रोसी ऐसे पहले इंसान हैं जो जेट इंजन से बने सूट पहनकर हवा में स्टंट करते हैं। रोसी के मुताबिक उनका सपना है कि वे इसी तरह उड़कर सारी दुनिया देखें और सारी दुनिया उन्हें।

क्या खास है इस जेट सूट में: करीब 55 किलो वजनी रोसी के जेट सूट की खासियत यह है कि इसे उन्होंने खुद बनाया है। इसके पंखों की चौड़ाई 2.4 मीटर है और इसमें 4 इंजन लगाए गए हैं, जो इसे 200 किमी. प्रतिघंटा से भी ज्यादा की गति देने में मदद करते हैं। इस सूट को बनाने में उन्हें 10 साल से ज्यादा का समय लगा और इसके लिए उन्होंने करीब 15 से ज्यादा नमूने तैयार किए।

ऐसे बनाया सूट: रोसी ने कार्बन-फाइबर के पंखों वाले सूट का खाका तैयार किया। इसमें उन्होंने जर्मन कंपनी जेट-केट के चार जेट-केटपी200 इंजन लगाए हैं। यह इंजन ऑटोमैटिक स्टार्ट होता है। इसमें ईंधन के लिए वे केरोसिन में ल्यूब्रिकेशन के तौर पर 5 प्रतिशत टर्बाइन ऑइल का उपयोग करते हैं। इसकी ईंधन क्षमता 30 लीटर है।

क्या है खास

- 1993 से जेट सूट बनाना शुरू किया
- 2005 में मिली सफलता
- 5 मिनट 40 सेकंड तक पहली बार उड़े हवा में

पहले भी कर चुके हैं स्टंट

रोसी इससे पहले भी हवा में कलाबाजियां दिखा चुके हैं। पहली बार वे नवंबर 2006 में करीब 5 मिनट 4क् सेकंड तक हवा में उड़े थे। 2008 में इंग्लिश चैनल पार किया । इसके अलावा वे ग्रैंड कैनयन के ऊपर 8 मिनट तक जबकि इंग्लिश चैनल के ऊपर 13 मिनट तक उड़ने का करतब भी दिखा चुके हैं।

मंगोलियाई लोककथा: गिलहरी की दोस्ती

मंगोलिया के जंगल में भालू और गिलहरी में गहरी दोस्ती थी। दोनों सभी काम, यहां तक कि शिकार भी एक साथ करते थे। भालू अपने साथ-साथ गिलहरी के लिए भी खाना लाता था। गिलहरी को खाने के लिए जो मिलता, उसमें से वह आधा भालू को दे देती थी।

जंगल में रहने वाले लोमड़ को दोनों की दोस्ती फूटी आंख नहीं भाती थी। उसने मन ही मन दोनों की दोस्ती में फूट डालने की ठान ली। एक दिन मौका पाकर लोमड़ ने गिलहरी से कहा, 'क्यों बहन, तुम्हारे दोस्त भालू के क्या हालचाल हैं?' गिलहरी खुश होकर अपनी और भालू की बातें करने लगी। भालू की तारीफ सुनकर लोमड़ गुस्से से तिलमिलाने लगा। वह सब के साथ चालाकी करता था, सबको धोखा देता था, इसलिए कोई उसका दोस्त बनना पसंद ही नहीं करता था। लोमड़ बोला, 'बहन, तुम बहुत भोली हो। तुम नहीं जानती कि भालू तुम्हें बेवकूफ बनाता रहता है?'

'मुझे बेवकूफबनाता है..'

गिलहरी ने पूछा- 'वह कैसे?'

लोमड़- 'भालू जब शिकार लाता है तब खाने से पहले उसे साफ कौन करता है?'

'सफाई तो भालू करता है', गिलहरी ने जवाब दिया।

'क्या तुम जानती हो कि वह ऐसा क्यों करता है। वह सारा बढ़िया माल पहले अपने आप खा लेता है, बचा-खुचा तुम्हें दे देता है। बढ़िया खाना खा-खा कर वह मोटा होता जा रहा है, तुम छोटी की छोटी हो', लोमड़ ने लम्बी सांस ली- 'वैसे मुझे इस बात से क्या लेना देना? जानता हूं कि यह बात बताने का कोई फायदा नहीं..'

लोमड़ गिलहरी के मन में शक का बीज बोकर चलता बना। गिलहरी सोचने लगी- 'लोमड़ कहीं ठीक ही तो नहीं कह रहा था। मैं तो भालू को अपना दोस्त समझती हूं और हो सकता है कि वह मुझे बुद्धू बना रहा हो।' अगले दिन भालू ने गिलहरी के साथ जंगल में फल इकट्ठे किए, उन्हें साफ किया और खाने लगा। गिलहरी से भी खाने के लिए कहा, लेकिन गिलहरी ने बेर नहीं खाए। भालू हैरान था। गिलहरी सोच रही थी- 'शायद लोमड़ सच कह रहा था।'

थोड़ी दूर जाने पर भालू को मधुमक्खियों का छत्ता दिखाई दिया। भालू ने उसे खोला, मुंह डालकर भरपेट शहद खाया। शहद खाने के बाद मूछें साफ करते हुए उसने गिलहरी को शहद खाने के लिए बुलाया। गिलहरी देख रही थी कि भालू ने पहले ही सब खा लिया था। उसको लोमड़ की बात पर पूरी तरह विश्वास हो गया था। 'कोई बात नहीं, भालू को अब मैं सबक सिखाऊंगी।' दूसरे दिन भालू और गिलहरी दोनों शिकार करने गए। भालू के हाथ में एक बकरी की टांग आ गई, वह उसे पकड़कर खींचने लगा। तभी उसको महसूस हुआ कि उसके सिर पर कोई चीज रेंग रही थी। वास्तव में वह गिलहरी थी। गिलहरी ने भालू के सिर पर चढ़कर शिकार को पहले खाने का फैसला कर लिया था। भालू यह सब नही जानता था। बकरी उसके हाथ से निकलकर भाग गई। बेचारा भालू।

आगे भालू को खरगोश दिखा। उसे पकड़ने के लिए वह दबे पांव उसकी तरफबढ़ा। इस बार तो गिलहरी ने हद ही कर दी। वह भालू की आंखों के सामने फुर्ती से उसके सिर पर चढ़कर बैठ गई। भालू भूत समझकर डर से थर-थर कांपने लगा। खरगोश भी झाड़ियों में जा छिपा। गिलहरी ने भालू से बात भी करनी बंद कर दी। उसका पेट ही कितना था? कुछ भी खाकर पेट भर लेती। भालू शिकार पर अकेला जाने लगा था, लेकिन गिलहरी पीछे से जाकर उसको परेशान करना नहीं भूलती। एक दिन भालू को नन्हा सूअर दिखाई दिया। कई दिनों से भालू कोई शिकार नहीं कर पाया था। फल-फूल से उसका पेट कहां भरता। उसे जोर से भूख लगी थी। सूअर को पकड़ने के लिए छलांग लगाई। गिलहरी भी देख रही थी। वह भी उछलकर भालू के सिर पर चढ़कर बैठ गई। भालू सूअर को हाथ से निकल जाने देना नहीं चाहता था। वह गुर्राया- 'तुम मुझसे बचकर भाग नहीं सकते।' वह सूअर को पकड़ने के लिए तेजी से भागा।

भालू को अपनी पीठ पर फिर से कोई चीज चलती हुई महसूस हुई। गिलहरी तो उसको दिखाई नहीं दे रही थी। उसने गुस्से में अपना एक पंजा ज़ोर से पीठ पर दे मारा। पांचों नाखून गिलहरी के सिर से पूंछ तक चुभ गए थे। गिलहरी दर्द से तड़प उठी। भालू कहीं पहचान न ले

इसलिए मुश्किल से कराहने की आवाज रोकी। जल्दी ही भालू ने अपना पंजा पीठ पर से हटा लिया। नाखून बाहर निकलते ही गिलहरी भाग खड़ी हुई। दर्द से बेचैन होकर एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर कूदने लगी। भालू ने दौड़कर सूअर पकड़ लिया।

सूअर ने शिकार से भालू खुश था। कई दिनों के बाद भर-पेट खाना मिला था। हमेशा की तरह भालू ने गिलहरी को आवाज लगाई। गिलहरी नहीं आई। वह तो भालू को अपना दुश्मन समझने लगी थी। बहुत देर तक इंतजार करने के बाद भालू अकेला वापिस लौट गया। गिलहरी पेड़ों के बीच छिपी बैठी थी। उसकी पीठ पर भालू के नाखूनों से बने जख्म ठीक हो गए थे, लेकिन वे काली धारियों में बदल गए थे। आज भी ये काली धारियां गिलहरी को दोस्त को धोखा देने की याद दिलाती हैं। लोमड़ की तरह अब उसका भी कोई दोस्त नहीं था। पेड़ों पर अकेली घूमती रहती। उसने मांस खाना भी छोड़ दिया। भालू को देखकर वह पेड़ों के बीच छिप जाती है।

भालू और और गिलहरी की दोस्ती को दुश्मनी में बदलवाने के कारण लोमड़ आज भी अपनी चालाकियों के लिए बदनाम है।

जिज्ञासा

सौर व विंड एनर्जी से पावर लेगी बैट्री

स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक ऐसी बैट्री का निर्माण कर रहे हैं जो सोलर तथा विंड एनर्जी द्वारा पैदा की गई अतिरिक्त पावर को स्टोर करेगी। नेचर जर्नल में प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक यह सब संभव हो पाया है एक खास इलेक्ट्रोड से।

एक टेस्ट में पाया गया कि इस इलेक्ट्रोड से 40 हजार बार चार्ज और डिस्चार्ज होने के बाद भी इसमें सामान्य ऊर्जा से 80 प्रतिशत ज्यादा ऊर्जा शेष बची थी। जबकि बहुत बेहतर मानी जाने वाली लीथियम आयन बैट्री चार्ज और डिस्चार्ज की प्रक्रिया सिर्फ400 बार ही पूरी कर पाती है।

शोध में शामिल कोलिन वेसल्स के मुताबिक विद्युत ग्रिड के उपयोग से इस इलेक्ट्रोड का जीवन 30 साल का हो जाएगा। यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर यी सुई के मुताबिक किसी बैट्री का हजार से भी ज्यादा बार चार्ज हो जाना और कभी फेल ना होना एक बहुत महत्वपूर्ण खोज है ।

बगुले जैसे स्टॉर्क

इस बार हम आपको पानी तथा पानी के आस पास पाए जाने वाले पक्षियों में स्टॉर्क परिवार के पक्षियों से मिलवाते हैं। ये ऊपरी तौर पर बड़े अंजन से मिलते-जुलते होते हैं। इनकी टांगे लम्बी और टांगो का निचला भाग कुछ बाल रहित खुला होता है। गर्दन लम्बी और भारी और आगे को पतली पड़ती नुकीली चोंच होती हैं। उड़ते हुए ये अंजनो से बिल्कुल अलग पहचाने जा सकते हैं। इनकी गर्दन आगे को खिची रहती है, जबकि बगुलो की गर्दन अंग्रेजी अक्षर 'एस' के आकार में चपटी और मुड़ी होती है। सारसो के स्वर पेशियां नहीं होतीं, इसलिए ये आमतौर पर चुप ही रहते है। ये सिर्फ कभी किसी मौके पर गले से हल्की घुरघुराहट की सी आवाज निकालते हैं।

भारत मे इस स्टॉर्क परिवार की जो सबसे अधिक आम और आकर्षक प्रजाति पाई जाती है, वह है जंगहिल दांख कंकारी- ये लगभग गिद्ध के आकार का और सिर तक लगभग साढे तीन फुट ऊंचा होता है। इसके पर सफेद होते हैं, जिनपर ऊपर की तरफ चमकदार हरापन लिए काले रंग के निशान और पट्टियां पड़ी होती हैं और छाती पर काली पेटी-सी बनी होती है। अंगेजी मे इसे पेंटेड स्टॉर्क कहते है। इसका कारण यह है कि इसकी पूंछ के पास मुलायम हल्के गुलाबी रंग के पर (असली नहीं ऊपरी) होते है। मुंह कुछ चिकना पीला होता है और उसपर बाल नहीं होते तथा चोंच पीली तथा भारी नोंक पर कुछ मुड़ी होती है। ये झीलों और दलदलों के पास छोटे-मोटे दलों या बडे झुंडों मे पाए जाते हैं। ये और स्टॉर्क के साथ सारा दिन या तो कूबड़ निकाले चुपचाप खड़े रहते है या दलदली भूमि या उथले पानी में मछलियां और मेंढक ढूंढ़ते बड़े धैर्य के साथ घूमते रहते है।

मछलियां और मेंढक उसका खास भोजन है। खाने को ये पानी के कीड़े, केकड़े और घोंघे भी खाते हैं। जंगहिल खाना ढूंढ़ने के लिए उथले पानी में घुस जाता है, फिर गर्दन झुकाए चोंच खोले और कुछ भाग पानी में डुबाए धीरे-धीरे चलता रहता है। चोंच को या तो कुछ पाने की आशा में बिल्कुल निश्चल रखता है या एक टांग उठाए हुए इधर-उधर बाजुओं की ओट घुमाता रहता है। टांग को इस तरह घुमाकर वह पानी को चलाता है और शिकार को हांक कर खुले जबड़ों की ओर ले आता है। कभी-कभी टांग चलाने के साथ ही वह उसी ओर का पंख भी फड़फड़ाता है, इस प्रकार उसकी छाया भी पानी में पड़ती है इससे शिकार और जल्दी उधर की ओर आ जाता है। जंगहिल पानी में या उसके पास स्थित पेड़ों पर निस्संकोच होकर बैठते और बसेरा करते हैं।

हैदराबाद मुक्ति के महानायक स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम वानप्रस्थी की जयंती पर संस्मरण

हैदराबाद निजामशाही मुक्ति के लिए आर्यसमाज ने जो-जो कार्य किये, उसे कभी भूलाया नहीं जा सकता। आर्यसमाज नहीं होता तो आज हैदराबाद अलग ही होता, शायद हम स्वतंत्र भी नहीं होते! आर्यसमाज के प्रचार-प्रसार और जागरण से ही कई लोग इससे जुड़ते गये और संघर्ष में अपनी जान की बाजी लगा दी।

इसी कड़ी में चंद्रिकापुर, हैदराबाद में 1916 बसंत पंचमी के दिन गंगाराम जी का जन्म होता है। 3 वर्ष की आयु में उनके पिता चल बसे। परिश्रमी पूज्य माता बाइूबाई जी ने पाला, पढ़ाया।

पंडित गंगाराम जी अपनी लगन, पुरुषार्थ तथा आर्यसमाज के सत्संग से दक्षिण भारत के एक महान क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सेनानी, उच्च शिक्षा प्राप्त सुध-ारक, कुरीति निवारक, आर्य विचारक, लोकप्रिय समाजसेवी, परोपकारी आर्यसमाजी नेता के रूप में बहुत प्रसिद्धि, मान, सम्मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करके इतिहास में अस्मरणीय महापुरुष बन गये।

गंगाराम जी का सार्वजनिक जीवन का आरंभ एक साहसिक घटना से होता है। अंग्रेजी में सूक्त है छोंहळपस ॉिलिलशशवी श्रळ्ज्ञश ॉिलिलर्शीी अर्थात सफलता जैसी कोई चीज नहीं, जैसे सफलता के पीछे सफलता आती है उसका कोई उदाहरण नहीं है।

1933 में, 17 वर्ष की आयु में प्राण हथेली में रख, उफनती गोदावरी नदी में दो में से एक बाल विधवा को डूबने से बचाया, अदम्य साहस का परिचय देते हुए उस उफनती नदी में छलांग लगाकर डूबती हुई बाल विधवा के प्राणों की रक्षा करके अक्षय यश को प्राप्त किया। तत्कालीन हैदराबाद स्टेट की लेडी ब्रिटिश रेजिडेंट से निजाम प्रशासन द्वारा घोषित प्रथम गैलंट्री अवॉर्ड भी प्राप्त किया।

गंगाराम जी ने वर्ष 1934 में चारमीनार के चारों ओर की पटाखों की दुकानों में देखते ही देखते भयंकर आग के कारण एक बंगले के कमरे में फंसी महिला और उसके गोद में बच्चे को मृत्यु के मुख से जलते हुए चौखट और दरवाजे से झुलस कर दोनों को (मां बेटे) सुरक्षित बाहर निकाल लाये। आर्य समाज को अपने इतिहास की इस साहसिक व शानदार घटना पर बहुत अभिमान है।

पंडित गंगाराम जी हैदराबाद में निजाम शासन की हिंदू विरोधी नीतियों से परिचित थे। कुछ करने की ललक से उन्होंने दत्तात्रेय प्रसाद एडवोकेट के साथ मिलकर आर्यन डिफेंस लीग की स्थापना की और इसमें कई कर्मठ कार्यकर्ताओं को जोड़ा और संगठन को मजबूत बनाया।

पंडित गंगाराम ने सर्वप्रथम सशस्त्र क्रांति का बिगुल 1938 में हैदराबाद के निजाम के विरुद्ध बम विस्फोटों से किया और वह दो बार पकड़े गए। प्रताप सिंह बम विस्फोट में भी इन्हें पकड़ा गया और एक विष मिलावट के प्रकरण में भी इन्हें गिरफ्तार किया गया। निजाम की पुलिस ने इन्हें गिरफ्तार कर अनेक यातनाएं देती थी, इसे संस्मरण कर हम स्तब्ध रह जाते हैं।

पंडित गंगाराम जी ने जब देखा कि निज़ाम सरकार की दृष्टि उन पर लगातार 24 घंटे टिकी हुई है तो, कुछ दिनों के लिए अज्ञातवास में शोलापुर चले गये और आर्य समाज के कामों को कैसे आगे बढ़ाया जाए इस पर नीतियां बनाते थे। आर्य समाज के सत्याग्रह की उन्होंने वहीं से नीव रखी और राज्य स्तर पर निजाम शासन के विरुद्ध आर्य सत्याग्रह को आरंभ कर दिया। इसे आरंभ करने के पहले, सार्वदेशिक सभा को सूचित कर उनकी ही

छत्रछाया में करना था, लेकिन कोई निर्णय वहां से नहीं मिलने पर निजाम के अत्याचारों से तंग आकर उन्होंने व्यापक आर्य सत्याग्रह राज्य स्तर पर जन-जन में जागृति उत्पन्न करने के लिए शुरू किया। जिससे निज़ाम की नींद टूटी और अत्याचार बढने लगे। सार्वदेशिक प्रतिनिधि सभा ने राज्य स्तर की इन घटनाओं को तथा सफलतापूर्वक सत्याग्रह को ध्यान में रखकर, उसने भी आर्य सत्याग्रहों को करने की स्वीकृति दे दी और फिर देश-विदेश से आर्य सत्याग्रही इसमें अपनी आहुति डालने आगे आते गये और एक के बाद एक बड़ा आर्य सत्याग्रहियों का जत्था जेलों से भरने लगा। आठवां विशाल जत्था पंडित विनायकराव जी के नेतृत्व में अहमदनगर से निकलने को था लेकिन निजाम ने आर्यसमाज की सभी मांगे मान ली और इस सफल सत्याग्रह को समाप्त किया गया। इन आयोजनों की सफलता में पंडित गंगाराम जी का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। स्वामी स्वतंत्रानंद जी के निर्देशानुसार उन्होंने कभी सत्याग्रह में भाग नहीं लिया, केवल आर्य सत्याग्रहीयों को यथास्थान पहुंचाना, उनकी देखभाल करना आदि कार्य किये। लेकिन अपने आप को पुलिस से और गिरफ्तारी से बचाये रखा।

आर्यवीर दल के हैदराबाद स्टेट के प्रमुख होने से, आर्य महासम्मेलनों की व्यवस्था और सुरक्षा का पूरा भार इन्हीं पर रहता था। बड़े सुचारू रूप से उन्होंने यह कार्य निभाया और गुलबर्गा जैसे महासम्मेलन में सैकड़ों हजारों आर्यों को निजाम की कुशासन पुलिस और राजाकारों से बचाया।

निज़ाम के दमन, दलन और क्रूरता काल में अनेक कष्ट झेले। गोली भी लगी, लहू लुहान हुए, परंतु न दबे न लड़खड़ाए। बढ़ते चले गये। क्योंकि उनका जीवन लक्ष्य हीन नहीं था। आपका जीवन एक उद्देश्य को लेकर बीता। खूब नाम कमाया। उन्होंने इतिहास बनाकर दिखाया।

उस्मानिया विश्वविद्यालय में जब पढ़ते थे तब पहली बार रॉयल एयर फोर्स में भर्ती के लिए 6 विद्यार्थियों को चुना जाना था। गंगाराम जी का नाम उन 6 विद्यार्थियों में सबसे पहला था। तब माननीय विनायकराव जी विद्यालंकार और श्री कृष्ण दत्त जी ने आपको केवल इतना ही कहा कि आपके ऐसा करने से आर्यसमाज के कार्य को धक्का लगेगा? आर्यसमाज की उन्नति की भारी क्षति होगी। बस उनका ऐसा कहना था कि आपने वायु सेना की सर्विस, मान व शान को तत्काल ठुकरा दिया। जो ऐसे निर्णय लेते हैं वही इतिहास में अमर होकर औरों के लिए प्रेरणा स्रोत बनते हैं।

वरिष्ठ इतिहासकार प्रा.राजेंद्र जिज्ञासु जी अगर जीवन संग्राम - क्रांतिवीर पंडित गंगाराम वानप्रस्थी पुस्तक न लिखते तो इतिहास को नई दिशा देने वाली स्वर्णिम घटनाओं का लोप हो जाता। इतिहास की परतों से खोजकर प्राप्त हुई इन घटनाओं से आर्यसमाज का इतिहास खूब समृद्ध हो गया। आर्यों की आने वाली पीढ़ियां इन घटनाओं को - इस त्याग और तपस्या को एक आदर्श मानकर समाज सेवा के ऐसे नए-नए अध्याय जोड़कर दिखायेंगी।

भारत स्वतंत्र होने वाला था तो मुस्लिम लीग का कोलकत्ता में डायरेक्ट एक्शन का आतंक और नोआखाली में बड़े स्तर पर धर्मांतरण और हिंदुओं पर अत्याचार, बलात्कार आदि घटनाओं से एक भयानक दृश्य सामने था और हैदराबाद के निज़ाम और रजाकार भी ऐसी परिस्थितियों का लाभ ले रहे थे। इस महासंकट की घड़ी में, आर्य प्रतिनिधि सभा, हैदराबाद स्टेट का 1946 से 1950 तक इन्हें मंत्री बनाया गया। इन विकट परिस्थितियों में आर्यों और हिंदुओं की सुरक्षा बहुत बड़ी समस्या थी। हर आर्य समाज में उनके अधिकारियों और सक्रिय कार्यकर्ताओं को शस्त्र आदि से अपनी सुरक्षा का प्रशिक्षण शिवरों द्वारा प्रशिक्षित करवाना और हर समय सावधान और चौकन्ने रहने के लिए जागरूकता को निरंतर चलाना कोई आसान काम नहीं था। नए-नए शस्त्रों से सुसज्जित कर इन्हें प्रशिक्षित कर पूर्ण सुरक्षा के लिए तैयार किया गया। इसी के परिणाम स्वरूप, जहां-जहां आर्य समाज और उसके प्रभाव वाले क्षेत्रों में उतनी हानि नहीं हुई जितनी दूसरी जगहों पर, उन पर भयानक अत्याचार हुए।

पंडित गंगाराम वानप्रस्थी का नाम आते ही मस्तिष्क में रेखा चित्र बनने लगता है, ऐसे निर्भीक और तेजस्वी का जो पराधीन भारत और हैदराबाद के निज़ाम शासन की विषम परिस्थितियों में जो निरंतर संघर्ष किया और धारा के विरुद्ध खड़े रहकर अपने सुकर्मों द्वारा समाज का निर्माण करने वाले थे। उनके जीवन के इतने आयाम है कि उनके विलक्षण व्यक्तित्व से व्यक्ति अचंभित होता है। उनके गौरवशाली जीवन का सूर्य जैसा तेजस्वी जीवन और चंद्र किरणों जैसे व्यक्तित्व का अन्त नहीं होता।इतिहास के अध्ययन से हमें अतीत के बारे में जानकारी मिलती है। यह जानकारी हमारे भविष्य की रूपरेखा बनाने के लिए, आर्य समाज के साथ-साथ हमारे व्यक्तिगत भविष्य के लिए भी आवश्यक है। हैदराबाद के निज़ाम शासन से मुक्ति के लिए आर्य समाज ने जो-जो कार्य किए, योगदान दिये, उसे यदि हम उजागर नहीं करेंगे तो हमारी भावी पीढ़ी को प्रेरणा, दिशा और लक्ष्य कौन देगा ?

– भक्त राम
आर्य कन्या विद्यालय हाई स्कूल, देवीदिन बाग,सुल्तान बाजार, हैदराबाद

एनएसडी दिल्ली की तरफ से काठमांडू में नेपाल–भारत रंग महोत्सव का होगा आयोजन

काठमांडू, 01 फरवरी (एजेंसियां) । नई दिल्ली राष्ट्रीय नाट्य अकादमी (एनएसडी) की तरफ से काठमांडू में सप्ताहव्यापी नेपाल भारत रंग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव का सबसे बड़ा आकर्षण एनएसडी का 27 वर्ष पुराना लोकप्रिय नाटक ताजमहल का टेंडर का मंचन होने वाला है।

राष्ट्रीय नाट्य अकादमी के तरफ से 5 फरवरी से 12 फरवरी तक काठमांडू के नाचघर में होने वाले नेपाल भारत रंग महोत्सव में 6 नाटकों का मंचन किया जाएगा। यह आयोजन नेपाल संगीत एवं नाट्य प्रज्ञा प्रतिष्ठान के सहयोग से किया जा रहा है। इस बारे में शनिवार को पत्रकार सम्मेलन में जानकारी दी गई।

प्रतिष्ठान की कुलपति निशा शर्मा ने पत्रकारों को बताया कि

5 से 12 फरवरी तक काठमांडू के नाचघर में होगा नेपाल भारत रंग महोत्सव

एनएसडी के तरफ से नेपाल में इस तरह का आयोजन पहली बार किया जा रहा है और इससे नेपाल में भी आम लोगों में नाटक के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि नेपाल के रंगमंच के विकास के लिए यह आयोजन बहुत ही लाभदायक होने वाला है।

आयोजकों ने बताया है कि इस रंग महोत्सव के आखिरी दिन दिखाए जाने वाले नाटक ताजमहल का टेंडर होगा। यह नाटक करीब 27 साल पुराना है। अजय शुक्ला के लेखन और चितरंजन त्रिपाठी के निर्देशन में बना यह नाटक भारत के अत्यंत ही लोकप्रिय है।

इसके अलावा विजय दत्त के लेखन और अजय कुमार के निर्देशन में बने माई री मैं का से कहूं का मंचन 10 फरवरी को किया जाएगा। इसी तरह मिथिलेश्वर के लेखन और राजेश सिंह के निर्देशन में बने बाबूजी नाटक का मंचन 11 फरवरी को किया जाएगा। इसके अलावा तीन नेपाली नाटकों की प्रस्तुति भी होगी।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के सांसदों के वेतन में 300 प्रतिशत की वृद्धि

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की संघीय सरकार ने सांसदों के वेतन में लगभग 300 प्रतिशत की वृद्धि की है। सरकार ने इस वृद्धि को जायज ठहराते हुए कहा कि अब सांसदों का वेतन संघीय सचिवों के वेतन के बराबर हो जाएगा। डॉन समाचार पत्र ने नेशनल असेंबली सचिवालय के सूत्र के हवाले से खबर दी है कि नेशनल असेंबली के स्पीकर सरदार अयाज सादिक ने प्रधानमंत्री की मंजूरी के बाद सांसदों के वेतन में वृद्धि की अधिसूचना जारी कर दी है। सांसदों को जनवरी महीने का संशोधित वेतन मिल चुका है। राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के बावजूद नेशनल असेंबली की वित्त समिति की हाल ही में आयोजित बैठक में सत्ता पक्ष और विपक्षी सदस्यों ने इस मामले में अभूतपूर्व एकता दिखाई थी। स्पीकर अयाज सादिक की अध्यक्षता वाली इस समिति ने प्रत्येक एमएनए और सीनेटर के मासिक वेतन को 519,000 रुपये तक बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इससे पहले सांसदों को 180,000 रुपये मासिक वेतन मिलता था। नेशनल असेंबली सचिवालय के सूत्रों के अनुसार, वित्त समिति की बैठक से पहले पीपीपी, पीटीआई और पीएमएल-एन सहित सभी मुख्यधारा के दलों के नेताओं ने स्पीकर सादिक से मुलाकात की थी। मौजूदा वेतन वृद्धि सात साल बाद की गई है।

श्रीलंका में सड़क हादसा, राष्ट्रपति सुरक्षा प्रभाग के चार अधिकारी घायल

कोलंबो। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में सुबह राष्ट्रपति सुरक्षा प्रभाग का एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हादसा 70वें किलोमीटर पोस्ट के पास थलावा-ए28 रोड पर हुआ। हादसे में राष्ट्रपति सुरक्षा प्रभाग के चार अधिकारी घायल हो गए। यह वाहन सड़क से उतरकर बिजली के खंभे से टकरा गया। दुर्घटना के समय राष्ट्रपति सुरक्षा प्रभाग के चार पुलिस अधिकारी वाहन में थे। चारों को चोटें आई हैं। उन्हें इलाज के लिए पहले थलावा अस्पताल ले जाया गया। वहां से इनको अनुराधापुरा टीचिंग हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि हादसे की जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि से 10 साल पहले 10 सितंबर, 2015 को हुए सड़क हादसे में राष्ट्रपति सुरक्षा प्रभाग के पांच अधिकारियों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। यह हादसा मिनुवांगोडा-कोलंबो रोड पर मिरिसवाटे के पास हुआ था।

विपक्ष के नेता उमर ने शहबाज को सुनाई खरी-खरी, बोले- नौकर बन गए पीएम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में विपक्ष मौजूदा सरकार पर निरंतर हमले कर रहा है। बीते रोज पाकिस्तान नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) नेता उमर अयूब ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पर जमकर निशाना साधा। शरीफ की आलोचना करते हुए अयूब ने उन्हें बिना शक्ति वाला नौकर कह दिया। उमर अयूब ने मौजूदा पीएम की भूमिका को नौकर या क्लर्क के तौर पर पेश किया और दावा किया कि उनके पास कोई वास्तविक शक्ति नहीं है। विपक्ष के नेता का यह पीटीआई और सरकार के बीच बाचतीच विफल रहने के बाद आया। अयूब का बयान पाकिस्तानियों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। उमर अयूब ने सरकार के साथ रुकी हुई बातचीत संसदीय समिति के माध्यम से फिर से शुरू करने की पेशकश को खारिज कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, शहबाज ने गुरुवार को मंत्रिमंडल की बैठक को संबोधित किया और कहा कि सरकार इमरान खान की पार्टी के साथ बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए संसदीय समिति गठित करने को तैयार है। इमरान की ओर से गठित पार्टी ने 9 मई 2023 और 26 नवंबर 2024 की घटनाओं की जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन न करने पर बातचीत बंद कर दी है। नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता उमर अयूब खान ने कहा, हम प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की बातचीत फिर से शुरू करने की पेशकश को खारिज करते हैं। पार्टी की मांगों को दोहराते हुए अयूब ने कहा कि हमारी मांगें स्पष्ट हैं। उन्होंने सभी राजनीतिक कैदियों की रिहाई की अपील की।

अमेरिका में एफबीआई के 24 से ज्यादा अधिकारी बर्खास्त

वाशिंगटन, 01 फरवरी (एजेंसियां) । संयुक्त राज्य अमेरिका में फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के छह सबसे वरिष्ठ अधिकारियों और देशभर के एफबीआई फील्ड कार्यालयों के कई प्रमुखों को बाहर कर दिया गया है। ऐसे अधिकारियों की कुल संख्या 24 से अधिक बताई गई है। इनमें कई अधिकारी ऐसे हैं जिन्होंने छह जनवरी के कैपिटल दंगों की जांच की थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरा कार्यकाल शुरू करते ही एफबीआई अधिकारियों के खिलाफ शुरू की गई यह सबसे बड़ी कार्रवाई है। एफबीआई संयुक्त राज्य अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस की सबसे महत्वपूर्ण एजेंसी है।

नौकरी से बर्खास्त किए गए इन अधिकारियों को एक पत्र भी भेजा गया गया है। इसमें कहा गया है कि छह जनवरी के दंगों के अभियोजन में उनकी भूमिका के लिए यह कार्रवाई की गई है। पत्र में ट्रंप के एक कार्यकारी आदेश का हवाला भी दिया गया है। इसमें छह जनवरी के अभियोजन को गंभीर राष्ट्रीय अन्याय बताया गया है। साथ ही कहा गया है कि यह अन्याय पिछले चार वर्ष तक अमेरिकी लोगों पर किया गया।

ट्रंप प्रशासन के निशाने पर आए ब्यूरो के कार्यवाहक निदेशक ब्रायन जे. ड्रिस्कॉल ने शुक्रवार रात एफबीआई कार्यबल को भेजे पत्र में कहा है कि कुछ दिन पहले उनसे कार्यवाहक उप अटॉर्नी जनरल एमिल बोवे ने जांच में शामिल सभी एफबीआई कर्मचारियों की सूची मांगी थी। इन अधिकारियों की बर्खास्तगी एफबीआई निदेशक पद के लिए नामित काश पटेल की गवाही के एक दिन बाद की गई है। हालांकि शुक्रवार दोपहर एक पत्रकार के पूछने पर ट्रंप ने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। मगर उन्होंने यह जरूर टिप्पणी की कि ब्यूरो में कुछ बहुत बुरे लोग हैं। उन्हें लगता है कि कुछ एफबीआई अधिकारियों को हटाने की जरूरत है।

एफबीआई के वाशिंगटन फील्ड कार्यालय के प्रभारी सहायक निदेशक डेविड सुंदरबर्ग को गुरुवार को ही सूचित कर दिया गया था कि वह नौकरी खोने जा रहे हैं और ब्यूरो छोड़ने की तैयारी कर लें। एफबीआई से बाहर किए गए आला अधिकारियों में रॉबर्ट वेल्स, रयान यंग, रॉबर्ट नॉर्डवाल, अर्लीन गेलॉर्ड, जैकी मैगुइरे और जे. विलियम रिवर हैं। इसके अलावा मियामी में प्रभारी विशेष एजेंट जेफरी वेल्ट्री को भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। एफबीआई के लास वेगास फील्ड कार्यालय के प्रभारी विशेष एजेंट स्पेंसर इवांस पर भी ट्रंप प्रशासन की गाज गिरी है।

अमेरिका से डरा ईरान बोला- युद्ध तो होकर ही रहेगा

तेहरान। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने स्थानीय मीडिया को बताया कि अगर इजरायल या संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान के परमाणु स्थलों पर हमला किया, तो इससे क्षेत्र में 'पूर्ण युद्ध' छिड़ जाएगा। कतर की यात्रा के दौरान अराघची ने चेतावनी दी कि ईरानी परमाणु स्थलों पर सैन्य हमला करना अमेरिका की सबसे बड़ी ऐतिहासिक गलतियों में से एक होगा।उन्होंने कहा कि किसी भी हमले का ईरान तुरंत और निर्णायक जवाब देगा और इससे क्षेत्र में पूर्ण युद्ध छिड़ जाएगा। ईरान में चिंताएं बढ़ रही हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को ईरान के परमाणु स्थलों पर हमला करने का अधिकार दे सकते हैं और अमेरिकी प्रतिबंधों को और कड़ा कर सकते हैं। ईरान और इजरायल के बीच तनाव है यह पूरी दुनिया को मालूम है। ईरान के साथ दो-दो हांथ करने में अमेरिका इजरायल का ही साथ देगा। अमेरिका की बागडोर डोनाल्ड ट्रंप के हाथ में आने के बाद यह और पुख्ता हो गया। क्योंकि ट्रंप इजरायल को पहले से ही सपोर्ट करते हैं और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से उनकी अच्छी बनती है। लेकिन इन तमाम स्थितियों के बीच ईरान ने सीधे युद्ध की धमकी दे डाली है। अब देखना यह होगा कि इजरायल और अमेरिका इस पर क्या प्रतिक्रिया देगा। ईरान ने 2011 में सीरिया के युद्ध के शुरू होने के बाद से अल-असद का समर्थन किया, उन्हें लड़ाकों, हथियारों और अन्य सैन्य समर्थन प्रदान किया ताकि उन्हें सत्ता में बनाए रखा जा सके, साथ ही तेहरान के क्षेत्रीय प्रतिरोध धुरी को इजरायल और अमेरिका के खिलाफ बनाए रखा जा सके। ट्रंप के पुनः चुनाव के बारे में, अराघची ने कहा कि ईरानी-अमेरिकी संबंधों का इतिहास शत्रुता और अविश्वास से भरा है। उन्होंने बताया कि पिछले ट्रंप प्रशासन के तहत अमेरिका ने परमाणु समझौते से बाहर निकलकर और ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कुद्स फोर्स के प्रमुख कासिम सुलेमानी की हत्या कर दी। उन्होंने नए ट्रंप प्रशासन से विश्वास बहाल करने के लिए व्यावहारिक कदम उठाने का आह्वान किया, जैसे कि जमे हुए ईरानी धन को वापस करना, और कहा कि ईरान अमेरिका के साथ सीधे संवाद का विरोध नहीं करता, लेकिन वार्ता को केवल परमाणु मुद्दे तक सीमित रखने पर जोर देता है।

भारत के मोस्ट वांटेड अर्श डल्ला पर कनाडा मेहरबान, ट्रैकिंग डिवाइस लगाने से आजादी दे दी

ओटावा, 01 फरवरी (एजेंसियां) ।

खलिस्तानी आतंकी अर्श डल्ला कनाडा में बेल पर रिहा हो गया है। कोर्ट ने उसे अनिवार्य ट्रैकिंग डिवाइस लगाने से आजादी दे दी है। भारत से भागकर कनाडा में छिपा गैंगस्टर भारत में कई मर्डर को अंजाम दिला चुका है। उस पर दिल्ली में बम ब्लास्ट का आरोप लग चुका है। पंजाब के एक गांव से निकला लड़का कनाडा से दुनियाभर में वसूली रैकेट चलाता है। गैंगस्टर की दुनिया में नाम बना चुका 28 साल डल्ला आतंक और दहशत का पर्याय बन चुका है। डल्ला भारत में मोस्ट वांटेड है। भारत ने कई मौके पर उसकी क्राइम कुंडली भेजकर प्रत्यार्पण की मांग कर चुका है।

सूत्रों के अनुसार, डल्ला के ट्रकिंग डिवाइस हटाने की जानकारी भारत की केंद्रीय जांच एजेंसियों ने दी। दरअसल, एजेंसी डल्ला की गिरफ्तारी पर चर्चा करने के लिए रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस से संपर्क किया था।

उस दौरान जांच एजेंसी ने पाया कि डल्ला के पैर में लगा ट्रैकिंग डिवाइज गायब है। कनाडा पुलिस ने भारतीय एजेंसी को बताया कि डल्ला द्वारा कोर्ट में 30,000 कनाडाई डॉलर का जुर्माना भरने के बाद जमा करने के बाद उतारने का आदेश दे दिया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कनाडा स्थित खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के आतंकवादी अर्शदीप सिंह गिल उर्फ अर्श दल्ला को एक महीने पहले कनाडा की एक अदालत द्वारा जमानत पर रिहा किए जाने के बाद, अब उसे जमानत की शर्त के रूप में अपने ब्रेसलेट ट्रैकर को हटाने की अनुमति दे दी गई है।

यह ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के बीच संबंध, सितंबर 2023 से ठंडे पड़े हैं। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा स्थित खालिस्तान आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार की 'संभावित' संलिप्तता के बारे में आरोप लगाए थे। देश के विदेशी हस्तक्षेप आयोग द्वारा भारत की पहचान उसके चुनावी मामलों में हस्तक्षेप करने वाले 'दूसरे सबसे सक्रिय देश' के रूप में किए जाने के बाद बदतर हो गए।

हमले के बीच सड़क पर बिखरा मलबा

ओडेसा, ओडेसा ओब्लास्ट, यूक्रेन में रूस के हमले के बीच सड़क पर बिखरा मलबा।

अमेरिका में छह लोगों को ले जा रहा मेडिकल विमान दुर्घटनाग्रस्त, किसी के भी बचने के आसार नहीं

वाशिंगटन, 01 फरवरी (एजेंसियां) । संयुक्त राज्य अमेरिका में एक मेडिकल विमान दुर्घटना का शिकार हो गया। इसमें चालक दल के सदस्यों समेत छह लोग सवार थे। हादसे में सभी के हताहत होने की आशंका जताई गई है है। यह हादसा पूर्वोत्तर फिलाडेल्फिया के पास हुआ। बताया गया है कि हादसे के बाद विमान में तेज विस्फोट हुआ और वह आग के गोले में बदल गया।

अधिकारियों और घटनास्थल के वीडियो के अनुसार, एक शिशु रोगी और उसकी मां को ले जा रहा एक जुड़वां इंजन वाला मेडवैक जेट शुक्रवार रात पूर्वोत्तर फिलाडेल्फिया के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। संघीय उड्डयन प्रशासन का कहना है कि छह लोगों के साथ लियरजेट 55 पूर्वोत्तर फिलाडेल्फिया हवाई अड्डे से प्रस्थान करने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। फ्लाइट ऑपरेटर जेट रेस्क्यू एयर एम्बुलेंस के प्रवक्ता शाई गोल्ड ने कहा कि विमान में एक बाल रोगी और उसकी मां थीं। वो फिलाडेल्फिया में बच्चे का इलाज कराने के बाद मैक्सिको लौट रही थीं।

यह विमान मिसौरी में स्प्रिंगफील्ड-ब्रैनसन राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रास्ते में था।इस विमान ने शाम छह बजे के बाद उड़ान भरी थी। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पोस्ट में कहा, विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से दुख हुआ। निर्दोष आत्माएं खो गईं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका अभी यात्री विमान और सैन्य हेलीकॉप्टर की टक्कर से हुए हादसे से उबर भी नहीं पाया है। और इस बीच दूसरा हवाई हादसा हो गया।

आतंकियों पर कहर बनकर बरसी पाक आर्मी, 2 दिन में 10 को ढेर किया

इस्लामाबाद, 01 फरवरी (एजेंसियां) । पाकिस्तान में आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन ऑल आउट जारी है। पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो दिन में 10 से अधिक तहरीक-ए-तालिबान के आतंकियों को मार गिराया। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि पांच अलग-अलग अभियानों में कम से कम 10 आतंकवादियों को मार गिराया गया। सेना की मीडिया इकाई ने बताया कि जवानों ने खुफिया जानकारी के आधार पर एक अभियान में डेरा इस्माइल खान जिले के कुलाची में मुठभेड़ के बाद चार आतंकवादियों को मार गिराया।

उत्तरी वजीरिस्तान जिले के दत्ता खेल, हसन खेल, गुलाम खान और मीर अली में चार अलग-अलग मुठभेड़ों में छह आतंकवादियों को मार गिराया। लोकल भाषा में का प्रयोग करते हुए सेना के जवान ने कहा कि चार फितना अल-ख्वारिज को नरक में भेज दिया गया है। पाकिस्तानी सेना के हवाले से बताया है, मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया। ये आतंकवादी इन क्षेत्रों में सुरक्षाबलों के खिलाफ कई आतंकी गतिविधियों के साथ-साथ निर्दोष नागरिकों की हत्या में सक्रिय रूप से शामिल थे। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि यह अभियान एक दिन पहले हुआ था और पहली मुठभेड़ डेरा इस्माइल खान जिले के खुलाची क्षेत्र में हुई, जहां आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान चलाया गया।

पाकिस्तानी सेना ने बताया कि हाल के दिनों में केपी और बलूचिस्तान में आतंकियों की गतिविधि में वृद्धी देखी गई है। सेना ने बताया कि हम आतंकियों के सफाया के लिए हमारे जवान दृढ़ है। पाकिस्तान में प्रतिबंधित आतंकवादी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान समूह ने 22 जनवरी को सरकार के साथ संघर्ष विराम समझौते तोड़ दिया था। इसके बाद से आतंकवादी हमलों में वृद्धि हुई है। पिछले साल कुल 444 आतंकवादी हमलों हुए। इसमें कम से कम 685 सुरक्षा बलों के सदस्यों की जान चली गई थी। 2024 एक दशक में पाकिस्तान के नागरिक और सुरक्षा बलों के लिए सबसे घातक रहा।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय हंग्यूल संग्रहालय में आग से भारी क्षति

सियोल। दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल स्थित राष्ट्रीय हंग्यूल संग्रहालय में शनिवार को आग लग गई। अधिकारियों के अनुसार, मध्य सियोल में राष्ट्रीय हंग्यूल संग्रहालय में आग बुझाने के दौरान दमकल विभाग का एक कर्मचारी घायल हो गया। योंगसन जिला कार्यालय और अग्निशमन अधिकारियों ने बताया कि आग तीसरी मंजिल पर शुरू हुई और तेजी से चौथी मंजिल तक फैल गई। आग बुझाने के लिए 140 कर्मियों को भेजा गया। इस दौरान मलबा गिरने से एक अग्निशमन कर्मी घायल हो गया। इस दौरान चार कर्मचारी दौड़कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचे। आग से संग्रहालय को भारी क्षति पहुंची है। यहां से कलाकृतियों को राष्ट्रीय संग्रहालय में स्थानांतरित किया जाएगा।

भारत की जीत के बाद कन्कशन सब को लेकर बटलर ने उठाए सवाल

पुणे, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए चौथे टी20 मुकाबले में भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे के कन्कशन सब्स्टीट्यूट के रूप में हर्षित राणा के मैदान में उतरने पर इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने नाराजगी जताई है। बटलर का कहना है कि यह लाइक-फॉर-लाइक रिप्लेसमेंट नहीं था और उन्हें इस फैसले से ऐतराज है।

शुक्रवार को खेले गए इस मुकाबले में भारत ने 15 रनों से जीत दर्ज कर पांच मैचों की श्रृंखला में 3-1 की अजेय बढ़त बना ली। दुबे ने छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 53 रनों की तेजतर्रार पारी खेली और अंतिम गेंद पर रन आउट हुए। हालांकि, इससे एक गेंद पहले उनके हेलमेट पर बॉल लगी थी, जिसके चलते वह इंग्लैंड की पारी के दौरान फील्डिंग के लिए नहीं उतरे। उनकी जगह भारत ने हर्षित राणा को कन्कशन सब्स्टीट्यूट के रूप में उतारा, जिन्होंने तीन विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई।

बटलर ने जताई आपत्ति

मैच के बाद जोस बटलर ने कहा, या तो शिवम दुबे ने 25 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी है या हर्षित ने अपनी बल्लेबाजी में जबरदस्त सुधार कर लिया है। यह हमें लाइक-फॉर-लाइक प्रतिस्थापन नहीं लगता और हम इससे सहमत नहीं हैं।

बटलर ने आगे कहा कि उन्हें इस फैसले से पहले कोई जानकारी नहीं दी गई थी। हमसे कोई परामर्श नहीं हुआ। जब मैं बल्लेबाजी करने आया, तो मैंने पूछा कि हर्षित किसके लिए खेल रहे हैं, तब मुझे बताया गया कि वह कन्कशन रिप्लेसमेंट हैं। यह स्पष्ट रूप से एक जैसा प्रतिस्थापन नहीं था। अंपायरों ने कहा कि यह निर्णय मैच रेफरी ने लिया है, इसलिए हमें इसमें कोई राय देने का मौका नहीं मिला।

क्या कहता है नियम

आईसीसी के नियमों के मुताबिक, कन्कशन सब्स्टीट्यूट को मैच रेफरी की मंजूरी जरूरी होती है और आमतौर पर यह समान कौशल वाला खिलाड़ी होना चाहिए, जिससे टीम को कोई अतिरिक्त लाभ न मिले। हालांकि, अंतिम निर्णय मैच रेफरी का ही होता है।

शिवम दुबे बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, जबकि हर्षित राणा दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी की बात करें तो दोनों दाएं हाथ से गेंदबाजी करते हैं। लेकिन इंग्लैंड की टीम को लगता है कि हर्षित राणा की मौजूदगी से भारत को अतिरिक्त फायदा हुआ। बटलर ने कहा, हमें इस मामले पर स्पष्टता चाहिए। यह पूरी तरह से मैच हारने की वजह नहीं है, लेकिन हम इस पर जवाब मांगेंगे। अब दोनों टीमें रविवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में पांचवें और अंतिम टी20 मुकाबले मेंआमने-सामने होंगी।

न्यूज ब्रीफ

उत्तराखंड की पुरुष और महिला बैडमिंटन टीमें राष्ट्रीय खेल 2025 के फाइनल में पहुंचीं

देहरादून। उत्तराखंड की पुरुष और महिला बैडमिंटन टीमों ने 38वें राष्ट्रीय खेल 2025 के फाइनल में प्रवेश कर राज्य के लिए दो पदक सुनिश्चित कर लिए हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ उत्तराखंड भारतीय बैडमिंटन में एक उभरती हुई शक्ति के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। शुक्रवार को देहरादून के मेन लोकेशन कोर्ट 1 पर खेले गए रोमांचक मुकाबले में उत्तराखंड की पुरुष टीम ने राजस्थान को 3-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। इस जीत में चिराग सेन, चयनित जोशी, ध्रुव रावत और ध्रुव नेगी ने अहम भूमिका निभाई। राजस्थान ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंततः उत्तराखंड की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। महिला टीम ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया और असम को मात देकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। मैच के दौरान असम की ईशारानी बरुआ ने उत्तराखंड की स्नेहा राजावत को 21-10, 21-8 से हराया, लेकिन इसके बाद अदिति भट्ट ने शानदार वापसी करते हुए शांतिप्रिया हजारिका को 16-21, 21-12, 21-13 से हराकर उत्तराखंड को निर्णायक जीत दिलाई। इस ऐतिहासिक सफलता के साथ उत्तराखंड को कम से कम दो रजत पदक मिलना तय हो गया है, लेकिन राज्य के खिलाड़ी स्वर्ण पदक के लिए पूरी ताकत झोंकने को तैयार हैं।

38वें राष्ट्रीय खेलः दिनेश कुमार और मुस्कान गुप्ता ने रोड साइक्लिंग में जीते स्वर्ण पदक

रुद्रपुर। 38वें राष्ट्रीय खेलों के तहत रोड साइक्लिंग प्रतियोगिता में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जहां दिनेश कुमार और मुस्कान गुप्ता ने मास स्टार्ट स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। दिनेश कुमार का 120 किमी मास स्टार्ट में दबदबा सर्विसेज के दिनेश कुमार ने पुरुषों की 120 किमी मास स्टार्ट स्पर्धा में 02:48:28.509 के समय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनके टीम साथी साहिल कुमार ने 02:48:28.730 के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि तेलंगाना के आशिर्वाद सक्सेना ने 02:48:39.029 के समय के साथ कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। जीत के बाद दिनेश ने कहा, यह जीत मेरे कोच को समर्पित है। यह हमारी कड़ी मेहनत और समर्पण का नतीजा है, महिलाओं की 60 किमी मास स्टार्ट में मुस्कान गुप्ता का स्वर्णिम प्रदर्शन गुजरात की मुस्कान गुप्ता ने महिलाओं की 60 किमी मास स्टार्ट स्पर्धा में 01:45:10.512 के समय के साथ स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। महाराष्ट्र की पूजा बाबन दानोले ने 01:45:10.590 के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि ओडिशा की स्वाति सिंह ने 01:45:10.769 के समय के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

रणजी ट्रॉफी के आखिरी मुकाबले में भी नहीं दिखा बिहार का दम, 169 रनों से मिली हार

पटना। रणजी ट्रॉफी में बिहार का आखिरी मुकाबला चार दिनों की बजाए दो दिनों में खत्म हो गया और बिहार को एक पारी और 169 रनों से हार का सामना करना पड़ा। केरल के स्पोर्ट्स हब इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए केरल बनाम बिहार के इस मैच में बिहार की टीम दोनों पारियों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। बिहार को इस बार एक भी जीत हासिल नहीं हुई। बंगाल के साथ मैच रद्द होने की वजह से एक पॉइंट मिला था। 30 जनवरी से मेजबान केरल के साथ खेलने के लिए बिहार की टीम मैदान में उतरी। इस मुकाबले में केरल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और अपनी पहली पारी में 101.2 ओवर में 351 रन बनाए। पहले दिन केरल ने बल्लेबाजी की और दूसरे दिन के शुरुआती घंटों में भी केरल के आखिरी जोड़ी मैदान पर टिकी थी। टीम के लिए सलमान निज़ार ने सबसे ज्यादा 150 रन ठोके, जबकि शॉन रोजर ने 59, आकाश चंद्रन ने 38 और निधीश एमडी ने 30 रन बनाए। इसके अलावा, अन्य बल्लेबाजों का योगदान सीमित रहा, लेकिन टीम मजबूत स्कोर बनाने में सफल रही। वहीं, बिहार के गेंदबाजों ने अनुशासित गेंदबाजी की और नियमित अंतराल पर विकेट चटकाए। सचिन कुमार, गुलाम रब्बानी और हर्ष विक्रम ने 2-2 विकेट लिए जबकि वीर प्रताप सिंह, अभिषेक, एस. गनी और वाई पी यादव ने 1-1 विकेट चटकाए। बिहार की बल्लेबाजी इस मुकाबले में उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। पहली पारी की बल्लेबाजी करने उतरी बिहार की टीम महज 64 रन पर सिमट गई, जिसमें श्रमण निग्रोध ने 21, आयुष लोहरुका ने 13 और गुलाम रब्बानी ने 10 रन बनाए।

राष्ट्रीय खेल भारोत्तोलन (राउंडअप दूसरा दिन) : मणिपुर पदक तालिका में सबसे आगे, बिंद्यारानी और एन अजित चमके

देहरादून, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय खेलों में भारोत्तोलन के दूसरे दिन पांच श्रेणियों में रोमांचक प्रदर्शन, रिकॉर्ड-ब्रेकिंग लिफ्ट और गहन प्रतिस्पर्धा देखी गई। स्टार भारोत्तोलक अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप प्रदर्शन करते रहे, जबकि उभरती प्रतिभाओं ने राष्ट्रीय मंच पर अपनी छाप छोड़ी।

महिला 55 किग्राः बिंद्यारानी देवी ने रचा इतिहास

मणिपुर की एस बिंद्यारानी देवी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्नैच वर्ग में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। 83 किग्रा में पहले असफल प्रयास के बाद, उन्होंने अपने अंतिम प्रयास में 88 किग्रा वजन उठाया। राष्ट्रमंडल रजत पदक विजेता ने क्लीन एवं जर्क में अपना प्रदर्शन जारी रखा और अपने पहले प्रयास में सफलतापूर्वक 107 किग्रा वजन उठाया लेकिन 112 किग्रा में असफल रहीं। उसने 113 किग्रा वजन उठाने के लिए जोरदार वापसी की और कुल 201 किग्रा वजन उठाया - जो उसके अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड से केवल एक किलोग्राम कम था। इस जीत के साथ, अब उनके पास महिलाओं के 55 किग्रा वर्ग में सभी तीन राष्ट्रीय रिकॉर्ड (स्नैच, क्लीन एंड जर्क और कुल) हैं, जिससे यह उनके लिए एक यादगार राष्ट्रीय खेल बन गया है।

बंगाल की शरबानी दास ने कुल 187 किग्रा के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि मणिपुर की एल नीलम देवी ने कुल 182 किग्रा के साथ कांस्य पदक जीता।

पुरुष 67 किग्राः नीलम राजू हावी

आंध्र प्रदेश के के. नीलम राजू ने कुल 289 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक हासिल किया। 124 किग्रा के अपने पहले स्नैच प्रयास में असफल होने के बावजूद, उन्होंने 128 किग्रा भार उठाया। 154 किग्रा, 158 किग्रा और 161 किग्रा के सफल भार के साथ उनका क्लीन एंड जर्क प्रदर्शन त्रुटिहीन था।

अरुणाचल प्रदेश के मार्कियो तारियो ने कुल 283 किग्रा भार उठाकर रजत पदक जीता, जबकि असम के सिद्धांत गोगोई ने 123 किग्रा के सर्वश्रेष्ठ स्नैच और 158 किग्रा के क्लीन एंड जर्क भार के साथ कांस्य पदक जीता।

महिला 59 किग्राः रीमा भोई ने स्वर्ण पदक जीता

ओडिशा की रीमा भोई ने महिलाओं के 59 किग्रा वर्ग में कुल 189 किग्रा वजन उठाकर दबदबा बनाया। अपने अंतिम प्रयास को छोड़ने से पहले उन्होंने स्नैच में 84 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 105 किग्रा वजन दर्ज किया।

हरियाणा की स्नेहा ने कुल 187 किग्रा वजन उठाकर रजत पदक जीता, जबकि अरुणाचल प्रदेश की बालो यालम ने इतने ही कुल वजन के साथ कांस्य पदक जीता। कुल वजन में सबसे पहले पहुंचने पर स्नेहा को रजत पदक दिया गया।

पुरुषों का 73 किग्राः एन अजित ने राष्ट्रीय खेलों की हैट्रिक पूरी की

राष्ट्रमंडल स्वर्ण पदक विजेता एन अजित ने भारोत्तोलन में अपना दबदबा जारी रखते हुए लगातार तीसरा राष्ट्रीय खेलों का स्वर्ण पदक जीता। 136 किग्रा में शुरुआती विफलता के बाद उन्होंने स्नैच में 140 किग्रा वजन उठाया। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने जीत सुनिश्चित करने के लिए 166 किग्रा से मजबूत शुरुआत की।

हरियाणा के दीपक लाठेर ने अजित को सीमा तक धकेल दिया, स्नैच वर्ग के बाद 141 किग्रा भार उठाकर आगे रहे। हालाँकि, उन्हें क्लीन एंड जर्क में संघर्ष करना पड़ा और कुल 301 किग्रा के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के लालहुनथारा ने अपने अंतिम प्रयास में नाटकीय रूप से 167 किग्रा वजन उठाकर कुल 293 किग्रा वजन उठाकर कांस्य पदक जीता।

महिला 64 किग्राः निरुम्पा देवी की जीत

राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता मणिपुर की निरुम्पा देवी ने कुल 209 किग्रा के साथ स्वर्ण पदक जीतने के लिए असाधारण प्रदर्शन किया। उन्होंने स्नैच में 91 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 118 किग्रा वजन दर्ज किया। असम की दितिमोनी सोनोवाल कुल 208 किग्रा वजन उठाकर करीब आईं, जबकि मणिपुर की रोशिलता देवी ने 196 किग्रा के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

भारतीय नौसेना 2 फरवरी को नई दिल्ली में पहली इंडियन नेवी हाफ मैराथन आयोजित करेगी

नई दिल्ली, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय नौसेना 2 फरवरी को राजधानी नई दिल्ली में इंडियन नेवी हाफ मैराथन (आईएनएचएम) के उद्घाटन संस्करण की मेजबानी करने जा रही है। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से शुरू होने वाली इस मैराथन में 21.1 किमी, 10 किमी और 5 किमी की तीन श्रेणियों में दस हजार से अधिक धावकों के भाग लेने की उम्मीद है। इस ऐतिहासिक आयोजन को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

प्रतियोगिता का मार्ग देश की राजधानी के प्रतिष्ठित स्थलों से होकर गुजरेगा, जिसमें कर्तव्य पथ और इंडिया गेट शामिल हैं। इसका उद्घाटन केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री मनसुख मंडाविया द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया जाएगा। इसके अलावा इसमें सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारी, प्रतिष्ठित हस्तियां, नागरिक अतिथि और प्रसिद्ध खिलाड़ी भी भाग लेंगे।

धावकों के लिए द इंडियन नेवी स्लैम सम्मान

भारतीय नौसेना ने इस मैराथन के तहत द इंडियन नेवी स्लैम की घोषणा की है, जो उन प्रतिभागियों को मिलेगा जो कोच्चि, विशाखापत्तनम, मुंबई और नई दिल्ली में नौसेना द्वारा आयोजित सभी चार दौड़ पूरी करेंगे। यह पुरस्कार नौसेना की अनुशासन और दृढ़ संकल्प की भावना को दर्शाता है।

इंडियन ऑयल सहित कई एजेंसियों का समर्थन

इस कार्यक्रम को इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने सहयोगी भागीदार के रूप में समर्थन दिया है, जबकि दिल्ली पुलिस और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद भी आयोजन की सफलता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

महिला एशेज

मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड महिला एशेज, एकमात्र टेस्ट के दूसरे दिन बेथ मूनी तीनों फॉर्मेट में शतक बनाने वाली चौथी महिला बनीं।

अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप: आईसीसी ने फाइनल के लिए की मैच अधिकारियों की घोषणा

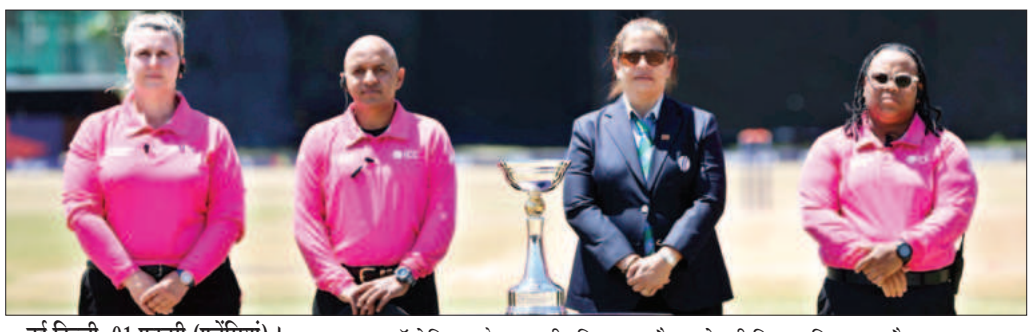

नई दिल्ली, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जाने वाले आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2025 के फाइनल के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है।

ऑस्ट्रेलिया के एशली गिबन्स और नीदरलैंड के नितिन बाथी को कुआलालंपुर के बायुमास ओवल में होने वाले इस महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए मैदानी अंपायर नियुक्त किया गया है। गिबन्स ने इंग्लैंड के खिलाफ भारत की सेमीफाइनल जीत में ऑन-फील्ड अंपायरिंग की थी, जबकि बाथी दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच सेमीफाइनल मैच में अंपायरिंग कर चुके हैं। आयरलैंड के एडन सीवर तीसरे अंपायर की भूमिका निभाएंगे, जबकि चौथे अंपायर के रूप में जिम्बाब्वे के फोर्स्टर मुतिज़्वा को जिम्मेदारी दी गई है। इस मुकाबले के लिए डेविड गिल्बर्ट को मैच रेफरी नियुक्त किया गया है।

फाइनल मुकाबले के लिए नियुक्त मैच अधिकारी:

फील्ड अंपायर: एशली गिबन्स, नितिन बाथी

तीसरा अंपायर: एडन सीवर

चौथा अंपायर: फोर्स्टर मुतिज़्वा

मैच रेफरी: डेविड गिल्बर्ट

भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में आमने-सामने होंगी, जिससे क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह मुकाबला रोमांचक होने की उम्मीद है।

ओमान दौरे के लिए एंड्रीज़ गौस, स्टीवन टेलर और अली खान की अमेरिकी टीम में वापसी

नई दिल्ली, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका क्रिकेट टीम ने ओमान के खिलाफ आगामी सफेद गेंद श्रृंखला के लिए अपनी वनडे और टी20ई टीमों की घोषणा कर दी है। 31 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज एंड्रीज़ गौस की वनडे और टी20ई दोनों टीमों में वापसी हुई है, हालांकि उनकी उपलब्धता पर संदेह बना हुआ है क्योंकि वह अभी आईएलटी20 में अबू धाबी नाइट राइडर्स का हिस्सा हैं।

इसी तरह, हरमीत सिंह (शारजाह वारियर्स) और नोश्थुश केनजिगे (एमआई अमीरात) की भी लीग प्रतिबद्धताओं के कारण समय पर टीम से जुड़ने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। इस स्थिति में युवा लेग स्पिनर यासिर मोहम्मद को प्लेइंग इलेवन में मौका मिलने की संभावना है, जिन्हें पिछले तीनों यूएसए दौरों में अधिकतर बेंच पर रहना पड़ा था। टी20 टीम में अनुभवी ऑलराउंडर स्टीवन टेलर की वापसी हुई है। चोटों और खराब फॉर्म के कारण उन्हें अगस्त में नीदरलैंड दौरे के बाद बाहर कर दिया गया था, लेकिन हाल ही में छोटी लीगों में शानदार प्रदर्शन और दो शतकों के कारण उन्होंने फिर से टीम में जगह बना ली। ऑलराउंडर अली शेख को भी राष्ट्रीय 50 ओवर चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के बाद टी20ई टीम में जगह दी गई है। वह तीन साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। टी20ई टीम में एक और नया चेहरा स्टीफन वाइग होंगे, जो बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं। वह सौरभ नेत्रवलकर की जगह लेंगे, जो वनडे श्रृंखला के बाद स्वदेश लौटेंगे। टीम में विकेटकीपर-बल्लेबाज स्मित पटेल की वापसी हुई है, जबकि मिलिंद कुमार टी20 टीम से बाहर हो गए हैं। हालांकि, वनडे में उनके बेहतरीन प्रदर्शन (औसत 52) को देखते हुए वह वनडे टीम में बरकरार हैं।

अमेरिकी टीम इस प्रकार है:

वनडे टीम: मोनांक पटेल (कप्तान), एंड्रीज़ गौस, आरोन जोन्स, मिलिंद कुमार, स्मित पटेल, शायन जहांगीर, सैतेजा मुक्कमल्ला, संजय कृष्णमूर्ति, हरमीत सिंह, नोश्थुश केनजिगे, यासिर मोहम्मद, जेसी सिंह, शैडली वैन शल्कविक, जुआनॉय ड्रायसडेल, सौरभ नेत्रवलकर।

टी20ई टीम: मोनांक पटेल (कप्तान), एंड्रीज़ गौस, आरोन जोन्स, अली शेख, स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर, सैतेजा मुक्कमल्ला, संजय कृष्णमूर्ति, हरमीत सिंह, नोश्थुश केनजिगे, यासिर मोहम्मद, जेसी सिंह, अली खान, जुआनॉय ड्रायस्डेल, स्टीफन वाइग।

पहला वनडे 8 फरवरी को खेला जाएगा, लेकिन गौस, हरमीत और केनजिगे के समय पर टीम में शामिल होने को लेकर संशय बना हुआ है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, गिफ्ट निफ्टी में गिरावट

नई दिल्ली, 01 फरवरी (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ कारोबार करने के बाद लाल निशान में बंद हुआ था। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में भी कमजोरी बनी रही। इसके विपरीत यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे थे। एशियाई बाजार में गिफ्ट निफ्टी के अलावा सभी बाजार बंद हैं।

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कनाडा और मेक्सिको पर टैरिफ लगाने का ऐलान करने के कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक दबाव में कारोबार करते रहे।

डाउ जॉन्स 337.47 अंक यानी 0.75 प्रतिशत अंक टूट कर 44,544.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,040.53 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह नैस्डेक 0.30 प्रतिशत फिसल कर 19,623.27 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान तेजी के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,673.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.11 प्रतिशत छलांग लगा कर 7,950.17 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक मजबूती के साथ 21,732.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में गिफ्ट निफ्टी को छोड़कर शेष सभी बाजार बंद हैं। गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,584 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

नया होंडा सिटी एपेक्स एडिशन पेश, कीमत 13.30 लाख से शुरू

नई दिल्ली। प्रीमियम कार निर्माता होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड ने अपने लोकप्रिय मॉडल होंडा सिटी का नया एपेक्स एडिशन पेश किया है जिसकी एक्स शोरूम कीमत 13.30 लाख रुपये से शुरू होती है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि सीमित मात्रा में उपलब्ध एपेक्स एडिशन मैनुअल ट्रांसमिशन और कंटीन्यूअसली वेरिएबल ट्रांसमिशन (सीवीटी) दोनों में पेश किया जाएगा और यह होंडा सिटी के वी और वीएक्स ग्रेड पर आधारित है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बजट का पहाड़...

यह वो जिले होंगे जहां कृषि क्षेत्र का विकास नहीं हुआ है। इसके लिए पहले से चल रही कृषि योजनाओं को भी शामिल किया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा है कि इससे कृषि क्षेत्र में रोजगार के मौके पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि इससे पलायन केवल एक विकल्प के रूप में रह जाएगा, न कि मजबूरी होगा।

इस योजना में फोकस महिलाओं और युवाओं पर होगा। वित्त मंत्री ने तिलहन के क्षेत्र के लिए भी नए प्रावधान लाने का ऐलान किया है। सरकार अब दालों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लिए एक मिशन लॉन्च करेगी। यह 6 वर्षों में पूरा किया जाएगा। इसमें तुअर, उड़द और मसूर की डाल पर मुख्य फोकस होगा। केंद्रीय एजेंसियां इन दालों की पूरी उपज की खरीद करेंगी। इसके अलावा सरकार सब्जियों तथा फलों के लिए भी योजना लाएगी। इसके लिए भी एक नया प्रोग्राम चालू किया जाएगा। वित्त मंत्री ने ऐलान किया है कि बिहार में मखाना बोर्ड का गठन होगा। यह मिथिला क्षेत्र को सबसे अधिक फायदा देगा। मखाना पैदा करने वालों को संगठित किया जाएगा। उनका किसान संगठन (एफपीओ) बनाया जाएगा। अच्छे बीजों के लिए भी काम किया जाएगा। वित्त मंत्री ने बजट में ऐलान किया है कि मत्स्य उत्पादन के लिए भी सरकार काम करेगी, सबसे अधिक फोकस अंडमान निकोबार तथा लक्षद्वीप पर रहेगा। सरकार किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा भी 3 लाख से बढ़ा कर 5 लाख कर देगी। इसके अलावा यूरिया का एक नया प्लांट असम में भी लगाया जाएगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऐलान किया है कि देश में अगले 10 वर्ष में 120 नए एयरपोर्ट बनाए जाएंगे। यह उड़ान स्कीम के तहत बनाए जाएंगे। इससे 4 करोड़ यात्रियों को हवाई सेवा दिए जाने का लक्ष्य है। सबसे अधिक फायदा इससे बिहार को होगा। बिहार में सरकार बिलकुल नए सिरे से एयरपोर्ट बनाएगी। वित्त मंत्री ने कहा है कि बिहार में पटना एयरपोर्ट का विस्तार भी किया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा है कि उड़ान स्कीम के तहत 88 छोटे शहर भी हवाई सेवा से जोड़े जाएंगे। बिहार में बिहटा एयरपोर्ट का विकास भी किया जाएगा।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऐलान किया है कि जोमैटो-स्विगी समेत बाकी ऐसी ही कंपनियों के ली काम करने वाले डिलीवरी बॉय (गिग वर्कर्स) को सरकार श्रमिक का दर्जा देगी। उनके लिए ई-श्रम पोर्टल में रजिस्ट्रेशन का विकल्प खोला जाएगा। इन्हें पहचान पत्र जारी किए जाएंगे। इसके अलावा इन्हें पीएम आरोग्य योजना के अंतर्गत बीमा दिया जाएगा। सरकार के इन क़दमों से 1 करोड़ से अधिक गिग वर्कर्स को फायदा होगा। सरकार इसके अलावा इन गिग वर्कर्स की सुरक्षा के लिए भी कदम उठाएगी। सरकार के ऐलान के अनुसार, अब से ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों जैसे ओला और स्विगी के लिए भी आईडी कार्ड बनवाए जाएंगे, ताकि उन्हें भी रेगुलेट किया जा सके। इन सभी का ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन होगा। इस बार के बजट भाषण में वित्त मंत्री ने युवाओं के रोजगार से संबंधित कुल 9 ऐलान किए हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में शिक्षा क्षेत्र के लिए भी कई ऐलान किए। अब से नीट (मेडिकल) के लिए प्रतिवर्ष 10,000 नई सीटें आएंगी। इसके अलावा आईआईटी और आईआईएससी के रिसर्चर्स के लिए लिए भी 10,000 फेलोशिप प्रोग्राम चलाए जाएंगे। मेडिकल शिक्षा (नीट) के लिए प्रति वर्ष मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में 10,000 नई सीटें आएंगी। पांच साल में कुल 75,000 नई सीटें लाई जाएंगी। सरकारी स्कूलों में शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 50,000 टिकरिंग लैब का निर्माण किया जाएगा। आईआईटी और आईआईएससी में भी 10,000 हजार फेलोशिप का मौका मिलेगा। नए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन एआई एजुकेशन का निर्माण 500 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा। 5 नए सेंटर नेशनल सेंटर फॉर स्किल्स के तहत बनाए जाएंगे। स्कूल और उच्च शिक्षा के लिए भारतीय भाषा पुस्तक स्कीम की मदद से डिजिटल किताबें उपलब्ध कराई जाएंगी। पटना स्थित आईआईटी के हॉस्टल और उसके इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाया जाएगा। देश के 23 आईआईटी संस्थानों में 65,000 नई सीटें बढ़ाई जाएंगी। देश के सरकारी स्कूलों में भारत नेट परियोजना के तहत ब्रॉडबैंड के इंटरनेट कनेक्शन दिए जाएंगे।

बजट 2025-26 वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऐलान किया है कि सरकार 2014 के बाद बनाए गए 5 आईआईटी में नया इन्फ्रा बनाएगी। इससे इन आईआईटी में 6500 छात्रों को भर्ती किया जा सकेगा और उन्हें सुविधाएं दी जा सकेंगी। इस इन्फ्रा के तहत हॉस्टल और लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं बनाई जाएंगी। वित्त मंत्री ने ऐलान किया है कि आईआईटी पटना का भी विस्तार किया जाएगा। उन्होंने यह भी ऐलान किया है कि देश के मेडिकल कॉलेज में 10,000 अतिरिक्त सीट बढ़ाई जाएंगी। अगले पांच वर्षों में 75000 सीट बढ़ाने की योजना है। उन्होंने यह भी ऐलान किया है कि देश के हर जिला अस्पताल में कैंसर सेंटर स्थापित किए जाएंगे। यह काम अगले तीन साल के भीतर होगा। केंद्रीय बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह भी कहा, मैं अगले हफ्ते नया आयकर विधेयक पेश करने का प्रस्ताव करती हूं। राजकोषीय घाटा, सकल घरेलू उत्पाद का 4.4 फीसदी रहने का अनुमान है। 12 लाख रुपए तक की आय पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। इंश्योरेंस सेक्टर में विदेशी निवेश बढ़ाया गया है। वित्त मंत्री ने शत प्रतिशत विदेशी निवेश का ऐलान किया।

कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की 36 दवाइयां ड्यूटी फ्री की गई हैं। कैंसर रोगियों और दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित लोगों को राहत मिलेगी। 36 जीवन रक्षक दवाओं पर सीमा शुल्क से पूरी छूट दी गई है। 37 निर्दिष्ट दवाओं के थोक निर्माण पर कर से छूट और कोबाल्ट पाउडर और अपशिष्ट, लिथियम आयन बैट के स्क्रैप और 12 अन्य पर पूरी छूट दी गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि लोकसभा में प्रत्येक बुनियादी ढांचा मंत्रालय पीपीपी मोड में विकसित की जाने वाली परियोजनाओं की तीन साल की पाइपलाइन लेकर आएगा। 50 साल के ब्याज मुक्त ऋण के माध्यम से राज्यों के बुनियादी ढांचे पर खर्च के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपए का परिव्यय प्रस्तावित है। सीतारमण ने कहा, ऋण तक पहुंच में सुधार करने के लिए क्रेडिट गारंटी कवर को बढ़ाया जाएगा। सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए 5 करोड़ से 10 करोड़ रुपए तक, जिससे अगले 5 वर्षों में 1.5 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त ऋण मिलेगा। स्टार्टअप के लिए 10 करोड़ से 20 करोड़ रुपए तक, 27 फोकस क्षेत्रों में ऋण के लिए गारंटी शुल्क को 1 फीसदी तक कम किया जा रहा है, जो कि आत्मनिर्भर भारत के लिए महत्वपूर्ण हैं।

सीतारमण ने बजट भाषण में कहा कि सरकार शहरों को विकास केंद्र बनाने के प्रस्तावों को क्रियान्वित करने के लिए एक लाख करोड़ रुपए का शहरी चुनौती कोष स्थापित करेगी। पहली बार उद्यमी बनीं 5 लाख अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति महिला उद्यमी के लिए एक नई योजना शुरू की जाएगी। इसके तहत अगले 5 वर्षों के दौरान 2 करोड़ रुपए तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। सीतारमण ने कहा, मुझे जल जीवन मिशन को 2028 तक बढ़ाए जाने की घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है, जिसमें कुल परिव्यय में वृद्धि की गई है।

वित्त मंत्री ने कहा कि विकसित भारत के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन के तहत 2047 तक कम से कम 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा का विकास हमारे ऊर्जा परिवर्तन के लिए आवश्यक है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निजी क्षेत्रों के साथ सक्रिय भागीदारी के लिए परमाणु ऊर्जा अधिनियम और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम में संशोधन किए जाएंगे। अनुसंधान एवं विकास के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन के एक भाग के रूप में कम से कम 5 स्वदेशी रूप से विकसित छोटे मॉड्यूलर (परमाणु) रिएक्टर 2033 तक चालू हो जाएंगे।

सीतारमण ने कहा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए एक डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना-भारत ट्रेड नेट (बीटीएन) की स्थापना की जाएगी, जो व्यापार दस्तावेजीकरण और वित्तपोषण समाधान के लिए एक एकीकृत मंच होगा। बीटीएन को अंतरराष्ट्रीय प्रथाओं के अनुरूप बनाया जाएगा। शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना 500 करोड़ रुपए की कुल लागत से की जाएगी। सरकार चिकित्सा शिक्षा के विस्तार पर भी ध्यान केंद्रित करेगी, 10 वर्षों में 1.1 लाख यूजी और पीजी सीटें बढ़ाई जाएंगी। अगले वर्ष चिकित्सा शिक्षा में 10,000 अतिरिक्त सीटें जोड़ी जाएंगी। उन्होंने कहा, हमारी सरकार अगले तीन वर्षों में सभी जिला अस्पतालों में डे-केयर कैंसर केंद्र स्थापित करने की सुविधा प्रदान करेगी, 2025-26 तक 200 केंद्र स्थापित किए जाएंगे। आईआईटी की क्षमता का विस्तार किया जाएगा। पिछले 10 वर्षों में 23 आईआईटी में छात्रों की कुल संख्या 65,000 से 1.35 लाख तक 100 प्रतिशत बढ़ गई है। 2014 के बाद शुरू किए गए पांच आईआईटी में अतिरिक्त बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जाएगा और आईआईटी पटना का भी विस्तार किया जाएगा।

वित्त मंत्री ने केंद्रीय बजट में भारत को वैश्विक पर्यटन केंद्र बनाने की योजना की घोषणा की, जिसमें प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों और आध्यात्मिक पर्यटन स्थलों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। देश के शीर्ष 50 पर्यटन स्थलों को राज्यों के साथ साझेदारी में विकसित किया जाएगा। प्रमुख बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भूमि राज्य द्वारा प्रदान की जानी होगी। इन गंतव्यों के होटलों को बुनियादी ढांचे-सामंजस्यपूर्ण सूची में शामिल किया जाएगा। बंदरगाह संपर्क, पर्यटन बुनियादी ढांचे और सुविधाओं पर विशेष रूप से लक्षद्वीप में जोर दिया जाएगा। सरकार विकास के लिए राज्यों को ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करेगी। यात्रा और पर्यटन क्षेत्र ने 2022 में भारत की अर्थव्यवस्था में 15.7 लाख करोड़ का योगदान दिया और 2030 तक 137 मिलियन लोगों के लिए रोजगार पैदा करने और सकल घरेलू उत्पाद में 250 बिलियन डॉलर जोड़ने की उम्मीद है।

वित्त मंत्री ने कहा कि होमस्टे को प्रदान किए जाने वाले मुद्रा ऋण के अलावा होटलों को सामंजस्यपूर्ण योजना में शामिल किया जाएगा। कुछ विदेशी पर्यटक समूहों के लिए वीज़ा में छूट होगी। होटलों को सामंजस्यपूर्ण योजना में शामिल किया जाएगा और निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी में मेडिकल टूरिज्म और हील इन इंडिया को बढ़ावा दिया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार भगवान बुद्ध के जीवन और समय से संबंधित स्थलों पर विशेष ध्यान देगी।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था सभी प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ रही है। पिछले 10 वर्षों के हमारे विकास ट्रैक रिकॉर्ड और संरचनात्मक सुधारों ने वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है। इस अवधि में भारत की क्षमता और संभावनाओं पर विश्वास बढ़ा है। वित्तमंत्री ने कहा कि राज्यों के साथ साझेदारी में धन-धान्य कृषि योजना के तहत कम उत्पादकता वाले 100 जिलों को कवर किया जाएगा। इससे 1.7 करोड़ किसानों को ग्रामीण समृद्धि बनाने में मदद मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त अवसर पैदा होंगे।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि बिहार में मखाना बोर्ड का गठन किया जाएगा। इसका मकसद मखाना उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन को बेहतर बनाना है। इस कार्य में लगे लोगों को एफपीओ के रूप में संगठित किया जाएगा। उन्होंने ने कहा कि सरकार पीएम धन-धान्य कृषि योजना शुरू करेगी। इसका मकसद कृषि जिलों में विकास कार्यक्रम को बढ़ावा देना है। मौजूदा योजनाओं और विशेष उपायों के अभिसरण के माध्यम से कार्यक्रम कम उत्पादकता, मध्यम फसल तीव्रता और औसत से कम ऋण मापदंडों वाले 100 जिलों को कवर करेगा। इसका प्रमुख उद्देश्य सांस्कृतिक उत्पादकता को बढ़ाना भी है।

उन्होंने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड 7.7 करोड़ किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों को अल्पावधि ऋण की सुविधा प्रदान करता है। संशोधित ब्याज अनुदान योजना के तहत किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से लिए गए ऋण के लिए ऋण सीमा तीन लाख रुपए से बढ़ाकर पांच लाख रुपए कर दी जाएगी। सीतारमण ने कहा कि सभी एमएसएमई के वर्गीकरण के लिए निवेश और टर्नओवर की सीमा को क्रमशः 2.5 और दो गुना तक बढ़ाया जाएगा। इससे युवाओं में रोजगार के लिए आत्मविश्वास बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि यूरिया उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लिए हमारी सरकार ने पूर्वी क्षेत्र में तीन निष्क्रिय यूरिया संयंत्रों को फिर शुरू किया है। यूरिया आपूर्ति को बढ़ाने के लिए असम के नामरूप में 12.7 लाख मीट्रिक टन की वार्षिक क्षमता वाला एक संयंत्र स्थापित किया जाएगा।

बजट के केंद्र...

बिहार के नेता भी खुश हैं। इन परियोजनाओं के कारण बिहार को कई तरह का फायदा होगा।बोर्ड के गठन से मखाना के उत्पादन, मार्केटिंग और प्रसंस्करण को बढ़ावा मिलेगा। बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र के लगभग 35,000 हेक्टेयर में मखाने की खेती होती है। इससे लगभग 25,000 किसान परिवार जुड़े हैं। बिहार सरकार भी अगले दो-तीन साल में 50-60 हजार हेक्टेयर में मखाना की खेती होने और 50 हजार और किसानों को जोड़ने के लिए प्रयासरत है। बोर्ड बन जाने के किसानों की आय बढ़ेगी। देश में सबसे अधिक मखाना उत्पादन बिहार में होता है। देश के कुल मखाना का 85 प्रतिशत उत्पादन होता है। इसलिए, इस खेती से जुड़े लोगों को ऋझज के रूप में संगठित करने की घोषणा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किया है। मखाना बोर्ड इससे जुड़े किसानों को सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करेगा। इसके साथ ही बोर्ड इससे जुड़े किसानों को सभी प्रासंगिक सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करेगा।

इससे मधुबनी, दरभंगा, पूर्णिया, कटिहार, सहरसा, मधेपुरा, सुपौल, अररिया, सीतामढ़ी और किशनगंज जिले में मखाना की खेती प्रोत्साहन मिलेगा। इसके अलावा बंगाल, असम और यूपी के उन जिलों को भी फायदा होगा, जहां मखाने की खेती होती है। बिहार का मखाना अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जापान, इंग्लैंड जैसे देशों में निर्यात किया जाता है। भारत में मखाना का बाजार 100 करोड़ रुपए है। बिहार को तीन ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट भी मिले हैं। ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का मतलब होता कि किसी ऐसी जमीन पर एयरपोर्ट बनाना, जहां पहले से कोई निर्माण नहीं किया गया हो। यह पूर्णतया नए सिरे से विकसित करके बनाया जाता। है। आमतौर पर ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट को शहर से काफी दूर बनाया जाता है। ये पटना एयरपोर्ट के विस्तार और बिहटा में एक ब्राउनफील्ड हवाई अड्डे के अतिरिक्त होंगे।

पटना एयरपोर्ट पर 1,400 करोड़ रुपए की लागत से नए टर्मिनल भवन का निर्माण का हो रहा है, जो अपने अंतिम चरण में है। इसे इसी महीने पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। नए टर्मिनल के बन जाने से यात्रियों की क्षमता में भारी बढ़ोतरी होगी। वर्तमान में पटना एयरपोर्ट का पीक आवर में रोजाना 1300 यात्रियों की क्षमता है। इसकी वार्षिक क्षमता 23 लाख है। यहां पर अभी एक साथ पांच फ्लाइट को पार्क किया जा सकता है। पटना एयरपोर्ट का रनवे भी अभी बेहद छोटा यानी 6800 फीट का है। इसके साथ ही यहां से विदेशों के लिए सीधी उड़ान भी नहीं है। देश के कई शहरों के साथ भी पटना सीधे नहीं जुड़ा है। पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का भवन के शुरू हो जाने के बाद यहां यात्रियों की सालाना क्षमता एक करोड़ हो जाएगी। इसके साथ ही पटना देश के कई शहरों से सीधी उड़ान के साथ जुड़ जाएगा। पटना से विदेशों के लिए भी सीधी उड़ान सेवा शुरू होने वाली है। इसके अलावा, यात्रियों की सुविधाओं में भी तेजी से वृद्धि होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में उड़ान स्कीम के तहत नए एयरपोर्ट के निर्माण के साथ बंद पड़े एयरपोर्ट के जीर्णोद्धार की बात भी कही है। इससे बिहार को फायदा मिलने की उम्मीद है।

बिहटा हवाई अड्डे की नई इमारत 66,000 वर्ग मीटर में फैली होगी, जो सालाना 50 लाख यात्रियों को संभालेगी। इसे सालाना 1 करोड़ यात्रियों तक बढ़ाया जा सकता है। हवाई अड्डे पर एक समय में 3,000 यात्रियों की क्षमता होगी। इसके साथ ही 10 विमानों को पार्किंग बनाए जाएंगे। लगभग 2027 के अंत तक पूर्ण होने वाले इस एयरपोर्ट की रनवे की लंबाई 3700 मीटर तक बढ़ाने की योजना है। वित्त मंत्री ने बिहार में बिहार में राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान की स्थापना करने की भी घोषणा की है। इससे पूरे पूर्वी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण क्षमताएं मजबूत होंगी। इसके साथ ही किसानों की आय बढ़ाने, युवाओं के लिए कौशल विकास और रोजगार के अवसर बढ़ाने में सहायता मिलेगी। इससे पूर्वी भारत में बिहार खाद्य प्रसंस्करण के केंद्र के रूप में स्थापित होगा।

केंद्रीय बजट में आईआईटी पटना में सीटों की संख्या बढ़ाने की भी घोषणा की गई है। बिहार 2008 में स्थापित आईआईटी पटना के छात्रावास और अन्य बुनियादी ढांचे की क्षमता में विस्तार किया जाएगा। इसके साथ ही बिहार को एजुकेशनल हब बनाने की दिशा में काम किया जाएगा। इसके साथ ही बिहार सहित देश भर में एआई शिक्षा के लिए 500 करोड़ रुपए के बजट प्रावधान किया गया है। पटना से करीब 35 किलोमीटर दूर बिहटा में लगभग 501 एकड़ जमीन पर आईआईटी बनाया गया है। इस संस्थान को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान माना जाता गया है। इसमें आधुनिक क्लासरूम, प्रयोगशाला और पुस्तकालय हैं। संस्थान में छात्र-छात्राओं के लिए फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल जैसी खेल सुविधाएं हैं। आईआईटी में बीएससी, एमटेक, एमबीए और बीबीए जैसे कोर्स कराए जाते हैं।साल 2024 में आईआईटी पटना के 817 सीटों में 797 सीटों पर दाखिला हुआ था। वहीं, 20 सीटें खाली रह गई थीं। आईआईटी पटना में फिलहाल दो बॉयज हॉस्टल हैं और एक गर्ल्स हॉस्टल है। पीएचडी और मास्टर्स के छात्रों के लिए दो मैरिड स्कॉलर अपार्टमेंट भी उपलब्ध हैं। फिलहाल खखढ पटना के हॉस्टल में 1500 से अधिक छात्र-छात्राएं रह रहे हैं। बिहार के बाढ़ प्रभावित इलाके कोसी क्षेत्र में पश्चिमी कोसी नहर परियोजना शुरू की जाएगी। इस परियोजना से बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र में 2.5 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि पर खेती करने वाले किसानों को लाभ मिलेगा। इसमें बाढ़ के कहर से बचाने की कोशिश की गई है। बता दें कि वेस्टर्न कोसी कैनाल प्रोजेक्ट करीब 50 साल से अधर में लटका हुआ है। इससे पूरा मिथिलांचल प्रभावित होगा।

बजट में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का भी ऐलान किया गया, जिसमें पहली बार में देश के 100 जिलों को शामिल किया गया है। इनमें बिहार के भी कई जिले शामिल हैं। इसके अलावा, भगवान बुद्ध से जुड़े स्थलों को पर्यटन स्थल के के रूप में बढ़ावा देने की भी घोषणा की गई है। इस योजना के तहत बिहार के बोधगया और वैशाली का विकास किया जाएगा। इन दोनों देश के अन्य बौद्ध स्थलों से जोड़ा जाएगा। इससे बिहार में पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा और दुनिया भर से बिहार आने वाले पर्यटकों की संख्या में बढ़ोत्तरी देखने को मिलेगा। निर्मला सीतारमण ने कहा कि देश के शीर्ष 50 पर्यटन स्थलों को संबंधित राज्यों के साथ साझेदारी में चुनौती मोड में विकसित किया जाएगा। इससे दुनिया के नक्शे पर बिहार के स्थलों की पहचान बढ़ेगी।

यह जनता जनार्दन का...

ये बजट, देश के नागरिकों की जेब कैसे भरेगा, देश के नागरिकों की बचत कैसे बढ़ेगी और देश के नागरिक विकास के भागीदार कैसे बनेंगे? ये बजट इसकी एक बहुत मजबूत नींव रखता है। उन्होंने कहा कि आज देश विकास भी, विरासत भी के मंत्र को लेकर चल रहा है। इस बजट में इसके लिए बहुत महत्वपूर्ण और ठोस कदम उठाए गए हैं। इस बजट में एक करोड़ पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए ज्ञान भारत मिशन को शुरू किया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बजट में रिफॉर्म की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। न्यूक्लियर एनर्जी में प्राइवेट सेक्टर को बढ़ावा देने का निर्णय बहुत ही ऐतिहासिक है। बजट में रोजगार के सभी क्षेत्रों को हर प्रकार से प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि देश के एससी, एसटी और महिला जो नए उद्यमी बनना चाहते हैं, उनके लिए बिना गारंटी के दो करोड़ रुपए तक के लोन की योजना भी लाई गई है। इस बजट में न्यू एज इकोनॉमी को ध्यान में रखते हुए गिग वर्कर्स के लिए बहुत बड़ी घोषणा की गई है। पहली बार गिग वर्कर्स का ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन किया जाएगा और फिर उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा।

रक्षा क्षेत्र पर...

मोदी सरकार के पिछले बजट यानी 2024-25 तक रक्षा बजट का आकार 2013-14 की तुलना में दोगुने से भी अधिक हो गया है।

अप्रैल 2024 को स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की रक्षा खर्च पर जो रिपोर्ट आई थी, उसके आंकड़ों के मुताबिक 2023 में सबसे अधिक सैन्य खर्च वाले टॉप 10 देशों में 83.6 बिलियन डॉलर के खर्च के साथ भारत चौथे नंबर है। वहीं इसके मुकाबले में चीन के रक्षा खर्च की बात करें, तो 296 बिलियन डॉलर के साथ चीन दूसरे नंबर पर है। भारत का रक्षा बजट चीन के रक्षा बजट से एक-तिहाई कम है।

देश की जीवन...

इस तरह कुल मिलाकर करीब 9 हजार किमी लंबे ट्रैक को कचव से लैस करने की तैयारी है।

बजट में रेलवे के पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) पर आवंटन 20 फीसदी तक बढ़ाए जाने की उम्मीद थी। रेलवे के अनुमानों के अनुसार पिछले बजट में इस मद में मिले 2.65 लाख करोड़ रुपए में से रेलवे ने करीब 80 फीसदी खर्च कर लिए हैं। एक शीर्ष अधिकारी के अनुसार रेलवे बोर्ड ने चालू वित्तीय वर्ष में दो लाख करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए हैं।

नक्सल सफाये...

आगे करने की त्याग और समर्पण की एक परंपरा ने आज देश को सुरक्षित रखा हुआ है। पिछले 10 साल में अभिसूचना ब्यूरो की तत्परता, तीक्ष्णता और परिणाम लाने की क्षमता में काफी सुधार हुआ है। अभिसूचना ब्यूरो ने अपनी निष्ठा, साहस, त्याग और समर्पण की परंपरा को न केवल बरकरार रखा है बल्कि इसे आगे भी बढ़ाया है। आधुनिक चुनौतियों के सामने कठिन परिस्थितियों में विगत 5 साल में अभिसूचना ब्यूरो ने देश को सुरक्षित रखा है। खुफिया तंत्र यानी आईबी के बजट में इस बार मामूली सी बढ़ोतरी की गई है। जहां 2023-24 के दौरान आईबी के लिए 3,268.94 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए थे, वहीं गत वर्ष गुप्तचर ब्यूरो का बजट 3,823.83 करोड़ रुपए कर दिया गया था। इस बार आईबी का बजट 3893.35 करोड़ रुपए रखा गया है। बजट में अलॉट हुई 3,823.83 करोड़ रुपए की राशि से सर्विलांस के नए उपकरण खरीदे जाएंगे। इसके अलावा ब्यूरो में मौजूद तकनीकी स्टाफ की संख्या में इजाफा किया जाएगा। भारत चीन बॉर्डर पर तैनात आईटीबीपी के बजट में बढ़ोतरी की गई है। इसी तरह से भारत पाकिस्तान बॉर्डर पर तैनात बीएसएफ के बजट में भी इजाफा हुआ है।

केंद्रीय बजट में एसएसबी और सीआईएसएफ के बजट में भी वृद्धि देखने को मिली है।इस बार 2025-26 के बजट में सीआरपीएफ को 35,147.17 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। सीमा सुरक्षा बल को 28231.27 करोड़ रुपए मिले हैं। सीआईएसएफ के लिए 16084.83 करोड़ रुपए का बजट मंजूर हुआ है। आईटीबीपी को 10370.08 करोड़ रुपए अलॉट हुए हैं। असम राइफल को 8274.29 करोड़ रुपए का बजट मिला है। एसएसबी के लिए 10237.28 करोड़ रुपए मंजूर हुए हैं। एसपीजी के लिए 489 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत हुआ है। आईबी का बजट 3893.35 करोड़ रुपए रहेगा।

बेहद कठिन होता है एक साध्वी का जीवन

जानिए साध्वी से जुड़े रोचक तथ्य

दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक मेलों में से एक महाकुंभ मेला माना जाता है। इस बार इसकी पावन शुरुआत 13 जनवरी से हुई है। हिंदू परंपरा में इसका बहुत बड़ा महत्व है। इस अनुष्ठान में दुनिया भर से लाखों भक्त, साधु-संत त्रिवेणी संगम पर पहुंचते हैं। इस साल महाकुंभ इसलिए भी बहुत खास माना जा रहा है, क्योंकि इस दौरान कई शुभ संयोग बन रहे हैं। वहीं, इस आध्यात्मिक यात्रा में साधुओं के साथ साध्वी की बढ़ती संख्याएं लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं।

ऐसे में इनके बारे में जानने की इच्छा लोगों के मन में बढ़ती जा रही हैं। हालांकि इनका जीवन बेहद ही कठिन होता है।

साध्वी कैसे बनती हैं?

साध्वी बनने के लिए एक महिला को धार्मिक शिक्षा, अपने वेद पुराण व सभी प्रकार की धार्मिक मान्यताओं के बारे में जानकारी होनी चाहिए।

इसके लिए महिला को आध्यात्मिक अभ्यास जैसे - योग, ध्यान आदि की जानकारी होनी चाहिए।

साध्वी बनने के लिए गुरु का आश्रय लेना पड़ता है, जो धर्म के साथ आध्यात्मिक ज्ञान भी देते हैं।

साध्वी के अंदर त्याग और अनुशासन का होना भी बहुत जरूरी होता है।

जो महिला साध्वी बनने का निर्णय लेती है, उसे सभी प्रकार की मोह-माया का पूरी तरह से त्याग करना पड़ता है। चाहे वो कोई भौतिक सुख-सुविधा हो या फिर रिश्ते-नाते।

एक साध्वी को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना पड़ता है।

एक साध्वी के लिए समाज के प्रति सेवा व समर्पण का भाव होना चाहिए। इसके अलावा उसे सबसे पहले अपने अंदर बदलाव करना पड़ता, जिससे वह समाज के लिए सीख बन सके।

एक साध्वी बनने के लिए महिला को ब्रह्मचर्य का पालन भी करना पड़ता है।

महाकुंभ का महत्व

कुंभ मेले का समय विशिष्ट ग्रह स्थितियों द्वारा नियंत्रित होता है। सूर्य और चंद्रमा मकर राशि में हैं, जबकि बृहस्पति कुंभ राशि में है। ये संयोग न केवल सामूहिक आध्यात्मिक ऊर्जा को प्रभावित करते हैं, बल्कि उनकी राशि के आधार पर व्यक्तियों के व्यक्तिगत विकास को भी प्रभावित करते हैं। इसके साथ ही इस दौरान कई प्रकार के दिव्य अनुष्ठान किए जाते हैं, जिसका हिस्सा बनने से व्यक्ति तमाम तरह की मुश्किलों से हमेशा-हमेशा के लिए छुटकारा पा लेता है।

श्री शान्ति सूरीश्वरजी गुरु भगवंत की 135वीं जन्म जयंती व 120वाँ दीक्षा दिवस

जिन्होंने अपनी प्रबल आध्यात्मिक साधना, योग और ध्यान के माध्यम से मनुष्य को आत्म जागृति और मानसिक शांति का मार्ग दिखाया और जिन्होंने अपने अनुभवों व ज्ञान के माध्यम से आत्म साक्षातकार की दिशा में जगत को प्रेरित किया, ऐसे महान संत चारित्र चुडामणि गुरुदेव विजय शांति सूरीश्वरजी महाराज ने बसंत पंचमी के शुभदिवस पर मनादर ग्राम में वसुदेवी माता की रत्न कुक्षी से अवतरण लिया।

उनके बचपन का नाम सगतोजी था। वि.स. 1961 (9 फ़रवरी 1905) के दिन गुरु श्री तीर्थविजयजी म.सा. के हस्ते 16 वर्ष की अल्पायु में दीक्षा ग्रहण की ।

दीठा गुरु शांतिसूरी महाज्ञानी रे ।
जेनी कीर्ति नवे खण्ड जामी रे ।।

गुरुदेव ने अपनी अद्वितीय साधना के द्वारा उच्च-आध्यात्मिक स्तर पर पहुँच कर अद्भूत शांति प्राप्त की।

आज उनकी साधकीय उपलब्धियां समाज के कल्याण का इतिहास बन गई।

प्रत्येक दृष्टि से उनका व्यक्तित्व आदर्श एवं मानवीय संवेदनाओं से ओत-प्रोत रहा। इस निष्कलंक प्रेमावतार को ब्रिटिश सरकार ने 'हिज होली नेस' एवं नेपाल नरेश ने 'राजगुरु' जैन समुदाय ने 'युगप्रधान' की उपाधि दी । आपने अर्बुदागिरि, ऋषिकेश के जंगलों में घोर तपस्या एवं योग साधना की।

जंगल में ध्यानस्थ गुरुदेव की शरण में अनेक हिसंक प्राणीया सहजता से बैठ जाते थे ।

गुरुदेव ॐ ह्रीम अर्हम नम: का ध्यान करते थे।

उन्होंने विभिन्न राज्यों में पशु हिंसा बन्द करवाई, जाति व सत्ता से दूषित मनोवृत्ति में जीवन यापन कर रहे लोगों का मानसिक परिशोधन करके अखंड भारत की कल्पना की । जैन-धर्म साक्षात अनेकान्तवाद पर आधारित है। इसका जीवत साक्षात् उदाहरण थे गुरुदेव ।

धन्य मरुधर देश ने, सिरोही राज्य गवाय ।
मणादर जन्मीया, योगेश्वर गुरुराया
माया जगनी छे बुरी, कदी न आवे अन्त ।
निज आतम ने शोधवा, बनूं विश्व नो संत ।।

आपके नयनों में अद्भुत शांति व तारक बिन्दु की चमक थी। आप सबकी भाषा समझते थे। गौरवर्णी, उन्नत ललाट, तेजस्वी नेत्र युगल एवं सौम्य किन्तु ओजस्वी चेहरे से युक्त ऐसा प्रभावक व्यक्तित्व जो बिना बोले ही आगन्तुक को अपनी और ऐसा आकर्षित कर लेता है और जो सदा सदा के लिये आपका बन जाता है।

इस धरती पर उनका आगमन सामान्य इंसान के रूप में ही हुआ था परंतु उन्होंने ख़ुद को साधना की अग्नि में तपाया और अतिशीघ्र ही साधारण के असाधारण व्यक्तित्व के स्वामी बन गये।

ऊषा जैन बारलोटा

जया एकादशी पर करें इन वस्तुओं का दान, समाप्त होगी घर की दरिद्रता

सभी एकादशी का अपना एक खास महत्व है। वैसे ही माघ माह में आने वाली जया एकादशी भी बेहद शुभ मानी जाती है। यह आमतौर पर फरवरी में आती है। इसे माघ एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन भक्त व्रत रखते है और भगवान विष्णु का आशीर्वाद लेते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो साधक इस दिन का उपवास रखते हैं, उन्हें भक्ति, ज्ञान व भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है। वहीं, इस दिन दान भी जरूर करना चाहिए, क्योंकि इसके बिना यह व्रत अधूरा माना जाता है, तो चलिए इस दिन क्या दान करना शुभ माना जाता है?

जया एकादशी दान

धन का दान - जया एकादशी के दिन धन का दान बहुत ही शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि इस दिन किसी गरीब व्यक्ति को क्षमता अनुसार, धन का दान करने से घर में सुख और समृद्धि का वास होता है। साथ ही धन की देवी की कृपा मिलती है।

चावल का दान - इस पावन तिथि पर चावल का दान करना चाहिए। ऐसा करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिलती है। साथ ही दरिद्रता का नाश होता है।

पीली चीजों का दान - इस शुभ दिन पर पीले रंग का विशेष महत्व है। ऐसे में इस तिथि पर पीले रंग की चीजें जैसे - वस्त्र, केला, बेसन व केसर की खीर आदि का दान करना चाहिए। इससे परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

जया एकादशी शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, माघ महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 07 फरवरी को रात 09 बजकर 26 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 08 फरवरी को रात 08 बजकर 15 मिनट पर होगा। उदया तिथि को देखते हुए, इस साल जया एकादशी का व्रत दिन शनिवार, 08 फरवरी को रखा जाएगा।

एकादशी पर करें ये 1 काम, दूर होंगी जीवन की सभी मुश्किलें

हिंदू धर्म में जया एकादशी का बड़ा धार्मिक महत्व है। यह दिन भगवान विष्णु को समर्पित है। इस शुभ दिन पर भक्त कठोर उपवास रखते हैं और भगवान विष्णु की विधिपूर्वक पूजा करते हैं। एक साल में कुल 24 एकादशी मनाई जाती हैं, जबकि एक माह में दो एकादशी आती हैं, शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष में। वहीं, इस दिन भगवान कृष्ण की पूजा का भी विशेष महत्व है। कहते हैं कि जो भक्त जीवन की तमाम समस्याओं से घिरे हुए हैं,

उन्हें इस दिन कान्हा के नामों का जाप करना चाहिए। इसके साथ ही कान्हा को पीले फूल, वस्त्र और तुलसी दल अर्पित करना चाहिए। इससे मुरलीधर के साथ श्रीजी भी प्रसन्न होंगी।

प्रकृति की गोद में बसा डोंगरीगढ़ है आध्यात्मिक धाम, पूरी होती हैं सभी मनोकामनाएं

छत्तीसगढ़ का वनांचल क्षेत्र अपने प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। मुंगेली जिले के लोरमी का डोंगरीगढ़ भी ऐसा ही एक स्थान है, जो प्रकृति प्रेमियों का सबसे प्रमुख स्थान है।फरवरी की हल्की गुलाबी ठंड, सूर्योदय के समय पहाड़ियों पर बिछी कोहरे की चादर और हरियाली से ढकी घाटियां सभी को खूब आकर्षित करती हैं। दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालु यहां की मनोरम वादियों में सुकून का अनुभव करते हैं।

सुबह-सुबह जब सूरज की पहली किरण पहाड़ों पर पड़ती है और पक्षियों की चहचहाहट गूंजती है, तो यहां का दृश्य किसी चित्रकार की कलाकृति जैसा प्रतीत होता है। यहां का शांत वातावरण और ठंडी हवाएं आस्था से जुड़े लोगों को आकर्षित करती हैं।

आध्यात्मिक और प्राकृतिक अनुभव भी मिलता है

पर्यटकों के लिए भी यह जगह एक अनूठा अनुभव बन जाती है। स्थानीय निवासी रवि पैकरा का कहना है कि डोंगरीगढ़ का इलाका अपने शांत वातावरण और पहाड़ियों के मनोरम दृश्य के लिए प्रसिद्ध है। यहां की हरी-भरी घाटियां, घुमावदार रास्ते और दूर तक फैली हरियाली किसी का भी मन मोह सकती है। डोंगरीगढ़ की यात्रा केवल धार्मिक अनुभव तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक शानदार प्राकृतिक पर्यटन स्थल भी है। यदि आध्यात्मिकता के साथ प्रकृति की गोद में कुछ समय बिताना चाहते हैं, तो यह स्थान आपके लिए सबसे उपयुक्त है। शासन भी इस स्थान को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित कर रहा है।

हरियाली से ढंकी घाटियां करती हैं आकर्षित

मां भुवनेश्वरी महामाया का मंदिर डोंगरीगढ़ में स्थित है। मां भुवनेश्वरी महामाया मंदिर आस्था और श्रद्धा का केंद्र है। यह मंदिर पहाड़ी की चोटी पर स्थित है, जहां पहुंचने के लिए भक्तों को सैकड़ों सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। भक्तों का कहना है कि मां की आराधना करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यह मंदिर धार्मिक महत्व के साथ-साथ अपनी ऐतिहासिक मान्यताओं के कारण भी प्रसिद्ध है।नवरात्र के दौरान यहां विशेष पूजा-अर्चना और मेले का आयोजन होता है। इसमें दूर-दूर से श्रद्धालु शामिल होते हैं। अब जबकि गुप्त नवरात्र का समय चल रहा है, तो यहां पर भी कई भक्त साधना करने आते हैं। बताते चलें कि माघ मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक गुप्त नवरात्रि मनाई जाती है। इस बार इसका आरंभ 30 जनवरी 2025, गुरुवार से होगा और इसका समापन 7 फरवरी 2025, शुक्रवार को होगा।

इस दिशा में भूलकर भी न रखें झाड़ू, घर में आती है दरिद्रता

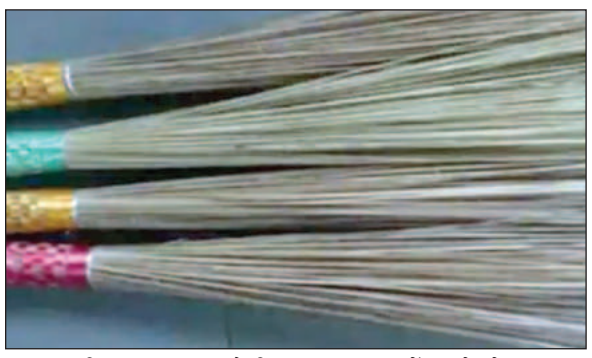

फेंगशुई में घर की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए साफ-सफाई रखना बेहद महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि घर में गंदगी होने से नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। जिससे व्यक्ति को जीवन में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। घर में गृह-क्लेश की स्थिति बन सकती है। इसके अलावा फेंगशुई में घर में झाड़ू को रखने के कुछ विशेष नियम बताए गए हैं। मान्यता है कि झाड़ू को कभी पैर से नहीं लगाना चाहिए। इसके अलावा झाड़ू को उचित दिशा में और उचित तरीके से रखना भी जरूरी माना गया है। फेंगशुई में झाड़ू रखने के नियम...

झाड़ू रखने के नियम

फेंगशुई के अनुसार, झाड़ू को खुले स्थान पर नहीं छोड़ना चाहिए। इस तरह से झाड़ू रखना अपशकुन माना गया है।मान्यता है कि डायनिंग हॉल में झाड़ू नहीं रखना चाहिए। कहा जाता है कि डायनिंग हॉल में झाड़ू रखना अनाज और धन का साफ हो जाने का प्रतीक है। इसके अलावा रात्रि या सायंकाल में झाड़ू लगाने से बचना चाहिए। मान्यता है कि इससे घर की संपन्नता चली जाती है।

फेंगशुई के अनुसार, घर के बाहर या छत पर झाड़ू नहीं रखना चाहिए। इसके अलावा किचन या ईशान कोण में झाड़ू रखने की मनाही होती है। फेंगशुई के अनुसार, घर में झाड़ू को हमेशा छुपाकर रखें। इसे ऐसी जगह रखें, जहां से घर में किसी सदस्य को सामने झाड़ू दिखाई न दें। मान्यता है कि किसी को भी झाड़ू से मारकर घर से नहीं भगाना चाहिए। झाड़ू को घर के दक्षिण-पश्चिम दिशा या पश्चिम दिशा में रखना उचित माना गया है।

कहा जाता है कि झाड़ू को कभी भी खड़ी नहीं रखना चाहिए। इसे जमीन पर लिटाकर रखना चाहिए। मान्यता है घर में खड़ी झाड़ू रखने से दरिद्रता का वास होता है।

पारिजात का पेड़ को लगाने से दूर होती हैं आर्थिक समस्याएँ, धार्मिक दृष्टि से भी हैं महत्व

धर्म शास्त्रों में तमाम ऐसे पेड़-पौधों का जिक्र है, जो पूजनीय माने गए हैं। मान्यता है कि, इस पेड़-पौधे और उनके फूल में दैवीय ऊर्जा पाई जाती है। इन पेड़-पौधों के स्पर्श मात्र से ही कई मुसीबतें टल जाती हैं। ऐसे ही करामाती पौधों में से एक है हरसिंगार। जी हां, हरसिंगार को पारिजात के नाम से भी जाना जाता है। इस पौधे को हिंदू धर्म में बहुत पवित्र माना जाता है। नारंगी डंडी और सफेद फूलों से लदे इस पौधे को आपने कई जगहों पर दिखा होगा।

पैसा कमाने के लिए हम खूब मेहनत करते हैं। हालांकि, कई बार कमाया हुआ पैसा टिकता नहीं है। महीने के आखिर में आपको दोस्तों या रिश्तेदारों से आर्थिक मदद लेनी पड़ सकती है। इससे व्यक्ति कर्ज में डूब जाता है या फिर महीने की तनख्वाह पूरी तरह खत्म हो जाती है। इसी वजह से हमें नुकसान होता है। इसके अलावा, हम बहुत मितव्ययी होने की भी कोशिश करते हैं। लेकिन खर्च इतना ज्यादा होता है कि इसके बिना काम नहीं चल सकता। ऐसे में ज्योतिष शास्त्र में कुछ ऐसे उपाय बताए गए हैं, जिनसे पैसा हमेशा आपके पास बना रहे।

पारिजात, जिसे ज्यादातर लोग हरसिंगार के नाम से जानते हैं, के फूल को हिंदू धर्म में पवित्र माना जाता है। पारिजात का फूल आपने कई जगहों पर देखा होगा। ज्योतिषियों के अनुसार जिस घर में पारिजात का पौधा होता है उस घर में लक्ष्मी की सुगंध रहती है। यही नहीं, यदि इस पौधे को घर की सही दिशा में लगाया जाए, तो कई प्रकार की समस्याएं दूर हो सकती हैं। अब सवाल है कि आखिर परिजात को पौधा घर में लगाने से क्या लाभ होगा? अगर आप अपने घर की बालकनी या आंगन में पारिजात का पौधा लगाते हैं, तो इसका आपके जीवन पर काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

पारिजात का पेड़, एक धार्मिक पेड़ है। पौराणिक मान्यताओं की मानें तो यह पेड़ समुद्र मंथन के दौरान निकला था और इसे वैकुंठ लोक में जा कर लगाया गया था। इस पेड़ को लेकर एक और मान्यता यह है कि इस पेड़ पर स्वंय माता लक्ष्मी और नारायण वास करते हैं। साथ ही इस पेड़ को स्त्री का एक सुंदर स्वरूप भी माना गया है। माना जाता है, कि ये पेड़ शरद के मौसम में और दुर्गा पूजा से पहले फूल देना शुरू करते हैं, जिसे देवी पक्ष कहा जाता है। इसलिए माना जाता है, इस पेड़ और इसके फूलों के साथ दुर्गा देवी की शक्तियां भी होती हैं। साथ ही इन फूलों को भगवान शिव पर भी चढ़ाया जाता है ताकि शिव और शक्ति की साथ में उपासना हो सके।

कब लगाना चाहिए पारिजात का पेड़

पारिजात का पेड़ आप किसी भी शुक्रवार या फिर सोमवार को लगा सकते हैं। ये दोनों दिन ही देवी पक्ष के दिन हैं जिसमें देवियों की पूजा होती है। वैसे, शुक्रवार की शाम को पारिजात का पेड़ लगाना सबसे सही समय और शुभ माना जाता है। ऐसा इसलिए कि ये लक्ष्मी की दिन और समय होता है।

घर में पारिजात का पौधा रखने से क्या फायदे होते हैं।

वास्तु दोष दूर होगा

घर में हरसिंगार/पारिजात का पौधा लगाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। इस पौधे में माता लक्ष्मी का वास माना जाता है। यदि इस पौधे को घर के उत्तर या पूर्व दिशा में लगाया जाए, तो घर से वास्तु दोष दूर होता है। साथ ही इस पौधे के फूल को देखने से जीवन में सुकून आता है। इस पौधे के फूल को देखने के बाद जीवन में शांति मिलती है, मन को बहुत संतुष्टि मिलती है।

घर में रहेगी बरकत

पारिजात का फूल देवी लक्ष्मी को अत्यंत प्रिय है। ऐसा कहा जाता है कि इस फूल की सुगंध जहां भी होती है वहां देवी लक्ष्मी रुक जाती हैं। इसलिए पारिजात का पौधा घर में रखने से उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। ऐसा कहा जाता है कि ऐसे लोग दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की करते हैं। साथ ही घर के लोगों का स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

रोजगार में लाभ

अगर आप नौकरी की तलाश में हैं या फिर आपको नौकरी में मनचाही सफलता नहीं मिल रही है, साथ ही व्यापार में भी सफलता नहीं मिल रही है तो 21 पारिजात के फूलों को लाल कपड़े में बांधकर घर में लक्ष्मी देवी के सामने रखना चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से हमारी तरक्की होती है। साथ ही नौकरी के भी अच्छे अवसर मिलते हैं।

रुका हुआ पैसा मिलेगा

इसके अलावा घर में पारिजात का पौधा लगाने से एक और फायदा होता है। आपका पैसा जहां फंसा हुआ है वह भी निकल आता है, साथ ही आप कर्ज मुक्त भी हो सकते हैं। पारिजात पौधे का केवल एक टुकड़ा लाल कपड़े में बांधकर देवी लक्ष्मी के सामने रखना चाहिए। इसके बाद देवी लक्ष्मी और पौधे के टुकड़े की विधि-विधान से पूजा करें, उस पौधे पर हल्दी और कुमकुम लगाएं। ज्योतिषशास्त्र कहता है कि आपको कनकधारा स्त्रोत का पाठ करना चाहिए, इससे आपको अवश्य लाभ होगा।

मुगलों से था कनेक्शन, दिखती थी आत्माएं, परवीन बाबी की मौत से कांप उठा था पूरा बॉलीवुड

हिंदी सिनेमा में एक ऐसी भी एक्ट्रेस रह चुकी हैं, जिसको आत्माएं दिखती थी। इस एक्ट्रेस ने अमिताभ बच्चन और शशि कपूर जैसे सुपरस्टार संग भी काम किया था। इस एक्ट्रेस ने 70 के दशक में अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। यह एक्ट्रेस इतनी खूबसूरत थी कि इन्हें सफल होने में ज्यादा टाइम नहीं लगा। यह एक जिंदादिली एक्ट्रेस थी, जिसका शाही अंदाज फिल्मों में भी नजर आता था। ग्लैमरस सीन देने में भी यह एक्ट्रेस पीछे नहीं थीं और पर्दे पर स्मोकिंग करना जैसे इसके लिए एक बड़ी शान बन गया था। 70 के दशक में यह एक्ट्रेस खूब सुर्खियों में रहा करती थी। शानदार एक्टिंग करने वाली इस एक्ट्रेस के साथ बॉलीवुड आज तक न्याय नहीं कर पाया है। यह एक्ट्रेस 70 के दशक में हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस की लिस्ट में शामिल थी। आखिर कौन थी यह हसीना?

ग्लैमरस गर्ल ऑफ हिंदी सिनेमा

दरअसल, हम बात कर रहे हैं साल 1973 में रिलीज हुई फिल्म चरित्र से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली खूबसूरत एक्ट्रेस परवीन बाबी की। परवीन को अमिताभ बच्चन के साथ पहली बार फिल्म मजबूर में देखा गया था। परवीन ने अपनी शुरुआती फिल्मों से ही दर्शकों पर अपनी खूबसूरती का जादू चलाना शुरू कर दिया था। परवीन के अभिनय में ग्लैमरस झलकता था।

इस एक्ट्रेस की फिल्में

साल 1975 में रिलीज हुई अमिताभ बच्चन स्टारर फिल्म दीवार से परवीन बॉबी ने धमाका कर दिया था। इसके बाद वह अमर अकबर एंथोनी (1977), सुहाग (1979), काला पत्थर (1979), द बर्निंग ट्रेन (1980), शान (1980), क्रांति (1981), कालिया (1981) और नमक हलाल (1982) जैसी सुपरहिट फिल्मों में नजर आईं। परवीन को आ-खिरी बार 1991 में आई फिल्म 'इरादा' में देखा गया था।

एक्ट्रेस की रिलेशनशिप

परवीन बाबी का नाम अमिताभ बच्चन, कबीर बेदी और महेश भट्ट के साथ जुड़ चुका है, अमिताभ बच्चन ने इसे कभी नहीं स्वीकारा, लेकिन कबीर और महेश संग उनके चर्चे ज्यादा थे। परवीन एक लाइलाज बीमारी पैरानॉयड सिजोफ्रेनिया से ग्रस्त थी। यह एक मानसिक बीमारी है, जिसमें इंसान को लगता है कि उसका उत्पीड़न हो रहा है। वहीं, कबीर बेदी ने बताया था कि परवीन बचपन से ही मानसिक तौर पर बीमार थी। एक्टर ने यह भी बताया था कि परवीन के पूर्वज पश्तून थे, जो मुगल साम्राज्य में काम करते थे। कबीर बेदी ने बताया था कि परवीन को भूत-प्रेत भी दिखते थे।

कब और कैसे हुई मौत ?

वहीं, परवीन का 20 जनवरी 2005 में निधन हुआ था। एक्ट्रेस की लाश तीन दिनों तक उनके फ्लैट में सड़ी हुई मिली थी। आज तक पता नहीं चल पाया है उनकी मौत कैसे हुई। जब परवीन के फ्लैट के दरवाजे के बाहर मिल्क पैकेट्स और अखबार ज्यादा दिनों तक पड़े रहे तो पड़ोसियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी थी। परवीन की मौत से पूरा बॉलीवुड सकते में आ गया था।

नागा चैतन्य-साई पल्लवी की थंडेल का हिंदी ट्रेलर रिलीज

नागा चैतन्य और साई पल्लवी की अपकमिंग फिल्म थंडेल का तमिल ट्रेलर पहले ही रिलीज हो चुका है जिसे एक्स पर अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। वहीं अब मेकर्स ने इसका हिंदी ट्रेलर भी रिलीज कर दिया है। जिसके लिए उन्होंने बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान को चुना है। जी हां थंडेल का ट्रेलर मुंबई में एक ग्रैंड इवेंट में आमिर खान ने लॉन्च किया।थंडेल के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए बताया था कि मिस्टर परफेक्शनिस्ट थंडेल का ट्रेलर लॉन्च करेंगे, इसी वादे को पूरे करते हुए मुंबई के ग्रैंड इवेंट में आमिर खान ने थंडेल का ट्रेलर लॉन्च किया।थंडेल के ट्रेलर में नागा चैतन्य और सांई पल्लवी की केमिस्ट्री शानदार लग रही है। लेकिन ये सिर्फ एक नॉर्मल लव स्टोरी नहीं है दरअसल थंडेल की कहानी श्रीकाकुलम के मछुआरों के संघर्ष के इर्द-गिर्द घूमती है, जो मछली पकड़ने के दौरान गलती से पाकिस्तान के जलक्षेत्र में चले गए। इसमें नागा के कैरेक्टर 9 महीने के लिए समुद्र के अंदर ही रहना होता है और वो सिर्फ 3 महीने के लिए बाहर आता है। इस वक्त में वह अपना ज्यादातर टाइम अपनी लवर साई पल्लवी के साथ बिताते हैं। पाकिस्तान में जाने के बाद थंडेल को कई तरह के चैलेंजेस का सामना करना पड़ता और इन्हीं सब चीजों का असर दोनों की लव स्टोरी पर पड़ता है। फिल्म की कहानी प्रेम, बदला, साहस और देशभक्ति की भावनाओं का निचोड़ है। इसी बीच भरपूर ड्रामा और एख्शन देखने लायक है।आमिर खान को थंडेल का ट्रेलर काफी पसंद आया। बता दें नागा चैतन्य ने आमिर खान के साथ लाल सिंह चड्ढा में काम किया है। जब आमिर से नागा के साथ काम करने का एक्सपीरियंस पूछा गया तो उन्होंने कहा, नागा बहुत ही टैलेंटेड एक्टर हैं इसके साथ ही ये एक अच्छे पर्सन भी हैं जो ज्यादा जरुरी है। बता दें साई पल्लवी ट्रेलर लॉन्च के मौके पर मौजूद नहीं थी। फिल्म में नागा चैतन्य, साई पल्लवी और प्रकाश बेलावडी जैसे कलाकार लीड रोल में हैं। फिल्म 7 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

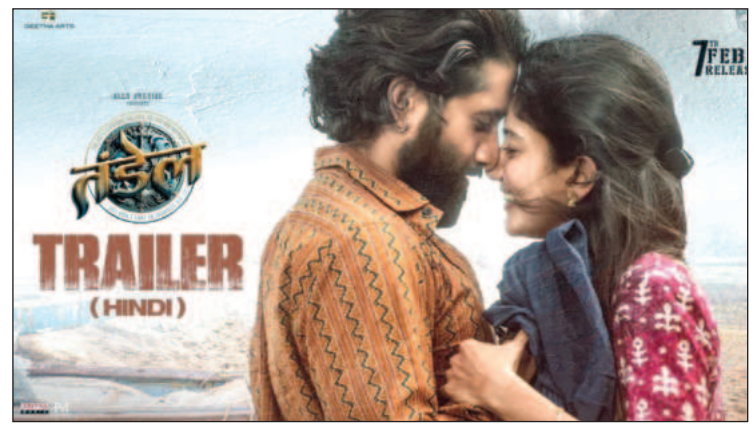

प्यार-देशभक्ति के बीच जंग की दिखी अनोखी दास्तां

अंदाज के सीक्वल का हुआ ऐलान, तीन नए चेहरों को लॉन्च कर रहे सुनील दर्शन

साल 2003 में आई फिल्म अंदाज हिंदी सिनेमा की यादगार फिल्मों में से एक है। सुनील दर्शन इस फिल्म के निर्माता थे। उन्होंने इसके जरिए अक्षय कुमार, लारा दत्ता और प्रियंका चोपड़ा को लॉन्च किया गया था।अब सुनील ने लगभग 22 साल बाद अंदाज के सीक्वल का ऐलान कर दिया है।खास बात यह है कि इस इस फिल्म के जरिए भी सुनील 3 नए चेहरों को बॉलीवुड के दर्शन करवाएंगे।अंदाज 2 से नताशा फर्नांडीज, आयुष कुमार और आकिशा बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने जा रहे हैं।नताशा ने सुनील की फिल्म एक हसीना थी एक दीवाना था में अभिनय किया था तो वहीं आयुष अभिनेता अभिषेक बच्चन की दसवीं में काम कर चुके हैं। आकिशा की यह पहली फिल्म होने वाली है।अंदाज 2 का पहला पोस्टर सामने आ गया है, जिसमें नताशा, आयुष और आकिशा की झलक दिख रही है। फिल्म का टीजर भी रिलीज हो चुका है।बेशक अंदाज की दूसरी किस्त में सुनील तठ्न नए चेहरों को लॉन्च करने जा रहे हैं, लेकिन ऐसी चर्चा है कि इसमें अक्षय, प्रियंका और लारा मेहमान की भूमिका निभाते नजर आएंगे।अंदाज की कहानी एक पुरुष और दो महिलाओं की प्रेम कहानी पर आधारित थी। इसका निर्देशन राज कंवर ने किया था, वहीं सुनील इस फिल्म के निर्माता थे।9 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 28।81 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

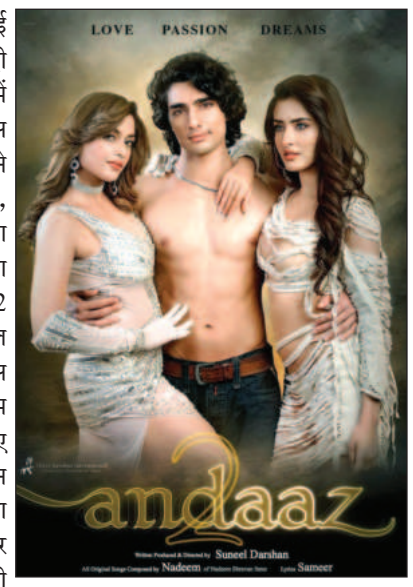

बॉक्स ऑफिस पर सातवें दिन भी दिखा स्काई फोर्स का दबदबा

100 करोड़ के करीब पहुंची कारोबार

अक्षय कुमार की स्काई फोर्स बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म की शुरुआत ही जबरदस्त रही थी और इसके बाद इसने ओपनिंग वीकेंड पर भी अच्छा खासा कलेक्शन कर लिया। वहीं वीकडेज में भी स्काई फोर्स दर्शकों को सिनेमाघरों में खींच रही है। चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म ने रिलीज के 7वें दिन कितना कलेक्शन किया है।स्काई फोर्स . की कहानी भारत और पाकिस्तान के बीच हुए पहले हवाई हमले के इर्द-गिर्द घूमती है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है। अब इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक हफ्ता हो गया है और ये 100 करोड़ के क्लब में शामिल होने के करीब पहुंच गई है। हालांकि, 7वें दिन फिल्म की कमाई में गिरावट देखी गई। स्काई फोर्सळ ने रिलीज के पहले दिन 15.30 करोड़ का कलेक्शन किया है। दूसरे दिन फिल्म ने 26।30 करोड़ की कमाई की थी। तीसरे दिन स्काई फोर्स ने 31.60 करोड़ का कलेक्शन किया था। चौथे दिन फिल्म ने 8।10 करोड़ की कमाई की थी। इसी के साथ स्काई फोर्स ने 81.30 करोड़ का कलेक्शन किया था। वहीं सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक स्काई फोर्स ने रिलीज के 5वें दिन 5.75 करोड़ की कमाई की है।

छठे दिन स्काई फोर्स ने 6 करोड़ की कमाई की थी। वहीं अब फिल्म की रिलीज के 7वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं। सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक स्काई फोर्स ने 5।50 करोड़ का कारोबार किया था। इसी के साथ स्काई फोर्स ने रिलीज के 7 दिनों में 98।55 करोड़ का कलेक्शन किया है।स्काई फोर्स ने रिलीज के 7 दिनों में शानदार कमाई कर ली है। अक्षय की पिछली कई बड़े बजट की फिल्में फ्लॉप हो रही हैं लेकिन लग रहा है कि स्काई फोर्स एक्टर के करियर की गाड़ी को चलाकर ही मानेगी। फिल्म ने रिलीज के 7 दिनों में 96 करोड़ की कमाई कर ली है। अब ये 100 करोड़ के क्लब में शामिल होने से महज 4 करोड़ दूर है। उम्मीद है कि फिल्म की कमाई में दूसरे वीकेंड पर तेजी आएगी और ये इस मील के पत्थर को पार कर लेगी। हालांकि शुक्रवार को सिनेमाघरों में शाहिद कपूर की देवा भी रिलीज हो गई है। ऐसे में देखने वाली बात होगी कि स्काई फोर्स अब देवा के आगे कितना कलेक्शन कर पाती है।

आकांक्षा पुरी डॉन्स एंड डार्लिंग्स में विभिन्न पहलुओं को निभाने खुद को भाग्यशाली मानती हैं

टीवी अभिनेत्री आकांक्षा पुरी ने ही में अपनी नवीनतम परियोजना डॉन्स एंड डार्लिंग्स में अपने चरित्र के विभिन्न पहलुओं को तलाशने के अवसर के लिए अपनी उत्तेजना व्यक्त की।अभिनेत्री ने बताया कि वह अपनी भूमिका की जटिलताओं और विविध पहलुओं को समझने में कितनी भाग्यशाली महसूस कर रही हैं, उन्होंने इस किरदार की गहराई बहुमुखी प्रतिभा को उजागर किया। शो में एक शक्तिशाली डॉन की बेटी नाज़ का किरदार निभाने वाली आकांक्षा ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन से बिल्कुल अलग किरदार निभाया है। एक सहायक पुलिस आयुक्त की बेटी के रूप में, उन्होंने अपनी वास्तविक जीवन की पृष्ठभूमि से बहुत दूर एक दुनिया की खोज की, जिसमें उन्होंने खुद को नाज़ के जीवन और रिश्तों की जटिलताओं में डुबो दिया।पुरी ने बताया, नाज़ मुझसे बहुत अलग है और यही बात इस भूमिका को रोमांचक बनाती है। एक कलाकार के तौर पर, मैं एक ही किरदार में इतने सारे रंग तलाशने के भाग्यशाली रही। नाज़ एक बेटी, एक पत्नी, एक प्रेमिका और सबसे शक्तिशाली परिवार का हिस्सा है। फिर भी, वह बस प्यार चाहती है। मुझे विश्वास है कि बहुत से लोग उसके संघर्ष और भावनाओं से जुड़ेंगे।अपने सह-कलाकारों के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए आकांक्षा ने कि यह अनुभव सहज और सुखद रहा।उन्होंने बताया हालांकि मैं किसी को व्यक्तिगत रूप से नहीं जानता था या पहले उनके साथ काम नहीं किया था, फिर भी तालमेल स्वाभाविक था और हर कोई अच्छी तरह से तैयार था इससे शूटिंग आसान हो गई।एएलटीटी के साथ अपने सहयोग के में बात करते हुए, पूर्व बिग बॉस ओटीटी प्रतियोगी ने कहा, हनी ट्रैप स्चड के बाद एएलटीटी के साथ यह मेरा दूसरा प्रोजेक्ट है। उनके साथ काम करना हमेशा खुशी की बात होती है। वे रचनात्मक दृष्टि के बारे में बेहद संगठित और स्पष्ट हैं, जो प्रक्रिया को कुशल सुखद बनाता है। मैं उनके साथ फिर से सहयोग करना पसंद करूंगी।संबंधित बात यह है कि, डॉन्स एंड डार्लिंग्स में नागिन-प्रसिद्ध मनीष खन्ना और बेहद-प्रसिद्ध इमरान खान भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह थ्रिलर 27 दिसंबर 2024 को एएलटीटी पर रिलीज़ किया गया।वेब सीरीज़ दो कुख्यात गैंगस्टर, सिकंदर और के इर्द-गिर्द घूमती है, जो आगामी चुनाव में एक स्थान के लिए होड़ कर रहे हैं। दोनों का सपना शहर पर नियंत्रण करना और जीत हासिल करने के बाद एक शक्तिशाली आपराधिक साम्राज्य का निर्माण करना है। हालाँकि, उनकी महत्वाकांक्षाएँ केवल सत्ता पर केंद्रित नहीं हैं, क्योंकि वे हर अलग-अलग महिलाओं के साथ जंगली, कामुक रातें भी बिताते हैं।

शॉर्ट ड्रेस पहन शमा सिकंदर ने शेयर किया बोल्ड लुक

टीवी एक्ट्रेस शमा सिकंदर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर कर अक्सर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखक फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस शमा सिकंदर अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनकी हॉटनेस और बोल्डनेस के चर्चे अक्सर सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से छा जाता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी कुछ बेहद ही ग्लैमरस फोटोज फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर एक बार फिर से फैंस के होश उड़ गए हैं।एक्ट्रेस शमा सिकंदर की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने फ्लोरल प्रिंट लुक में शॉर्ट ड्रेस पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक पोज देते हुए अपने आउटलुक को कंप्लीट कर रही हैं।कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस शमा सिकंदर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका ये गॉर्जियस अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।शमा सिकंदर जब भी अपनी फोटोज फैंस के बीच शेयर करती हैं तो लोग उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए प्रतिक्रियाएं देते हैं।हालांकि इन फोटोज में भी ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने लिखा है- सो हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- टू मच हॉट एंड गॉर्जियस।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्क़तें हो सकती हैं। बच्चे को अपनी उम्मीदों के मुताबिक़ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करें। हालाँकि किसी चमत्कार की उम्मीद न करें। आपका प्रोत्साहन निश्चित तौर पर बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मक रूप से प्रभावित हो सकता है, लेकिन आप दोनों होशियारी से चीज़ें संभाल सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने वज़न पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें। जिन लोगों ने अतीत में अपना धन निवेश किया था आज उस धन से लाभ होने की संभावना बन रही है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है। परिवार के साथ आज शॉपिंग पर जाना संभव हैं, परन्तु थकान का अनुभव भी हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी। आर्थिक तौर पर सिर्फ़ और सिर्फ़ एक स्रोत से ही लाभ मिलेगा। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। इसलिए संयम बरतें, क्योंकि आपकी तल्ख़ी आस-पास के लोगों को दुःखी कर सकती है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना-जुलना होगा। आपका अपने जीवनसाथी के साथ तनावपूर्ण संबंध रह सकता है। जहां तक सम्भव हो बात को बढ़ने न दें। आपको महसूस हो सकता है कि आप अपना दिन बर्बाद कर रहे हैं। इसलिए अपने दिन की योजना बेहतर तरीक़े से बनाएँ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

शकी स्वभाव के चलते आपको हार का मुँह देखना पड़ सकता है। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। शाम को रसोई के लिए ज़रूरी चीज़ों की ख़रीदारी आपको व्यस्त रखेगी। थोड़ी कोशिश और करें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी-मज़ाक़ किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे। आपकी ऊर्जा आज बेवजह के कामों में जाया हो सकती है। जीवन को सही से जीना चाहते हैं तो टाइम टेबल के हिसाब से चलना सीखें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। दीर्घावधि मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करना फ़ायदेमंद रहेगा। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज आप अपना खाली समय अपनी माता की सेवा में बिताना चाहेंगे लेकिन ऐन मौके पर किसी काम के आ जाने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा। इससे आपको परेशानी होगी। अपने काम के प्रति आज आपका फोकस गजब का होगा। आपके काम को देखकर आज बॉस आपसे खुश हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

मानसिक शान्ति के लिए तनाव के कारणों का समाधान करें। जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। हँसी-मज़ाक़ के बीच आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई पुराना मुद्दा उभर सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्द-बाज़ी में निर्णय न लें। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहाँ आप सबके ध्यान का केन्द्र होंगे। अपने प्रिय को आज निराश न करें- क्योंकि ऐसा करने की वजह से बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। घर के कामों को पूरा करने के बाद इस राशि की गृहणियां आज के दिन फुर्सत में टीवी या मोबाइल पर कोई मूवी देख सकती हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। किसी दूर के रिश्तेदार के यहां से मिली आ-कस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। रोमांस आपके दिल-दिमाग़ पर छाया रहेगा, क्योंकि आज आपकी मुलाक़ात अपने प्रिय से होगी। हवन/पूजा-पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। आज आपका आत्मविश्वास कमजोर रह सकता है। इसका कारण आपकी खराब दिनचर्या है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

किसी भी तरह के हालात को क़ाबू में रखने के लिए इस रफ़्तार को बरक़रार रखिए। जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। कोई ऐसा रिश्तेदार जो बहुत दूर रहता है, आज आपसे संपर्क कर सकता है। इसका अनुभव कीजिए। अपने घर में बिखरी चीजों को संभालने का आज आप प्लान करेंगे लेकिन आपको इसके लिए आज खाली समय नहीं मिल पाएगा। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ। आप कहीं घूमने के लिए जा सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज खेल-कूद में हिस्सा लें । यदि आप किसी से उधार वापस मांग रहे थे और अब तक वो आपकी बात को टाल रहा था तो आज बिना बोले ही वो आपको पैसा लौटा सकता है। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं । आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है। किसी पार्क में बैठकर आज आपको सुकून मिलेगा। जीवन को आज आप नजदीक से जान पाएंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखें। ख़ास तौर पर माइग्रेन के मरीज़ों को समय पर खाना नहीं छोड़ना चाहिए, नहीं तो उन्हें व्यर्थ में भावनात्मक तनाव से गुज़रना पड़ सकता है। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। तल्ख़ बर्ताव के बावजूद आपको जी-वन-साथी का सहयोग मिलेगा। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद ख़ास रहेगा। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। आपका कोई दोस्त आज आपकी जमकर तारीफ कर सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार के ख़यालों में अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें, बल्कि इसे सही दिशा में लगाएँ। दोस्तों के साथ कुछ करते वक़्त अपने हितों को अनदेखा न करें साथ ही आज आप मस्तीभरे सफ़र पर भी जा सकते हैं। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। वैवाहिक जीवन में कई उतार-चढ़ाव के बाद एक-दूसरे के प्यार को सराहने का यह सही दिन है। आज आप फ़ोटोग्राफ़ी करके आने वाले कल के लिए कुछ बेहतरीन यादें संजो सकते हैं ।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 02 फरवरी 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी प्रातः 09:16 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा रात्रि 12:53 तक
योग : शिव प्रातः 09:13 तक
करण : विष्टि प्रातः 09:16 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 06:47 , सूर्यास्त 06:12 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:45, सूर्यास्त 06:21 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 06:12 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 06:04 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक चालू है , गण्डमूल रात्रि 12:54 से , वसंत पंचमी , भद्रा प्रातः 09:16 तक

पांडित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पीएम मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने वाला है यह बजट : भजनलाल

जयपुर,01 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने शनिवार को केंद्रीय आम बजट को लेकर कहा कि केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2025-26 के बजट में अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों के साथ सभी वर्गों के लिए उचित प्रावधान किए गए हैं। बजट में विकास दर में वृद्धि, समावेशी विकास पर विशेष फोकस प्रदान कर संतुलित विकास का रोड़मैप प्रस्तुत किया है।

उन्होंने कहा कि इस बजट में सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास पर विशेष बल दिया गया है। बजट देश के सभी वर्गों जैसे किसान भाईयों, मेहनतकश मजदूरों, महिला, युवा, कर्मचारियों, एंव मध्यम वर्ग की आशाओं पर पूर्णतया खरा उतरने वाला बजट है। इस प्रकार यह बजट सभी मायनों में ऐतिहासिक हैं और वर्ष 2047 तक भारत को विकसित अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में इस बजट में महिलाओं, किसानों, युवाओं तथा गरीबों पर विशेष ध्यान दिया गया है। किसानों के लिए बजट में घोषित की गई योजनाओं जैसे पी.एम. धन धान्य कृषि योजना, ग्रामीण समृद्धि योजना, एग्रीकल्चर क्रेडिट कार्ड की बढ़ाई गई सीमा से कृषि विकास एवं किसानों का कल्याण सुनिश्ति हो सकेगा। देश को ग्लोबल मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाने के लिए किए गए प्रावधान से देश में युवाओं को रोजगार मिलेगा एवं देश आत्मनिर्भरता प्राप्त करेगा। स्टार्टअप और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए की गई घो-षणाओं से युवाओं को रोजगार के नये अवसर मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन का आभार व्यक्त करता हूं कि हमारे द्वारा जो प्रमुख मुद्दे जैसे जल जीवन मिशन की अवधि को बढ़ाया जाना, पावर सेक्टर रिफॉर्म के लिए विशेष सहायता प्रदान करना एवं राज्य को पूंजीगत निवेश के लिए ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किये जाने वाली हमारे प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है।

राजस्थान विधानसभा में बदलाव
वास्तुदोष का डर, संयोग या अधंविश्वास?

जयपुर,01 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा का नजारा इस बार बदला-बदला सा है। हरे कार्पेट की जगह गुलाबी रंग ने ले ली है और एंट्री गेट की दिशा भी बदल दी गई है। विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी ने खुद बताया कि यह बदलाव वास्तुदोष को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

2001 में बने राजस्थान विधानसभा भवन को लेकर लंबे समय से वास्तुदोष की चर्चा होती रही है। तब से लेकर अब तक 16 विधायकों का पद पर रहते हुए निधन हो चुका है। हाल ही में खुद स्पीकर वासुदेव देवनानी को हार्ट अटैक आया, जिसके बाद इस बहस ने फिर जोर पकड़ लिया। 2001 में इस विधानसभा भवन में कार्यवाही शुरू हुई थी, लेकिन तब से ही इसे लेकर विवाद रहा। कहा जाता है कि भवन का उद्घाटन तत्कालीन राष्ट्रपति के.आर. नारायणन को करना था, लेकिन उनके अस्वस्थ होने के कारण उद्घाटन नहीं हो सका। इसके बाद से ही विधानसभा में नकारात्मक घटनाओं का सिलसिला जारी रहा।विधानसभा में बदलाव के पीछे विज्ञान और विश्वास के बीच की बहस भी तेज हो गई है। क्या यह सिर्फ एक संयोग है कि इतने विधायकों का निधन हुआ, या फिर वाकई वास्तुदोष का असर है? सरकार और स्पीकर इसे मान्यता से जोड़ रहे हैं, जबकि विपक्ष इसे महज अंधविश्वास करार दे रहा है।

दौसा एसपी पद पर सागर राणा की नियुक्ति

रंजीता शर्मा को पुलिस मुख्यालय में मिली जिम्मेदारी

दौसा,01 फरवरी (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने दौसा जिले के एसपी पद पर सागर राणा की नियुक्ति की है, जो इससे पहले जयपुर पुलिस आयुक्तालय में पुलिस उपायुक्त (यातायात) के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने रंजीता शर्मा का स्थान लिया है, जो अब पुलिस मुख्यालय में एसपी (मुख्यालय) के पद पर कार्यभार संभालेंगी।

लोकेश सोनवाल - दौसा के एएसपी रहे लोकेश सोनवाल को एसओजी का एसपी बनाया गया है। हाल ही में वे आरपीएस से आईपीएस में पदोन्नत हुए थे।

रामस्वरूप चौहान - दौसा एडीएम पद पर नियुक्त, वे सुमित्रा पारीक की जगह लेंगे।सुमित्रा मिश्र - भिवाड़ी एडीएम पद पर स्थानांतरित।

विजेंद्र कुमार मीणा - लालसोट के एसीएम से एसडीएम पद पर पदोन्नत। इस प्रशासनिक फेरबदल को जिले की कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और प्रशासनिक व्यवस्था को प्रभावी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार
मुख्यमंत्री और मंत्री को भेजी गई स्वायत्त शासन विभाग में घोटालों की रिपोर्ट

जयपुर,01 फरवरी (एजेंसियां)। सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार की एक नई कहानी सामने आई है, जो शहर की राजनीति और प्रशासन को हिलाकर रख सकती है। स्वायत्त शासन विभाग के अधीन रुडसिको में किए गए सरकारी परियोजनाओं के संचालन में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन का खुलासा हुआ है। यह खेल केवल कुछ ठेकेदारों और अधिकारियों के बीच सांठगांठ का नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर राजकोष को करोड़ों का नुकसान पहुंचाने की साजिश का है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा को भेजी गई एक शिकायत में इस भ्रष्टाचार का पर्दाफाश किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इस पूरे मामले में चीफ इंजीनियर अरुण व्यास की मुख्य भूमिका है। हालांकि, व्यास ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है, लेकिन इस मामले में दी गई लिखित शिकायत की जांच करना सरकार की जिम्मेदारी बनती है।

शिकायत के अनुसार, पहला मामला फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट के ठेके में गड़बड़ी का है। अरुण व्यास पर आरोप है कि उन्होंने ठेकेदारों के साथ मिलकर 200 करोड़ के एक ठेके को रद्द कर दिया और उसी काम को तीन गुना कीमत पर 68 नगरों के लिए ठेके पर दे दिया। इसके परिणामस्वरूप लगभग 600 करोड़ का सरकारी खजाने को नुकसान हुआ। इस मामले में व्यास की भूमिका एक प्रमुख संदिग्ध के तौर पर सामने आई है।इसके बाद दूसरा मामला जयपुर सीवरेज टेंडर में अनियमितताओं का है। 400 करोड़ की सीवरेज परियोजना में एक अयोग्य फर्म को ठेका दिया गया, और 10 करोड़ की लागत को 100 करोड़ में बढ़ा दिया गया। इसी तरह से जोधपुर सीवरेज परियोजना में करोड़ों का गबन सामने आया है, जिसमें अनधिकृत लाइन बिछाने के लिए मोटी रकम खर्च की गई।

झुग्गी में आग लगने से 60 वर्षीय बुजुर्ग की मौत

भरतपुर,01 फरवरी (एजेंसियां)। बयाना थाना क्षेत्र में रेलवे स्टेशन के पीछे स्थित झुग्गियों में बुधवार सुबह भीषण आग लगने से 60 वर्षीय बुजुर्ग भारत पुत्र झम्मन सिंह की जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसे के वक्त बुजुर्ग अकेले झुग्गी में थे, क्योंकि उनके परिजन रोजमर्रा के काम के लिए सुबह ही निकल गए थे।मृतक भारत सिंह, जो पहले रेलवे स्टेशन पर कानों की सफाई का काम करते थे, पिछले एक साल से बीमार थे और चलने-फिरने में असमर्थ थे। सुबह 8 बजे के करीब झुग्गी में अचानक आग लग गई।

तीन झुग्गियां आग की चपेट में आ गईं, लेकिन भारत सिंह बच नहीं सके और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही नगर पालिका की दमकल मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। मृतक की पत्नी गुड्डी देवी और चार बेटे आकाश, अमर, अजय और अमित हैं। आकाश टैक्सी ड्राइवर हैं, जो सुबह 5:00 बजे मथुरा के लिए रवाना हो गए थे। पत्नी और अन्य बेटे सुबह 5:30 बजे ही काम पर निकल गए थे।

बजट से देश विकास को मिलेगी नई गति : सैनी

चंडीगढ़,01 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने केंद्रीय बजट 2025-26 के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह बजट देश के विकास को नई गति देगा और हरियाणा को भी आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बजट सभी वर्गों का ध्यान रखते हुए तैयार किया गया है, जिससे हरियाणा को भी व्यापक लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट में किसानों के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ की गई हैं। किसान क्रेडिट कार्ड पर ऋण सीमा 3 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दी गई है। साथ ही, धन धान्य कृषि योजना के तहत 100 कम उत्पादकता वाले जिलों पर ध्यान दिया जाएगा। इस बजट से हरियाणा को भारी लाभ होगा क्योंकि हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि यह बजट किसानों के जीवन स्तर को सुधारने और कृषि क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसके अलावा, चडचए सेक्टर के लिए लोन गारंटी कवर 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ किया गया है, जिससे छोटे उद्योगों को और अधिक समर्थन मिलेगा। अगले 6 साल मसूर, तुअर जैसी दालों की पैदावार बढ़ाने के लिए फोकस किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 12 लाख तक की आय को कर मुक्त करने से देश के करोड़ों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। बजट 2025 में कपास की पैदावार बढ़ाने के लिए 5 साल का मिशन रखा गया है जिससे देश का कपड़ा उद्योग मजबूत होगा। उसी तरह बिहार में मखाना बोर्ड बनेगा, जिससे छोटे किसानों और व्यापारियों को फायदा मिलेगा। छोटे उद्योगों के लिए विशेष क्रेडिट कार्ड जारी किये जायेंगे जिसमें से पहले साल 10 लाख कार्ड जारी होंगे। खिलौना उद्योग के लिए भी 'मेक इन इंडिया' के तहत विशेष योजना शुरू की जाएगी।मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि वित्त मंत्री ने बजट 2025 में एससी-एसटी वर्ग की 5 लाख महिलाओं के लिए नई स्कीम की घोषणा की, जिसमें उन्हें 2 करोड़ रुपये का टर्म लोन मिलेगा। साथ ही, स्टार्टअप्स को भी बढ़ावा देने के लिए ऋण सीमा 10 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपये कर दी गई है।

यह कदम महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और नए स्टार्टअप्स को मजबूती देने के लिए एक शानदार पहल है।

बजट में शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में भी बड़े ऐलान किए गए हैं। अगले 5 वर्षों में मेडिकल एजुकेशन में 75,000 नई सीटें जोड़ी जाएंगी। इसके साथ ही, 23 IIT में 1.35 लाख स्टूडेंट्स की सुविधा को ध्यान में रखते हुए खखढ पटना का विस्तार किया जाएगा।

सर्वांगीण विकास का बजट : अनिल विज

चंडीगढ़,01 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज आज पुष्पा अंदाज़ में दिखे और झुकेगा नहीं वाला पुष्पा साइन ऑफ़ किया। आज पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह सच है कि मैं कुछ नहीं बोलता तथा मेरी क्या हैसियत है और जो कुछ भी मैं बोलता हूं वह मेरी आत्मा बोलती है और आत्मा की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। इस दौरान गत दिवस दिए गए बयान के 100 दिन हो गए और कोई कार्रवाई नहीं हुई तथा इसके बाद अंबाला के डीसी को बदल दिया गया के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने कहा कि यह आते-जाते रहते हैं इससे कोई ताल्लुक नहीं है। वर्करों द्वारा संघर्ष और आत्मसम्मान की लड़ाई जारी रहेगी की पोस्ट डालने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अभी मेरी कोई बात नहीं हुई है कि वह (वर्कर) क्या महसूस कर रहे हैं और उनसे (वर्कर) बैठकर बात करेंगे, उसके बाद फिर सोचेंगे।

विज के गत दिवस बयान के संबंध में संबंध में दीपेंद्र हुड्डा ने ट्वीट करके कहा है कि हरियाणा में अफसरशाही हावी है और मंत्रियों को मंत्री नहीं माना जाता के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अगर हुड्डा साहब ने ऐसा कहा है तो उनका धन्यवाद। आज प्रस्तुत किए जा रहे केंद्रीय बजट के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने कहाकि केंद्रीय बजट बहुत ही बेहतरीन और सर्वांगीण विकास का बजट है और हर वर्ग के लाभ का बजट प्रस्तुत होने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री बहुत ही है और जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई है तब से वह वित्त मंत्री हैं तथा देश की अर्थव्यवस्था में बहुत सुधार हुआ है। विज ने कहा कि इस बार जीएसटी और इनकम टैक्स के संग्रहण में बहुत बढोतरी हुई है। इसके अलावा, इंफ्रास्ट्रक्चर, औद्योगिक वृद्धि तथा एमएसएमई में काफी धनराशि लगाई जा सकती है और मुझे उम्मीद है कि इसमें निवेश किया जाएगा ताकि रोजगार मिले और देश तरक्की करें।प्रियंका गांधी ने बजट भाषण के दौरान राष्ट्रपति को बेचारी बोल दिया, के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह तो (प्रियंका गांधी व गांधी परिवार) सारे देश को बेचारा मानते हैं, यह अपने आप को राजा और हमें गुलाम मानते हैं।

बजट में किसानों की मांगों पर सरकार ने चुप्पी साधी : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़,01 फरवरी (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने आज पेश हुए केन्द्रीय बजट को पूरी तरह निराशाजनक बताते हुए कहा कि केन्द्रीय बजट में हरियाणा की झोली फिर खाली रही है। उन्होंने कहा कि इस बजट में दूरदर्शिता का अभाव, इससे महंगाई व बेरोजगारी और बढ़ेगी। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि न जाने क्यों केंद्र सरकार को हरियाणा से इतनी नाराजगी है, वो हरियाणा से टैक्स के रूप में 7 रुपए वसूल रही है और बदले में सिर्फ 1 रुपया दे रही है। हमेशा की तरह इस बार बजट में हरियाणा फिर से खाली हाथ रहा और उसे कुछ नहीं मिला। बजट का सारा फोकस एक चुनावी राज्य तक ही सीमित है। सरकार की तरफ से गरीब व मध्यम वर्ग को बुरी तरह परेशान कर रही रिकार्ड महंगाई, रिकार्ड बेरोजगारी दूर करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया।

इतना ही नहीं देश के किसान एमएसपी की कानूनी गारंटी को लेकर आंदोलनरत हैं, फिर भी बजट में किसानों की मांगों को पूरी तरह से गायब कर दिया गया।

जनकल्याण और राष्ट्र के समग्र विकास को समर्पित बजट : बडौली

चंडीगढ़,01 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बडौली ने केन्द्रीय बजट 2025-26 को ऐतिहासिक बताते हुए कहा है कि यह बजट आत्मनिर्भर भारत व विकसित भारत की दिशा में एक मज़बूत कदम है। उन्होंने कहा कि यह बजट सभी वर्गों की आकांक्षाओं को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगा।

बडौली ने कहा कि इस सर्वसमावेशी बजट में देश के आगामी 25 वर्षों की विकास यात्रा को गति देने के लिए बुनियादी ढाँचे, डिजिटल अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रक्षा, रोज़गार सृजन जैसे सभी क्षेत्रों पर ध्यान दिया गया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है और यह बजट भारत को वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनाने का ब्लूप्रिंट है। बडौली ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की आर्थिक नीतियों ने जनभावनाओं के अनुरूप जनहितैषी और लोक कल्याणकारी बजट पेश किया है।

बजट को जन कल्याणकारी बताते हुए पंडित मोहन लाल बडौली ने कहा कि यह सर्वस्पर्शी, और समावेशी बजट है जिसमें गरीब, मध्यम वर्ग युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के समग्र विकास को रेखांकित किया गया है।

मध्यम वर्ग को समर्पित उत्कृष्ट बजट : डॉ. पूनिया

चंडीगढ़,01 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने बजट-2025 को भारत का उत्कृष्ट बजट बताया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार व वित्त मंत्री निर्मल सीतारमण ने जो बजट पेश किया है और जो सहूलियतें दी है इसकी देश की जनता को बहुत प्रतीक्षा थी। डॉ. पूनिया ने कहा कि आयकर की सीमा को 12 लाख रुपए करना ऐतिहासिक है। अब एक लाख रुपए महीना तक की इनकम पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि एमएसएमई व शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी विकास तथा तमाम क्षेत्र यहां तक की आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी व अनुसंधान के लिए भी मोदी सरकार ने विशेष प्रावधान किया है। डॉ. पूनिया ने कहा कि यह बजट मध्यम वर्ग को समर्पित तो है ही साथ ही दूरदृष्टि के नजरिए से यह भारत का शानदार बजट है।

डॉ. पूनिया ने कहा कि मोदी सरकार का यह संपूर्ण बजट है और इसमें हर क्षेत्र का ध्यान रखा गया है। बजट 2025 की तारीफ करते हुए भाजपा प्रदेश प्रभारी ने कहा कि मोदी सरकार का यह बजट किसान, गरीब, मध्यम वर्ग, महिला, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य से लेकर हर वर्ग की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बजट है। प्रदेश प्रभारी ने इस सर्वसमावेशी और दूरदर्शी बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई दी और आभार जताया।

यह बजट गरीब, युवा, किसानों के हित में, बिहार के विकास को और गति मिलेगी: सीएम नीतीश

पटना (एजेंसियां)।

केंद्रीय बजट में बिहार को कई सौगातें दी गई हैं। पिछले केंद्रीय बजट के मुकाबले इस बार ज्यादा मेहरबानी दिखने की एक वजह इस साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव भी हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड का केंद्र सरकार में योगदान भी बजट (ईंविसशीं 2025) में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की मेहरबानी की एक वजह है। बजट पेश होने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसकी खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह बजट सकारात्मक एवं स्वागत योग्य है। केन्द्र सरकार का यह बजट प्रगतिशील एवं भविष्योन्मुखी है। इस बजट के माध्यम से केन्द्र सरकार द्वारा देश के विकास की गति को और बढ़ाने के लिये कई कदम उठाये गये हैं। बजट में बिहार के लिये जो घोषणायें की गयी है, उनसे बिहार के विकास को और गति मिलेगी। मखाना के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन में सुधार के लिए राज्य में एक मखाना बोर्ड की स्थापना से मखाना किसानों को लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि राज्य की भविष्य की जरूरतों को पूरा

करने के लिए बिहार में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों की सुविधा प्रदान करने से अन्तर्राष्ट्रीय उड़ानों की संख्या बढ़ेगी जिससे यहां के लोगों को काफी फायदा होगा साथ ही राज्य के आर्थिक विकास को गति मिलेगी। मिथिलांचल में पश्चिमी कोसी कैनाल परियोजना के लिए आर्थिक मदद मिलने से यहां के किसानों को फायदा होगा। इस बजट में पटना आईआईटी के विस्तार का प्रावधान किया गया है, इससे तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। बिहार में राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान की स्थापना होने से युवाओं को कौशल, उद्यमिता और रोजगार के अवसर मिलेंगे तथा पूर्वी भारत में खाद्य प्रसंस्करण गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इनकम टैक्स स्लैब में 12 लाख रूपये तक की छूट मिलने से मध्यमवर्ग को काफी राहत मिली है।

किसान क्रेडिट कार्ड पर कर्ज की लिमिट 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख करने से किसानों को इसका लाभ मिलेगा। सूक्ष्म उद्यमों के लिए एमएसएमई क्रेडिट गारंटी कवर को पांच करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये किये जाने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। बजट में गरीब, युवा, किसानों के हित में कई कदम उठाये गये हैं, यह स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि बेहतर बजट पेश करने के लिये मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और वित्त मंत्री निर्मला सीतामरण जी को धन्यवाद देता हूं।

वहीं जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2025 में जहां मध्यवर्ग को आयकर में बड़ी राहत दी गई है, वहीं युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों के हित में सर्वसमावेशी दृष्टिकोण के साथ अनेक दूरगामी फैसले लिये गये हैं। यह बजट मिथिला और बिहार के लिए कई महत्व-पूर्ण सौगात लेकर आया है। इन सौगातों से जहां प्रदेश के विकास को नई गति मिलेगी, वहीं युवाओं, किसानों और उद्यमियों की आय में वृद्धि के लिए नये मार्ग भी खुलेंगे।

हमें खुशी है कि नये एयरपोर्ट सहित बिहार की महत्वपूर्ण जरूरतों के संबंध में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा विभिन्न अवसरों पर दिये गये सुझावों को इस बजट में समाहित किया गया है। कुल मिलाकर यह बजट देश में विकास की क्षेत्रीय असमानता को कम करने तथा बिहार को विकसित प्रदेश बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

बिहार में बड़ा सड़क हादसा

कुंभ स्नान कर लौट रहे लोगों की कार दुर्घटनाग्रस्त, पांच की मौत

पटना (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर में एक भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा तेज रफ्तार स्कॉर्पियो के पलटने से हुआ। बताया जा रहा है कि सभी लोग कुंभ से लौट रहे थे। सदर थाना क्षेत्र के मैदापुर गांव के पास फोरलेन पर इनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाइक सवारों को बचाने के चलते गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। इसमें पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मरने वाले सभी लोग नेपाल के रहने वाले थे।

बताया जा रहा है कि हादसे के शिकार सभी लोग प्रयागराज से महाकुंभ स्नान को करके वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान मुजफ्फरपुर के सदर थाना क्षेत्र के मैदापुर गांव के यह घटना हुई। इधर, घटना के मौके पर दोनों एसडीओ डीएसपी ग्रामीण एसपी सहित कई अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे है और मामले की जांच पड़ताल में जुट गए हैं। ग्रामीण अमित कुमार ने बताया कि नई बाईपास फोरलेन पर लगातार हादसे होते रहते हैं। बाइक सवार रील्स बनाने के लिए निकला था। इसी दौरान पटना की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार की स्कॉर्पियो उसे बचाने के चक्कर में अनियंत्रित हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि स्कॉर्पियो करीब चार हार पलटी खाई। इसमें के पांच लोगों की मौत हो गई वहीं जबकि चार लोग घायल हैं। कुछ लोगों को गाड़ी का गेट तोड़कर बाहर निकाला गया। घटना को लेकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नगर क्षेत्र टू विनिता सिन्हा ने बताया कि सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है। मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएस भेजा गया है जबकि घायलों का इलाज कराया जा रहा है।

मधुबनी में इंटर परीक्षा के पहले दिन हंगामा

तीन मिनट की देरी पर छात्रों को नहीं मिला प्रवेश

दरभंगा (एजेंसियां)।

बिहार इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 का शुभारंभ एक फरवरी से हो गया। मधुबनी में पहले दिन प्रथम पाली में बायोलॉजी और फिलॉसफी विषय की परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए जिले में 72 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जहां सुबह नौ बजे तक सभी परीक्षार्थियों का प्रवेश सुनिश्चित किया गया।

हालांकि, नौ बजे परीक्षा केंद्र के गेट बंद होते ही कई छात्रों को प्रवेश नहीं मिला, जिससे परीक्षा केंद्रों पर हंगामा खड़ा हो गया। मधुबनी शहर स्थित आर.के. कॉलेज परीक्षा केंद्र पर एक छात्र मात्र तीन मिनट देर से पहुंचा, लेकिन उसे परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई। इससे नाराज परीक्षार्थियों और उनके अभिभावकों ने कॉलेज के पास मुख्य सड़क को जाम कर दिया और जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रवेश न मिलने से कई परीक्षार्थियों का गेट के बाहर रो-रो कर बुरा हाल हो गया। छात्राओं की आंखों में आंसू देख उनके अभिभावक भी भावुक हो गए और परीक्षा केंद्र के बाहर जोरदार हंगामा करने लगे।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और काफी मशक्कत के बाद

प्रदर्शनकारियों को समझाकर जाम हटवाया। छात्रों का कहना था कि वे सिर्फ तीन मिनट देर से पहुंचे थे, लेकिन फिर भी उन्हें प्रवेश नहीं दिया गया। इस फैसले से वे बेहद आहत और निराश हैं।

परीक्षा केंद्र के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के दिशानिर्देशों के अनुसार परीक्षा केंद्र के गेट निर्धारित समय पर बंद कर दिए जाते हैं। इसके बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाता। प्रशासन का कहना है कि छात्रों को पहले ही समय का विशेष ध्यान रखने की चेतावनी दी गई थी, ताकि वे किसी भी परिस्थिति में देर न करें।

इस घटना के बाद परीक्षार्थियों और उनके अभिभावकों ने परीक्षा नियमों में कुछ लचीलापन लाने की मांग की है, ताकि मामूली देरी से पहुंचने वाले छात्रों को परीक्षा से वंचित न होना पड़े। वहीं, प्रशासन ने केंद्रों पर कड़ी निगरानी रखने और अनुशासन बनाए रखने की बात कही है।

भागलपुर को विकास की नई सौगात, सीएम नीतीश कुमार ने 1200 करोड़ की योजनाओं का किया शिलान्यास

भागलपुर (एजेंसियां)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी प्रगति यात्रा के तहत एक फरवरी को भागलपुर पहुंचे। यहां उन्होंने करीब 1200 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। उनके आगमन को लेकर प्रशासनिक तैयारियां युद्धस्तर पर की गईं थी।

उम्मीद जताई जा रही थी कि मुख्यमंत्री अपने दौरे के दौरान गोराडीह में अंतरराज्यीय बस अड्डे और मोहनपुर में औद्योगिक पार्क का तोहफा देंगे। इसके अलावा, वे शीतला स्थान के निकट निर्माणाधीन भोलानाथ फ्लाईओवर से डिक्सन रोड और इशाकचक के शिवपुरी मोहल्ले को जोड़ने की योजना पर विभागीय अधिकारियों से चर्चा करेंगे। संभावना है कि वे बांका और आरओबी तक एक और फ्लाईओवर के निर्माण की घोषणा भी कर सकते हैं।

नीतीश कुमार की यात्रा को लेकर भागलपुर के लोगों की अपेक्षाएं भी बढ़ गई हैं। यहां के नागरिकों की लंबे समय से मांग है कि मुख्यमंत्री हवाई सेवा शुरू करने, अंगिका भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने, कहलगांव में विक्रमशिला केंद्रीय विश्वविद्यालय के निर्माण में तेजी लाने और बटेश्वर स्थान को शिव सर्किट से जोड़ने की घोषणा करें।

भागलपुर सिल्क नगरी होने के बावजूद अब तक हवाई सेवा शुरू नहीं हो पाई है। 1969-71 में कलिंगा एयरवेज की 36-सीटर सेवा यहां से संचालित होती थी, लेकिन उसके बाद से भागलपुर को हवाई संपर्क से वंचित रखा गया।

ईस्टर्न बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स की बैठक में महासचिव पुनीत चौधरी ने कहा कि हवाई सेवा न होने से भागलपुर का सिल्क उद्योग चौपट हो गया है। 2022 में हवाई सेवा संघर्ष समिति के बैनर तले शहर के नागरिकों ने 33 दिनों तक आंदोलन किया था। इसके बाद केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने सांसदों के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल को सकारात्मक आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई।

भागलपुर के डीएम नवल किशोर चौधरी ने सुल्तानगंज और गोराडीह में हवाई अड्डे के लिए भूमि चिन्हित कर प्रस्ताव मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग को भेजा है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (अअख) द्वारा जांच रिपोर्ट आने के बाद ही जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होगी।

भागलपुर और इसके आसपास के क्षेत्र अंग प्रदेश का हिस्सा हैं और अंगिका भाषा यहां की संस्कृति की आत्मा मानी जाती है। लेकिन छउएठढ की प्रवेशिका में इसे मैथिली भाषा के रूप में दर्शाया गया है, जिससे स्थानीय लोगों में रोष है।

कृष्ण कलायन केंद्र की निदेशक श्वेता सुमन ने कहा कि अंगिका भाषा को आठवीं अनु-सूची में शामिल किया जाना चाहिए। साहित्यकार राहुल सांकृत्यायन ने भी इसे एक स्वतंत्र भाषा के रूप में मान्यता दी थी। इस भाषा की प्राचीन पांडुलिपियां पटना संग्रहालय में संरक्षित हैं।

कहलगांव स्थित अतीचक के पास प्रस्तावित विक्रमशिला केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए 208 एकड़ भूमि चिन्हित की जा चुकी है। राज्य सरकार को इसकी रिपोर्ट भी सौंपी जा चुकी है और भूमि अधिग्रहण के लिए रैयतों को 88 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया है।

हाल ही में भागलपुर आए डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि अगले तीन महीनों में भूमि अधिग्रहण और झंझठ तैयार कर ली जाएगी।

अप्रैल-मई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद विश्वविद्यालय की आधारशिला रख सकते हैं। विक्रमशिला नागरिक विकास समिति के संयोजक डॉ. एन.के. जायसवाल ने कहा कि नालंदा की तर्ज पर विक्रमशिला के गौरव को पुनः स्थापित करना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की इस यात्रा को लेकर भागलपुरवासियों में उम्मीद और उत्साह दोनों हैं। अब देखना यह है कि वे हवाई सेवा, अंगिका भाषा, विक्रमशिला विश्वविद्यालय और अन्य विकास योजनाओं को लेकर कौन-सी घोषणाएं करते हैं। क्या भागलपुर को इस बार अपनी बहुप्रतीक्षित मांगों पर कोई ठोस आश्वासन मिलेगा या यह सिर्फ एक औपचारिक दौरा बनकर रह जाएगा? इसका जवाब एक फरवरी को मिलेगा।

हालांकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के दौरान कहा कि भागलपुर जिले में सब तरह के काम करा दिए हैं, कुछ नए काम और कराए जाएंगे। इनमें निम्न शामिल हैं:-

भागलपुर नगर निगम अंतर्गत बौंसी रेलवे लाईन पर आर0ओ0बी0 का निर्माण कराया जाएगा।

भागलपुर में नए अंतर्राज्यीय बस अड्डे का निर्माण किया जाएगा।

नवगछिया अनुमंडल में स्पोर्टस काम्प्लेक्स का निर्माण किया जाएगा। इससे खिलाड़ियों को प्रशिक्षण में सुविधा होगी तथा स्थानीय प्रतिभाओं को बढ़ावा मिलेगा।

भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में कैंसर के इलाज के लिए सुपर स्पेशियलिटी विभाग की सुविधा विकसित की जाएगी।

नाथनगर प्रखंड में चम्पा नदी के अप-स्ट्रीम में गोड़ियारी नदी पर चेक-डैम का निर्माण कराया जाएगा।

सुल्तानगंज में जहाज घाट के निकट रेलवे की 17 एकड़ भूमि को केंद्र सरकार से लेने का अनुरोध किया जाएगा, जिसे बाद में पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा।

गोराडीह प्रखंड में उपलब्ध सरकारी भूमि पर औद्योगिक क्षेत्र का विकास किया जाएगा। इससे उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

भागलपुर में नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे का निर्माण किया जाएगा। इससे औद्योगिक विकास एवं पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

भागलपुर में वर्तमान हवाई अड्डे पर छोटे विमानों के संचालन हेतु उड़ान योजना में इसे सम्मिलित करने के लिए केंद्र सरकार से अनुरोध किया जाएगा।

भागलपुर जिले के सात प्रखंडों क्रमशः पीरपैंती, विहपुर, शाहकुण्ड, कहलगांव, सबौर, नवगछिया और सन्हौला में नए प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय भवन तथा चार प्रखंडों क्रमशः गौराडीह, नाथनगर, नारायणपुर और इस्माईलपुर में सभी कार्यालय भवनों के साथ-साथ आवसीय परिसर का भी निर्माण कराया जाएगा।

परीक्षा केंद्र में दो मिनट देरी से पहुंचीं छात्राओं को धक्के मारकर निकाला, घटना पर उठे सवाल

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 के पहले ही दिन बिहार में कठोर परीक्षा नियमों और अनुशासन लागू करने के नाम पर परीक्षार्थियों के साथ अमानवीय व्यवहार की घटनाएं सामने आई हैं। ऐसा ही एक मामला मुजफ्फरपुर जिले के नितिश्वर सिंह कॉलेज परीक्षा केंद्र पर देखने को मिला, जहां मात्र दो मिनट की देरी से पहुंची छात्राओं को जबरन धक्के देकर परीक्षा केंद्र से बाहर निकाल दिया गया। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठने लगे हैं।

जानकारी के मुताबिक, वायरल वीडियो में स्पष्ट दिख रहा है कि

कुछ छात्राएं परीक्षा केंद्र में घुसने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन वहां मौजूद पुलिसकर्मियों और परीक्षा केंद्र अधीक्षक ने उन्हें जबरन बाहर निकाल दिया। वीडियो में यह भी देखा जा सकता है कि छात्राएं हाथ जोड़कर और रो-रो कर परीक्षा में बैठने की गुहार लगा रही हैं, लेकिन किसी ने उनकी एक नहीं सुनी।

बाहर आते ही छात्राएं फफक-फफक कर रोने लगीं और बताया कि वे सिर्फ दो मिनट की देरी से पहुंची थीं, जिसका कारण शहर में लगे ट्रैफिक जाम को बताया गया।

इस घटना के बाद परीक्षा केंद्र के बाहर खड़े अभिभावकों में भी आक्रोश देखने को मिला। कई अभिभावकों का कहना था कि बच्चियां समय से निकलने के बावजूद ट्रैफिक में फंस गईं, ऐसे में प्रशासन को थोड़ी सहानुभूति दिखानी चाहिए थी।

वहीं, परीक्षा समिति द्वारा लागू कड़े नियमों की सराहना और आलोचना दोनों हो रही है। एक ओर बोर्ड यह सुनिश्चित कर रहा है कि परीक्षा में कोई अनियमितता न हो, वहीं दूसरी ओर मामूली देर होने पर छात्रों को परीक्षा से वंचित कर देना कठोर निर्णय माना जा रहा है।

इस घटना पर प्रशासन की ओर से सफाई देते हुए परीक्षा केंद्र के एक अधिकारी ने कहा कि बोर्ड के स्पष्ट निर्देश थे कि 9:00 बजे के बाद किसी भी हाल में किसी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। हम सिर्फ नियमों का पालन कर रहे थे। हालांकि, इस घटना के वीडियो वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन पर सवाल उठने लगे हैं।

शिक्षाविदों का मानना है कि परीक्षा के दिन ट्रैफिक जाम, अप्रत्याशित घटनाएं या अन्य परेशानियों के कारण छात्रों को थोड़ी देर हो सकती है। ऐसे में अगर नियमों में थोड़ी नरमी बरती जाए और 5-10 मिनट की मोहलत दी जाए, तो यह परीक्षार्थियों के भविष्य के लिए बेहतर होगा। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (इडएइ) इस घटना पर कोई नरमी बरतने का फैसला लेती है या नहीं।

भाजपा नेता का विवादित बयान

राहुल का विकास ही नहीं हुआ, तो नौवीं फेल तेजस्वी को कैसे समझ आएगा बजट

गया (एजेंसियां)।

गया जिले के गांधी मैदान में शनिवार को एनडीए घटक दलों का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें प्रदेश भर से आए कार्यकर्ताओं और नेताओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में एनडीए के सभी प्रमुख नेता और प्रदेश अध्यक्ष मौजूद रहे। वहीं, बिहार सरकार के मंत्री और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत की और विपक्ष पर तीखे हमले किए।

मीडिया से बातचीत के दौरान दिलीप जायसवाल ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का विकास अभी तक नहीं हुआ है, वह क्या बजट समझेंगे? और तेजस्वी यादव को बजट समझ में आएगा भी कैसे, क्योंकि वह तो नौवीं फेल हैं।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 11 सालों में देश को शक्तिशाली बनाया है, जबकि कांग्रेस ने 65 सालों में देश को गर्त में धकेलने का काम किया। उन्होंने बिहार की स्थिति पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में बिहार में सिर्फ मोकामा घाट पर एक पुल बना था, जबकि एनडीए सरकार ने राज्य में विकास को प्राथमिकता दी है।

बिहार बजट पर चर्चा करते हुए जायसवाल ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मिथिलांचल की साड़ी पहनकर आम बजट पेश किया और 'वोकल फॉर लोकल' का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने किसानों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा को तीन लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दिया है, जिससे किसानों को खेती में सहूलियत मिलेगी।

जायसवाल ने बिहार की विकास योजनाओं पर बोलते हुए कहा कि बजट में बिहार के लिए तीन ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की घोषणा की गई है, जिससे राज्य में हवाई यातायात का विस्तार होगा। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार की सबसे बड़ी समस्या सिंचाई है, जिसके लिए सरकार ने हजारों करोड़ रुपये का बजट पास किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com